@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 15 सितंम्बर 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 306 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस पार्टी देश विरोधियों और घुसपैठियों की रक्षक बन चुकी है : पीएम मोदी

'कांग्रेस के लोग हमारी सेना की बजाय आतंकियों को पालने वालों के एजेंडों को आगे बढ़ाते हैं'

एजेंसी

दरांग (असम)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के दरांग में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जनता को कांग्रेस के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग हमारी सेना की बजाय आतंकियों को पालने वालों के एजेंडों को आगे बढ़ाते हैं। पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। इसलिए आपको कांग्रेस के प्रति हमेशा सतर्क रहना चाहिए।

पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब पूरा देश आतंक से लहूलुहान होता था और कांग्रेस चुपचाप खड़ी रहती थी। आज हमारी सेना 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाती है, पाकिस्तान के कोने-कोने से आतंक को उखाड़ फेंकती है, लेकिन कांग्रेस के लोग पाकिस्तान की सेना के साथ खड़े हो जाते हैं। कांग्रेस के लोग हमारी सेना की बजाय आतंकियों को पालने वालों के

एजेंडों को आगे बढ़ाते हैं। पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है, इसलिए आपको कांग्रेस के प्रति हमेशा सतर्क रहना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'कांग्रेस के लिए अपने वोट बैंक का हित सबसे बड़ा है। कांग्रेस देशहित की कभी परवाह नहीं करती है। आज कांग्रेस देशविरोधियों और घुसपैठियों की भी रक्षक बन चुकी है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब वह घुसपैठ को बढ़ावा देती थी और आज कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बस जाए और भारत का भविष्य घुसपैठिए तय करें।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'दशकों तक कांग्रेस ने असम पर शासन किया, फिर भी उन्होंने 60-65 वर्षों में ब्रह्मपुत्र नदी पर केवल तीन पुल बनाए। इसके विपरीत, जब आपने हमें अवसर दिया, तो हमने केवल एक दशक में छह नए पुल बनाए। यह स्वाभाविक है कि आप हमारे प्रयासों की सराहना करेंगे और हमें अपना समर्थन देंगे। केवल नौ दिनों में नवरात्रि के पहले दिन, जीएसटी दरों में उल्लेखनीय गिरावट आने वाली है, जिससे देश के लोगों को काफी लाभ होगा। इस कमी से सीमेंट, बीमा, मोटरसाइकिल और कारों की कीमतों में भारी कमी आएगी।'

भाजपा विचारधारा की पार्टी, विकसित भारत है हमारा लक्ष्य : जेपी नड्डा

एजेंसी

विशाखापत्तनम। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार बनाने के लिए जनता का आभार जताया। साथ ही, उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन वाईएसआर सरकार भ्रष्ट थी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश तरक्की की ओर आगे बढ़ रहा है। तिरुपति यात्रा के दौरान मैंने कहा था कि तत्कालीन वाईएसआर सरकार भ्रष्ट थी और बदलाव की तत्काल आवश्यकता है। मुझे खुशी है कि आपने यह बदलाव लाया और आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार स्थापित करने में योगदान दिया। इसके लिए मैं जनता का हृदय से धन्यवाद करता हूं।' नड्डा ने भाजपा के विजन को दोहराते हुए कहा, 'हम देश को आगे बढ़ाने वाले लोग हैं, हम देश को विकसित भारत की ओर ले जाने वाले लोग हैं और इसलिए हमारा मंत्र 'सबका साथ,

'तिरुपति यात्रा के दौरान मैंने कहा था कि तत्कालीन वाईएसआर सरकार भ्रष्ट थी और बदलाव की तत्काल आवश्यकता है।'

सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' है। हम ऐसी पार्टी से आते हैं, जो विचार के साथ खड़ी रहती है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर हमने 1952 में कहा कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे, तो हमने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया। अगर हमने 1987 में कहा कि हम राम मंदिर बनाने का रास्ता प्रशस्त करेंगे, तो हमने 2024 में अयोध्या में भव्य राम मंदिर स्थापित होते हुए देखा।' नड्डा ने कहा कि सीएए से संबंधित मुद्दों को हल करने का वादा किया गया था, जिसे संविधान में संशोधन कर लागू किया गया। साथ ही, हमारी सरकार ने तीन तलाक को समाप्त करने का काम किया। इसके अलावा, हमने मुस्लिम समाज के हित में वक्फ संशोधन विधेयक में भी बदलाव किया। जेपी नड्डा ने जीएसटी संशोधन पर कहा, 'अगली पीढ़ी के जीएसटी ढांचे की घोषणा की, जिसमें टैक्स संरचना को सरल करते हुए केवल दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू किए गए हैं। आवश्यक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और अन्य सभी वस्तुओं व सेवाओं पर 18 प्रतिशत टैक्स लगेगा।'

मुंबई एयरपोर्ट पर दो विदेशी नागरिक फर्जी पासपोर्ट के साथ गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों दो विदेशी नागरिकों को फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ कर सहार पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। सहार पुलिस स्टेशन की टीम इन दोनों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे सहार पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने 67 वर्षीय एक बांग्लादेशी नागरिक निरंजन नाथ सुबल को ओमान देश से मुंबई आने पर हिरासत में लिया था। इसी दौरान दूसरे नेपाली नागरिक कृष्णा मर्पण तमांग(29) को भी फर्जी पासपोर्ट मामले में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षारक्षकों ने दोनों को सहार पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। इन दोनों से गहन छानबीन में पता चला है कि दोनों ने कोलकाता में नकली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट प्राप्त किए थे।

महर्षि दयानंद जी ने हमें सत्य, सद्भाव और संस्कार का मार्ग दिखाया: सीएम रेखा

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि समाज और राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज का योगदान ऐतिहासिक और प्रेरणादायी रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महर्षि दयानंद जी ने हमें सत्य, सद्भाव और संस्कार का मार्ग दिखाया है, विशेषकर महिलाओं के सशक्तिकरण में उनका योगदान अमूल्य है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह विचार कल राजधानी में आयोजित आर्य समाज के विभिन्न कार्यक्रमों में व्यक्त किए। उन्होंने पहले डिफेंस कॉलोनी में केंद्रीय आर्य युवक परिषद के 47वें स्थापना दिवस समारोह में भागीदारी की, फिर आर्य समाज वेद मंदिर, पीतमपुरा में वार्षिक उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने समाज उत्थान और राष्ट्रीय निर्माण में आर्य समाज की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में इस संगठन का योगदान अद्वितीय है, जिसने हमेशा जनकल्याण और समाज सेवा को अपना लक्ष्य बनाया है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हम सभी आर्य समाज के आदर्शों पर चलते हुए दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध राजधानी बनाने का संकल्प ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी के जीवन को अत्यंत प्रेरणादायी बताया और कहा कि महर्षि दयानंद जी ने हमें सत्य, सद्भाव और संस्कार का मार्ग दिखाया है। विशेषकर महिलाओं के सशक्तिकरण में उनका योगदान अमूल्य है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी के महती प्रयासों से बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है और इसलिए मैं भी मुख्यमंत्री बन पाई हूं। उन्होंने कहा कि वैदिक संस्कृति और सदाचार से परिपूर्ण यह आयोजन समाज में सेवा, संस्कार और एकता की ज्योति प्रज्वलित करता है। मुख्यमंत्री ने सभी को आह्वान किया कि हमें दयानंद सरस्वती जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक बेहतर भविष्य के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आर्य समाज की निरंतर सक्रियता और

आयोजन क्षमता की भी सराहना की। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी जी केवल एक राजनेता नहीं बल्कि एक संत के समान हैं, जिन्होंने अपने 26-27 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में एक भी दिन अवकाश नहीं लिया और लगातार राष्ट्रहित और जनकल्याण के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज दयानंद सरस्वती जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए मोदी जी देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं और हम सबको भी उनके मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने छोटे-छोटे लालच छोड़कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं, तो हमारी पूरी दिल्ली सबसे बेहतर बन सकती है। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में हो रहे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वर्ष समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने आर्य समाज की परंपरा और संस्कृति को दिल्ली के लिए धरोहर बताया और जनता से अपील की कि सभी मिलकर समाज सेवा, संस्कार और एकता के पथ पर आगे बढ़ें।

बसपा में लौटे अशोक सिद्धार्थ को मायावती ने बनाया केंद्रीय कोऑर्डिनेटर, चार राज्यों दी जिम्मेदारी

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोआर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी हैं।इसके साथ ही उन्हें जम्मू कश्मीर, गुजरात, छत्तीसगढ़ और हिमांचल प्रदेश राज्य का प्रभारी भी बनाया गया है। मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के अशोक सिद्धार्थ ससुर हैं। विरोधी गतिविधियों के चलते आकाश और उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था।

आकाश के माफी मांगने के बाद 6 सितंबर को अशोक ने भी बसपा प्रमुख से सार्वजनिक माफी मांगते हुए पार्टी में शामिल करने का आग्रह किया था। उसके तुरंत बाद मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्हें माफ करते हुए उनको पार्टी में शामिल करने का ऐलान किया था। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व बसपा प्रमुख मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोर्डिनेटर बनाया है। साथ ही उन्हें जम्मू कश्मीर, गुजरात, छत्तीसगढ़ और हिमांचल प्रदेश का प्रभार भी सौंपा गया है। इससे पहले इन राज्यों का काम देख रहे रणधीर सिंह बेनीवाल को सेक्टर चार का केंद्रीय कोआर्डिनेटर बनाया गया है। वहीं, सेक्टर चार का काम देख रहे डॉ. लालजी मेधांकर को सेक्टर पांच और सेक्टर पांच की जिम्मेदारी पूर्व विधायक अतर सिंह राव को मिली है। उनसे पहले पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह देख रहे थे।

यूपी को ग्लोबल पहचान देंगे एआई, बायोटेक, ग्रीन एनर्जी और एग्रीटेक आधारित उद्योग

2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश की गिनती बीमारू और विकास की दौड़ में पिछड़े राज्य की बन चुकी थी।

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'विकसित उत्तर प्रदेश-समर्थ उत्तर प्रदेश @2047' विजन को साकार करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर रही है। इस रूपरेखा में तीन मिशन- समग्र विकास, आर्थिक नेतृत्व और सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा तीन थीम- अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति पर जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री का स्पष्ट मत है कि अगले 22 साल में उत्तर प्रदेश की ग्लोबल पहचान भविष्योन्मुखी उद्योगों पर ध्यान केंद्रित किए बगैर नहीं प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए सरकार का विशेष ध्यान एआई, बायोटेक, ग्रीन एनर्जी और एग्रीटेक आधारित उद्योगों पर है। इसके साथ ही सरकार प्रदेश के 12 प्रमुख सेक्टर (कृषि, औद्योगिक विकास, आईटी व इमर्जिंग टेक, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, नगर व ग्राम्य विकास, सतत विकास, पशुधन, की गिनती बीमारू और विकास की दौड़ में पिछड़े राज्य की बन चुकी थी। सुरक्षा तंत्र की कमजोरी, निवेश

पर्यटन, अवस्थापना और सुरक्षा-सुशासन) के जरिए भविष्य के उद्योगों की रूपरेखा तैयार करने में जुटी हुई है। इस व्यापक खाके का आर्थिक लक्ष्य 2030 तक प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। 2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश के लिए असुरक्षित माहौल, हाई-टेक इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और कौशल विकास की अनुपस्थिति के कारण निवेशकों का विश्वास घटा हुआ था। पुलिस सशक्तिकरण और स्मार्ट मॉनिटरिंग का ढांचा न होने से अपराध पर नियंत्रण ढीला था। यही कारण था कि रोजगार और उद्योग दोनों ही सीमित स्तर पर ठहर गए थे। यहां तक कि अधिकांश उद्यमी अन्य राज्यों की ओर पलायन कर चुके थे। योगी सरकार ने 2017 के बाद से कानून-व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार किए। पुलिस भर्ती और आधुनिकीकरण, स्मार्ट निगरानी नेटवर्क, कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई से प्रदेश का सुरक्षा वातावरण पूरी तरह बदल गया। 'ऑपरेशन कन्विक्शन' जैसी पहलों ने सजा दर बढ़ाई और निवेशकों के लिए विश्वासपूर्ण माहौल तैयार किया। इसका सीधा असर उद्योग और व्यापार पर पड़ा और प्रदेश निवेश का सुरक्षित गढ़ बन सका। यही वजह रही कि 2023 में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश-विदेश की नामचीन कंपनियों ने यूपी में 45 लाख करोड़ से अधिक के निवेश का प्रस्ताव सरकार के समक्ष रख दिया।

खेल को खेल की भावना तक सीमित रखें विपक्षः केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को प्रवास दौरे पर जोधपुर पहुंचे, जहां उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का विरोध कर रहे विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना तक सीमित रखना चाहिए। इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'भारत आर्थिक विकास और घरेलू पर्यटन में तेजी का अनुभव कर रहा है। यह भारत भ्रमण के प्रति बदलते वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है।' उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में कहावत है पॉलिसी एंड प्रोटोकॉल। इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर खेलना व संवाद करना हम खेल से आगे बढ़कर भी कर सकते हैं। कल ओलंपिक खेल होंगे, एशियाई खेल होंगे। खेल को खेल की भावना से देखना चाहिए। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, ÷हमने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एक पोर्टल लॉन्च किया है। अब तक इस पोर्टल पर दो लाख डिजिटल पांडुलिपियां उपलब्ध हैं और जल्द ही यह संख्या दस लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। हमने इन पांडुलिपियों को रखने वाले सभी संरक्षकों, जिनमें मठ, मंदिर, विभिन्न

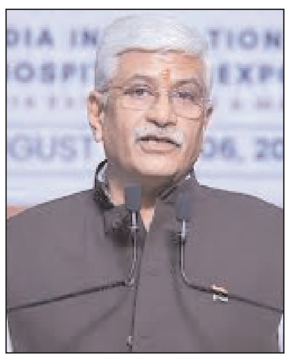

'भारत आर्थिक विकास और घरेलू पर्यटन में तेजी का अनुभव कर रहा है। यह भारत भ्रमण के प्रति बदलते वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है।'

संगठन, धार्मिक ट्रस्ट, विश्वविद्यालय और अभिलेखागार शामिल हैं, सभी के साथ सहयोग किया है।'

उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भी टूर्नामेंट होंगे और कॉमनवेल्थ गेम्स में भी टूर्नामेंट होंगे। जो भी टूर्नामेंट होता है, उसे खेलना चाहिए। जो खेल है उस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। हम लोग राष्ट्र के हित में काम करेंगे। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति हो रही है। इसके चलते डोमेस्टिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है। पिछले एक साल में भारत की आबादी से डेढ़ गुना अधिक लोग यहां आए हैं। देश में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे पता चलता है कि भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल रहा है। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में अब तक तीन मैच खेले गए हैं, जिसमें दो मुकाबले टीम इंडिया ने अपने नाम किए।

उत्तर बंगाल में 5.9 तीव्रता का भूकंप, लोगों में दहशत

सिलीगुड़ी। उत्तर बंगाल के बड़े इलाके में फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रविवार शाम 4:41 बजे अचानक सब कुछ हिल गया। कई लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए क्योंकि सितंबर में पहले भी कई बड़े भूकंप आ चुके हैं। उल्लेखनीय है कि, भूकंप का केंद्र असम की राजधानी गुवाहाटी और तेजपुर के बीच ढेकियाजुली नामक स्थान पर था। भूकंप सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.9 थी। असम सीमावर्ती अलीपुरद्वार जिले के अलावा कूचबिहार, दिनहाटा, चेंगराबांधा और जलपाईगुड़ी जिलों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए है। वहीं, मालदा और दिनाजपुर में भी झटके महसूस किए गए हैं। इसके अलावा भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के कई हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए। दुर्गा पूजा के मौसम में बाजारों में अच्छी भीड़ थी, खरीदारी के दौरान लोग भयभीत हो गए। कुछ देर के लिए सब कुछ थम सा गया।

हरिद्वार में अस्थियां विसर्जन करके लौट रहे परिवार की कार नाले में गिरी, सात लोगों की मौत

एजेंसी

जयपुर। जयपुर के शिवदासपुरा थाना इलाके में प्रहलादपुरा के पास रिंग रोड से नीचे पानी से भरे नाले में एक कार गिर गई। हादसे में कार सवार सात लोगों की मौत हो गई। कार में सवार सभी लोग हरिद्वार से लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर करीब बारह बजे एक युवक ने नाले के पानी में कार डूबी देख पुलिस को सूचना दी। इस पर डीसीपी साउथ राजर्षि राज वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। कार को नाले से बाहर निकालकर शवों को मोर्चरी में रखवाया। प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि कार रिंग रोड पर अनियंत्रित होने के बाद सोलह फीट नीचे अंडरपास में भरे पानी में गिर गई। शिवदासपुरा थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि फुलियावास केकड़ी और जयपुर के वाटिका निवासी कालूराम के पिता की मौत होने पर दो परिवारों के सात लोग हरिद्वार गए थे। हादसे में मारे गए सभी लोग हरिद्वार में अस्थियां विसर्जन करके घर लौट रहे थे। मृतकों में रामराज वैष्णव, पत्नी मधु और बेटा रूद्र तथा रिश्तेदार कालूराम, उसकी पत्नी सीमा व बेटा रोहित व गजराज नाम के लोग हैं ।

श्रद्धा और विश्वास पर चलती है दुनियाः मोहन भागवत

● सरसंघचालक ने इंदौर में किया मंत्री पटेल की 'परिक्रमा कृपा सार' पुस्तक का विमोचन-नर्मदा परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमें प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है

एजेंसी

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हमारा देश श्रद्धा का देश है। यहां कर्मवीर भी हैं और तर्कवीर भी हैं। तर्क और शास्त्रार्थ में हमारा देश कहीं भी पीछे नहीं है, परंतु हम लोग जानते हैं कि श्रद्धा और विश्वास से जीवन चलता है। जिनको जड़वादी कहा जाता है, वे भी आजकल इसको मानते हैं। दुनिया श्रद्धा और विश्वास पर चलती है। आज दुनिया में संघर्ष इसलिए है, क्योंकि सभी के मन में अहम है, जिसमें केवल यह सोच है कि मैं ही आगे बढ़ूं और दूसरा कोई आगे न बढे, इसलिए सभी आपस में भिड़े हुए हैं। सरसंघचालक डॉ. भागवत रविवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित नर्मदा खंड सेवा संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल की लिखी पुस्तक %परिक्रमा कृपा सार% का विमोचन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहे। सरसंघचालक ने कहा कि मुझे बताया गया

कि पुस्तक में नर्मदा परिक्रमा के अनुभव का वर्णन है। इसे मैंने मान्य कर लिया है, क्योंकि नर्मदा परिक्रमा बहुत बड़ी श्रद्धा का विषय है। नर्मदा परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमें प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है। यह अनुभव जीवन को नई दिशा देता है और व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में 'भगवान' एक हों या अनेक, इससे टकराव होना स्वाभाविक है, लेकिन भारतीय दर्शन हमें सिखाता है कि ऐसे विवादों में पड़ने की आवश्यकता नहीं है। हमारे दृष्टिकोण में सिर्फ़ भगवान हैं और कोई नहीं, इसलिए सभी टकराव निरर्थक हो जाते हैं। जीवन की सच्चाई यही है कि हम सब एक हैं, लेकिन व्यवहार में हम सभी के साथ समानता नहीं बरतते। जब कोई व्यक्ति स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ मानने लगता है, तभी संघर्ष और विवाद जन्म लेते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के मन में आया कि एक कंपनी होनी चाहिए है। वे मजिस्ट्रेट के पास गए। उन्होंने कहा कि हम लोग एक कंपनी हैं। जनरल मोटर्स उसका नाम है। उनकी बात को मजिस्ट्रेट ने मान लिया, जबकि जनरल मोटर्स नाम की कंपनी का अस्तित्व है ही। कुछ लोगों ने कह दिया और एक आदमी ने मान लिया। अगर कल कोई घोटाला हो गया तो ये कह सकते हैं कि कंपनी तो मैं नहीं हूं, लेकिन जनरल मोटर्स नाम की कंपनी साल में एक लाख कारें तैयार करती है। कंपनी इतने लाख लोगों को रोजगार देती है। उसके नाम पर इतने करोड़ों का व्यवहार करते हैं। यह सब क्या है? इसे ही कहते हैं कि दुनिया विश्वास पर चलती है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां जो श्रद्धा है। यह कहीं सुनने से नहीं आई है। यह काल्पनिक श्रद्धा नहीं है। जो कोई प्रयास करेगा वो उसे ले सकेगा।

इस साल भारी तबाही मचाने के बाद आज से शुरु होगी मानसून की वापसी

बारिश और बादल फटने की घटनाओं में सैकड़ों लोगों की गई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। इस साल भारत के कई राज्यों में भारी बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, बिहार, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भारी तबाही मची। खासकर पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं में 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिकि दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 सितंबर से उत्तर-पश्चिम भारत से वापसी शुरू कर सकता है। विभाग ने कहा है कि 17 सितंबर से मानसून पूरी तरह लौटना शुरू करेगा और 15 अक्टूबर तक यह देश से पूरी तरह चला जाएगा। राजस्थान में 15 सितंबर से मानसून की वापसी शुरू होगी, जबकि कर्नाटक के रास्ते यह 15 अक्टूबर तक पूरी तरह लौट जाएगा। इस साल मानसून 24 मई को केरल पहुंचा था, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी आया। पूरे सीजन में देश में सामान्य 778.6 मिमी बारिश की तुलना में 836.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 7 फीसदी ज्यादा है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य 538.1 मिमी की तुलना में 34 फीसदी ज्यादा यानी 720.4 मिमी बारिश हुई। मध्य भारत में 978.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 882 मिमी से 11 फीसदी ज्यादा है। दक्षिण भारत में भी सामान्य 611 मिमी से 7 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। हालांकि, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में बारिश सामान्य से कम रही, जहां 949.6 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 1192.6 मिमी से 20 फीसदी कम है। पंजाब में भारी बारिश के कारण दशकों बाद बाढ़ ने तबाही मचाई है। राज्य के सभी 23 जिले और 1900 से ज्यादा गांव जलमग्न हैं। लाखों हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गईं और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में नदियों ने विकराल रूप धारण किया, जिसके चलते कई पुल बह गए। बादल फटने की घटनाओं ने इन राज्यों में और ज्यादा तबाही मचाई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि मानसून की वापसी के दौरान भी कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी। प्रभावित राज्यों की सरकारें राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं, लेकिन बारिश से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करें : बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि सभी विधानमंडल अपनी कार्यवाही और चर्चा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक स्थापित करें। सदनों में नियोजित गतिरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए ओम बिरला ने सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मीडिया से भी आग्रह किया कि सदन में तथ्यपरक, सारगर्भित चर्चा करने वाले जनप्रतिनिधियों के दृष्टिकोण को प्रमुखता से दिखाए, ताकि सदस्यों के बीच स्वस्थ संवाद के लिए प्रतिस्पर्धा हो। लोक सभा अध्यक्ष ने कर्नाटक विधानमंडल की मेज़बानी में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए)-भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन समारोह में ये विचार व्यक्त किए। बिरला ने कहा कि इन सम्मेलनों के माध्यम से हमारा प्रयास है कि

आने वाले समय में विधानमंडल नियोजित गतिरोध के बिना कार्य कर सकें। बेंगलुरू में चले इस तीन दिवसीय सम्मेलन का समापन कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के भाषण के साथ हुआ। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति, विधान सभा के अध्यक्ष ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए सदनों के अंदर गतिरोध और व्यवधान को समाप्त किए जाने, संसद के सहयोग से राज्यों की विधायी संस्थाओं की अनुसंधान एवं सन्दर्भ शाखाओं को मजबूत करने, विधायी संस्थाओं में डिजिटल टेक्नोलॉजी का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर सर्वसम्मति से संकल्प अंगीकृत किए गए। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि जनता यह महसूस करे कि विधानमण्डल उनकी आवाज़ का सशक्त मंच है, न कि केवल राजनीतिक टकराव का स्थान। वैचारिक या राजनैतिक मतभेदों के आधार पर सदन रोकने के स्थान पर हमारा संकल्प सदन चलाने का होना चाहिए।

गले में तख्ती डालकर थाने पहुंचा आरोपी... आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में 11वीं कक्षा की छात्रा के साथ छेड़खानी और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। कोचिंग जा रही छात्रा को आरोपी यश कुमार ने रोका और विरोध करने पर मारपीट की। आरोपी ने छात्रा को तीन थप्पड़ मारे और उसके चेहरे पर थूका। आरोपी ने बलपूर्वक छात्रा को जबरन अपनी गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की। छात्रा के साथियों के आने पर आरोपी धमकी देकर भाग गया। जब पीड़िता की मां ने थाने में शिकायत की और कार्रवाई नहीं हुई, तब वे संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार के पास गईं। उनके निर्देश पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सख्ती देखकर आरोपी यश कुमार एक तख्ती गले में डालकर थाने पहुंचा, जिस पर लिखा था, मुझे माफ कर दीजिए, आज से हर लड़की को अपनी मां-बहन समझूंगा। पीड़िता की मां के अनुसार, आरोपी कई दिनों से उनकी बेटी का पीछा कर रहा था। घटना 8 सितंबर की है, जब आरोपी अपने 8-10 दोस्तों के साथ आया और छात्रा का रास्ता रोककर उसका हाथ पकड़ा। जब छात्रा ने विरोध किया तो उसे मारा-पीटा गया और उसके चेहरे पर थूका गया। छात्रा के साथियों ने जब बचाव करने की कोशिश की, तब उन्हें भी पीटा गया।

सपा विधायक इकबाल महमूद का दावा, आगामी 500 साल तक भारत का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता कोई मुस्लिम

संभल (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ विधायक इकबाल महमूद ने दावा करते हुए कहा है, कि भारत में अगले 500 साल तक कोई मुस्लिम प्रधानमंत्री नहीं बन सकता है। उनके इस बयान को लेकर राजनीति गर्मा गई है और लोग इसे विवादित बयान बता रहे हैं। एक कार्यक्रम के दौरान सपा विधायक महमूद ने कहा, कि हमने गैर मुस्लिम को ही अपना नेता माना है। मुख्यमंत्री की बात करें तो जम्मू-कश्मीर को छोड़ दें तो सभी राज्यों में गैर मुस्लिम ही मुख्यमंत्री हैं। मुसलमानों को मालूम है कि वो क्या बन सकते हैं, इसलिए वे सोच-समझकर फैसला लेते हैं। इसी के साथ ही सपा विधायक महमूद ने कहा, कि मुसलमानों की प्राथमिकता अपने धर्म, मस्जिद और मदरसे की सुरक्षा है। जो भी पार्टी उनकी इन आवश्यकताओं की रक्षा करती है, मुसलमान उसका साथ देता है। उन्होंने दावा किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए काम किया है, इसलिए मुस्लिम समाज उन्हें वोट देता है। यहां विधायक मह्मूद ने भाजपा पर निशाना भी साधा और कहा कि बीजेपी मुसलमानों के लिए कुछ नहीं करती और वह केवल 80-20 के बंटवारे की राजनीति करती है। उनका इशारा हिंदू-मुस्लिम वोट बैंक की तरफ था। इस बयान के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। बीजेपी नेता इसे मुसलमानों की वोटबैंक राजनीति बताकर सपा पर हमला कर रहे हैं, जबकि विपक्ष का कहना है कि यह बयान भाजपा की ध्रुवीकरण की राजनीति का नतीजा है।

आज से तेजस्वी निकल रहे बिहार अधिकार यात्रा शुरू, जहानाबाद से शुरू होकर वैशाली में समाप्त होगी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में बिहार अधिकार यात्रा शुरू की है। यह यात्रा 16 को जहानाबाद से शुरू होकर 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी, जिसमें पांच दिनों में 10 जिलों को कवर किया जाएगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनाव से पहले मतदाताओं के साथ संवाद स्थापित करना है। यात्रा के दौरान, तेजस्वी यादव जनसंवाद के माध्यम से कई निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों से सीधे जुड़ने वाले है। इस पहल को उनकी पिछली मतदाता अधिकार यात्रा के बाद शुरू किया गया है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मतदाता सूची संशोधन से संबंधित मुद्दों पर प्रचार किया था। राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने यात्रा में पार्टी के सांसदों, विधायकों, जिला अध्यक्षों और नेताओं को शामिल होने का निर्देश दिया है। यात्रा का मार्ग जहानाबाद से नालंदा, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर होकर वैशाली तक जाएगा। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर, राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि राज्य में अपराध चरम पर है और भ्रष्टाचार व्यापक रूप से फैला हुआ है।

अहमदाबाद में मर्सिडीज कार की डिग्गी में मिली बिल्डर की लाश

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में हत्या का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बिल्डर की लाश विराटनगर ओवरब्रिज के नीचे पार्किंग में मर्सिडीज कार की डिग्गी में मिली है। हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी, मृतक हिम्मत रुड़ानी के फोन कॉल्स की डिटेल्स के माध्यम से जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक हत्यारों का पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार विराटनगर ओवरब्रिज के नीचे पार्क की गई सफेद रंग की मर्सिडीज कार में से दुर्गंध आ रही थी। जिसके बाद 13 सितंबर की रात लोगों के द्वारा पुलिस को कार में से दुर्गंध आने की जानकारी दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस को जांच में पता चला कि डिग्गी में लाश है। पुलिस ने लाश की पहचान हिम्मत रुड़ानी की रुप में की, जो की एक बिल्डर थे। जानकारी के मुताबिक किसी अज्ञात शख्स ने बिल्डर हिम्मत रुड़ानी की हत्या करके उनकी लाश को कार की डिग्गी में छोड़कर फरार हुआ है। मृतक हिम्मत रुड़ानी के शरीर पर घाव के निशान मिले हैं, जो की किसी धारदार हथियार से किए गए हैं। मृतक की कॉल डिटेल्स और ब्रिज के आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। परिजनों से बातचीत की जा रही है। पुलिस सूत्रों के पास से मिल रही जानकारी के मुताबिक बिल्डर रुड़ानी की हत्या मामले में एक नाबालिग सहित तीन लोगों को राजस्थान के सिरोही से हिरासत में लिया गया है बताया जा रहा है कि हिम्मत रुड़ानी सुबह अपने घर से कंस्ट्रक्शन साइट पर जाने के लिए निकले थे, उसके बाद से उनका संपर्क नहीं हो पा रहा था।

देश की जनता बदलाव चाहती है, सत्ता परिवर्तन वोट के जरिये ही संभव

-सपा प्रमुख बोले- बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा, आरक्षण बचेगा

लखनऊ, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुखा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि देश में सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक व्यवस्था में वोट के जरिए ही संभव है। उन्होंने कहा कि गैरबराबरी, महंगाई, भ्रष्टाचार से सभी त्रस्त हैं। आरक्षण को खत्म करने की साजिशें रची रही हैं। जनता बदलाव चाहती है। वह और इंतजार के मूड में नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनावों में सपा की सरकार बनना तय है। बीजेपी को वोट के लोकतांत्रिक अधिकार के जरिए ही शांतिपूर्ण अहिंसक तरीके से अब सत्ता से उखाड़ फेंकने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा। आरक्षण बचेगा। सामाजिक आर्थिक गैरबराबरी मिटेगी और लोगों में खुशहाली आएगी। बीजेपी की हार के बाद सामाजिक न्याय का राज कायम होगा। पीडीए जीतेगा और जातीय जनगणना से समानुपातिक आधार पर सबको उनका हक और सम्मान मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र और संविधान को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इस सरकार में अन्याय और अत्याचार चरम पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार से हर वर्ग परेशान हो चुका है। बीजेपी सरकार में पीडीए के साथ लगातार अपमान और उपेक्षा हो रही है। पीडीए एकजुट हो रहा है। पीडीए सामाजिक-राजनीतिक विकल्प है। उन्होंने कहा कि बीजेपी लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद संविधान की प्रस्तावना में है बीजेपी इन्हीं पर हमले कर रही है। गरीबी-अमीरी के बीच खाई गहरी हो गई है जिसके कारण लोगों में बीजेपी सरकार से नाराजगी है। बीजेपी सरकार में विकास कार्य ठप हैं। उसका न कोई स्पष्ट विजन है और नहीं कार्य दिशा है।

फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में भारत, यूएनजीए में दिया समर्थन

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम-एशिया में इजरायल और हमास के बीच लंबे वक्त से जारी भीषण संघर्ष के दौर में भारत, फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के पक्ष में खड़ा हो गया है। साथ ही उसने मामले पर विश्व के सबसे बड़े निकाय संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भी इस संबंध में बीते शुक्रवार देर रात आए एक प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया है। जिसे जानकार वर्तमान में गाजा को लेकर बने हुए भारत के रुख से इतर उसका एक बड़ा कदम बता रहे हैं।

पूर्व में करीब तीन वर्षों से भारत ने यूएन में मामले पर लाए गए प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाता हुआ नजर आ रहा था। लेकिन दशकों से वह द्विराष्ट्र सिद्धांत के जरिए इस समस्या का समाधान निकालने का समर्थन करता रहा है। जिसमें यह स्पष्ट है कि इजरायल के साथ फिलिस्तीन को भी एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी जाएगी। महासभा में फ्रांस और सऊदी अरब द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया था। जिसे भारत समेत दुनिया के कुल 142 देशों ने अपना समर्थन प्रदान किया। अमेरिका, इजरायल, अर्जेंटीना के साथ ही 10 देशों ने इसके विरोध में मतदान किया। जबकि दर्जनभर देशों ने मतदान से दूरी बनाई। इजरायल ने न्यूयॉर्क घोषणापत्र को अस्वीकार करते हुए महासभा की प्रासंगिकता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है।

यहां बता दें कि बतौर स्वतंत्र देश के रूप में फिलिस्तीन को समर्थन देने वाले 142 देशों में खाड़ी के सभी अरब देश शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया के तुरंत बाद महासभा ने प्रस्ताव को न्यूयॉर्क घोषणापत्र के रूप में स्वीकार किया। इसी साल जुलाई महीने में यूएन में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में घोषणापत्र को फ्रांस और सऊदी अरब की सह-अध्यक्षता में वितरित किया गया था। जिसका उद्देश्य मामले के समाधान के लिए फिर से संवाद प्रक्रिया के सिलसिले की शुरुआत करना था। जिससे दशकों से लंबित पड़ा यह विवाद आखिरकार हल किया जा सके और इलाके में शांति स्थापित की जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि इस प्रस्ताव को महासभा के 142 देशों के समर्थन के जरिए फिलिस्तीन समस्या के निदान को लेकर हमने दो राष्ट्र सिद्धांत के पक्ष में अपना संकल्प जताया है। हम सभी देश एकजुटता से मध्य-पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए एक पृथक मार्ग का निर्माण कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने दो टूक कहा- एसआईआर कब लागू करना है ये न्यायालय तय नहीं कर सकता

नई दिल्ली(एजेंसी)। एसआईआर को लेकर पूरे देश में बहस छिड़ी हुई है। विवाद बढ़ा तो मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। 8 सितंबर को न्यायमूर्ति सूर्या कांत की पीठ ने आदेश दिया कि आधार कार्ड को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 12वें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। आयोग इस पर आरक्षण जता रहा था, लेकिन अदालत ने कहा कि भले ही आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है यह पहचान और निवास का वैध साक्ष्य है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दिए जवाब में यह स्पष्ट कर दिया है कि उसे किसी भी तय अंतराल पर विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) कराने के लिए अदालत बाध्य नहीं कर सकती है। आयोग का कहना है कि संविधान और कानून के अनुसार मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार विशेष रूप से उसी के पास निहित है। आयोग ने दाखिल हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1950 और मतदाता पंजीकरण नियम- 1960 के तहत मतदाता सूची तैयार करने व संशोधित करने का अधिकार केवल चुनाव आयोग को है।

अदालत द्वारा तय अंतराल पर संशोधन का आदेश देना आयोग की पूर्ण संवैधानिक शक्तियों में हस्तक्षेप होगा। कानून में किसी निश्चित समयावधि का प्रावधान नहीं है, आयोग परिस्थितियों के अनुसार सारांश, गहन या विशेष संशोधन करने के लिए स्वतंत्र है। यह हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका के जवाब में दायर किया गया है। उपाध्याय ने मांग की है कि देशभर में विशेष संशोधन नियमित अंतराल पर हों, ताकि गैरकानूनी विदेशी घुसपैठिये चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सकें।

उनका आरोप है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों और जनसंख्या असंतुलन ने कई राज्यों की मतदाता सूचियों को विकृत किया है। उन्होंने दावा किया कि बिहार की हर विधानसभा सीट में 8,000-10,000 तक फर्जी या दोहराए गए नाम हो सकते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चल रही विशेष संशोधन प्रक्रिया पर विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया है कि यह मतदाता सूची को पक्षपातपूर्ण बनाने की कोशिश है। चुनाव आयोग ने पलटवार करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को प्रदर्शन करने के बजाय सही मतदाताओं की मदद करनी चाहिए। आयोग ने अदालत को बताया कि 1 जनवरी 2026 को पात्रता तिथि मानते हुए विशेष गहन संशोधन पहले ही तय कर लिया गया है। सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पूर्व-तैयारी गतिविधियां शुरू करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। 10 सितंबर को दिल्ली में सीईओ सम्मेलन आयोजित कर तैयारी की समीक्षा की गई।

भारत-पाक मैच को लेकर भड़के ओवैसी, सरकार को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में आज रात होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक विवाद गहराता जा रहा है। पाहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बीच इस मैच पर सवाल उठाते हुए विपक्ष और पीड़ित परिवारों ने बहिष्कार की मांग की है। वहीं एआईएमआईएम चीफ और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी ने न केवल सवाल उठाए बल्कि खरी-खरी सुना दी।

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, क्या हमारे 26 नागरिकों की जान की कीमत कुछ हजार करोड़ रुपये से कम है? प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते, बातचीत और आतंकवाद साथ नहीं चल सकते। फिर एक क्रिकेट मैच से बीसीसीआई को कितनी कमाई होगी, 2000 करोड़, 3000 करोड़? क्या पैसों की कीमत जान से ज्यादा है?' ओवैसी ने असम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भी सवाल किया कि क्या उनके पास यह ताकत नहीं है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर सकें?

वहीं भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, कांग्रेस के शासन में भी मैच खेले जाते थे। हमने पाकिस्तान को जंग में हराया है, क्रिकेट में भी हराएंगे। मैदान छोड़ना सही नहीं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मैच और तनाव को अलग-अलग मुद्दे समझना चाहिए। उन्होंने कहा, खेल का भी महत्व है। खिलाड़ियों ने मेहनत की है। जो फैसला लिया गया है, सोच-समझकर लिया गया है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने नागरिकों से मैच न देखने की अपील की। उन्होंने कहा, क्रिकेट पर आतंक को तरजीह न दें, पाहलगाम के 26 परिवारों के साथ खड़े हों। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा, युद्ध और क्रिकेट साथ-साथ कैसे हो सकते हैं? इन्होंने देशभक्ति को भी धंधा बना दिया है। कांग्रेस नेता अभिषेक दत्त ने मैच रद्द करने की मांग की और कहा कि सरकार के नो टॉक्स विद टेरर वाले रुख से यह निर्णय मेल नहीं खाता। आप नेताओं ने पाकिस्तान का पुतला जलाया। पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने क्लबों और रेस्टोरेंट्स का बहिष्कार करने की अपील की, जो मैच का लाइव प्रसारण करेंगे।

सीएम ममता ने दी हिंदी दिवस की शुभकामनाएं, छठ महापर्व पर किया छुट्टी का ऐलान

-आगामी विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला ममता की चुनावी रणनीति का हिस्सा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर एक बड़ा ऐलान किया है। इस दौरान उन्होंने बिहार और उत्तर भारत से जुड़े हिंदी भाषी समुदाय को साधने की कोशिश की है। उन्होंने हिन्दी भाषियों को शुभकामनाएं दीं, बल्कि छठ महापर्व के मौके पर दो दिन की सरकारी छुट्टी का भी ऐलान किया है। माना जा रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला ममता की चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जिससे वे राज्य में बसे बिहारी और हिंदी भाषी वोट बैंक को अपने पाले में लाना चाहती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा- आज हिन्दी दिवस है। इस अवसर पर सभी हिन्दी भाषी भाई-बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। हर साल हम श्रद्धा के साथ हिन्दी दिवस मनाते हैं। हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान हैं। उन्होंने बताया कि 2011 के बाद से उनकी सरकार ने हिन्दी भाषी लोगों के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं, जिन क्षेत्रों में 10 फीसदी से ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं, वहां हिन्दी को सरकारी भाषा का दर्जा दिया गया है। साथ ही संथाली, उर्दू, नेपाली, पंजाबी, तेलुगु और उड़िया जैसी कई भाषाओं को भी मान्यता दी गई है।

सीएम ममता ने कहा कि हिन्दी के विकास के लिए हिन्दी अकादमी का गठन किया गया है। हावड़ा में हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई और नक्सलबाड़ी व बानारहाट में हिन्दी माध्यम डिग्री कॉलेज खोले गए हैं। उच्च माध्यमिक के प्रश्नपत्र अब हिन्दी में उपलब्ध हैं और कई कॉलेजों में हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। इसके साथ ही सीएम ममता ने कहा कि 'हिन्दी भाषी समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए, राज्य सरकार ने छठ पूजा के उपलक्ष्य में दो दिन की सरकारी छुट्टी का ऐलान किया है। बंगाल में बड़ी संख्या में बिहारी और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए लोग रहते हैं और छठ पूजा उनकी आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। ममता का यह कदम सीधा इस वर्ग को साधने वाला है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला बीजेपी के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है, क्योंकि बीजेपी भी बंगाल में हिंदी भाषी

समुदाय को साधने का प्रयास करती है, लेकिन छठ पर्व पर सरकारी छुट्टी देकर ममता ने सीधे उस वर्ग की भावनाओं को छुआ है, जिससे बीजेपी खुलकर विरोध भी नहीं कर पाएगी। ममता ने चुनाव से पहले हिन्दी भाषी समुदाय को धार्मिक और सांस्कृतिक तोहफा देकर बड़ा मास्टरस्ट्रोक लगाया है। इसका फायदा आने वाले विधानसभा चुनाव में टीएमसी को मिल सकता है।

महिला से छेड़छाड़ और मारपीट में एक गिरफ्तार

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-40 की पुलिस ने महिला से छेड़छाड़ करने और उसके साथी से मारपीट करने के मामले में एक आरोपी को दिल्ली के हौज खास से गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। बुधवार को गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दिल्ली के मुनिरका गांव, बसंत कुंज निवासी प्रकाश के रूप में हुई है। आरोपी से पूछताछ करने पर पता चला कि मामले में पीड़िता ने क्लब में आकर गाली-गलौज की थी। ऐसे में क्लब के बाउंसरों ने उनसे मारपीट की थी। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार का कहना है कि पुलिस द्वारा मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों को काबू करके जांच में शामिल किया जाएगा। 8 जून को एक महिला ने सेक्टर-29 थाने में दी शिकायत में बताया था कि वह अपनी ड्यूटी करके घर वापस लौट रही थी। रास्ते में मिराज क्लब के बाउंसर व स्टाफ के लोग उसे घूरने लगे और गंदे कमेंट पास करने लगे। छेड़छाड़ भी की। उसने यह बात अपने क्लब (ह्यूमन नाइट क्लब) के मालिक को बताई थी। जब उनके क्लब के मालिक ने मिराज क्लब के मालिक व मैनेजर से बात की तो उनके बाउंसरों अनिल, रोहित, एकलव्य, प्रकाश के अलावा अन्य चार युवकों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

दो दुकानों के चबूतरे ढहाए, सात दिन का अल्टीमेटम

सोहना। जिला नगर योजनाकार अधिकारी आरएस भट्ट ने कस्बे में पहुंचकर अतिक्रमणकारियों को सात दिनों में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी है। नोडल अधिकारी भट्ट ने समूचे बाजार का पैदल ही निरीक्षण किया तथा दुकानदारों को सफाई रखने का पाठ भी पढ़ाया। वहीं रात्रि को दो दुकानों के चबूतरों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। सोहना कस्बे में बुधवार शाम को नोडल अधिकारी आरएस भट्ट के पहुंचने पर अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। दुकानदारों ने आनन फानन में अपनी दुकानों को बंद कर डाला। नोडल अधिकारी आरएस भट्ट ने कस्बे के बस स्टैंड मार्ग, मोती प्लाजा आदि बाजारों में पैदल चलकर निरीक्षण किया।

डीयू के कॉलेजों में खाली सीटें भरने की कवायद फिर से होगी शुरू

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक कार्यक्रमों की खाली सीट भरने के लिए दोबारा से कवायद शुरू होगी। इस संबंध में शुक्रवार को डीयू कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक में शून्य काल के दौरान कुछ कॉलेजों में खाली सीटों को लेकर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने एक सुझाव दिया। उन्होंने इन खाली सीटों के लिए ओपन मॉप अप राउंड के आयोजन का विचार परिषद के सामने रखा। इसमें फिजिकल एडमिशन के माध्यम से छात्र स्पॉट एडमिशन द्वारा सीधे कॉलेज में दाखिला ले सकें। इस विषय पर ईसी सदस्यों ने नीति निर्धारित करने के लिए कुलपति को अधिकृत कर दिया है। स्नातक कार्यक्रम के लिए अलग-अलग कॉलेजों में 9500 से ज्यादा सीट खाली थी। सीट भरने के लिए मॉपअप राउंड चलाया गया। इसके बावजूद 69 में से 65 कॉलेज/विभाग में सीटें खाली हैं। हालांकि अभी मॉपअप राउंड जारी है उसके बावजूद बड़ी तादाद में सीटें खाली पड़ी है। ईसी की बैठक में सदस्यों ने सुझाव ऑनलाइन के साथ मौके पर दाखिला देने का सुझाव भी दिया। एनईपी 2020 के तहत शुरू हुए यूजी के चौथे वर्ष को लेकर कुलपति ने कहा कि प्रत्येक कॉलेज में रिसर्च डिस्कशन रूम और शिक्षकों के लिए भी कमरों की व्यवस्था की जाए। ईसीए और स्पोर्ट्स कोटा के तहत दाखिलों को लेकर सभी कॉलेजों के लिए स्पष्ट नीति का मुद्दा ईसी सदस्यों द्वारा उठाए जाने पर कुलपति ने कहा कि इसके लिए निर्धारित संयुक्त 5 फीसदी कोटा का प्रावधान सभी कॉलेजों के लिए है। इसमें 3% का प्रावधान कॉलेज अपने स्तर पर वहां उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार कर सकते हैं कि किसे तीन और किसे दो फीसदी देना है। ईसी सदस्यों ने नीति निर्धारण के लिए कुलपति को अधिकृत किया। डीयू ईसी की बैठक में पीएचडी पाठ्यक्रम हेतु दिशा निर्देश भी पारित किए गए। विश्वविद्यालय के सभी विभाग अपने-अपने विषयों में पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करते हैं। यह देखा गया है कि विभिन्न विषयों में पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम के स्वरूप में भिन्नताएं हैं। विभिन्न विषयों में पीएचडी पाठ्यक्रम में एकरूपता लाने के लिए शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से प्रभावी होने हेतु कुछ दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं, जिन्हें डीयू ईसी द्वारा पारित कर दिया गया है। इनके तहत पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक कुल क्रेडिट 12 से 16 क्रेडिट तक होंगे। न्यूनतम 12 क्रेडिट में शोध पद्धति और उन्नत शोध पद्धति के चार क्रेडिट होंगे। रिसर्च पब्लिकेशन एथिक्स के दो क्रेडिट, रिसर्च टूल्स के दो क्रेडिट और डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव कोर्स के चार क्रेडिट होंगे। आवश्यकता पड़ने पर डीएसई से अतिरिक्त चार क्रेडिट प्राप्त किए जा सकते हैं। ईसी में सेंटर फॉर एडवांस्ड बुद्धिस्ट स्टडीज और सेंटर फॉर गुरुमुखी स्क्रिप्ट्स के लिए मंजूरी दी। इसके अलावा ईसी की बैठक में कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने देश के 15वें उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को बधाई देते हुए कि वह दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। उनके स्वागत में डीयू ईसी से प्रस्ताव पारित करके भेजा जाए। सभी ईसी सदस्यों ने सर्वसम्मति से इस आशय का प्रस्ताव पारित किया।

रिजार्ट कारोबारी के घर से गहने व नकदी चोरी में घरेलू सहायक गिरफ्तार

नई दिल्ली। कस्तूरबा गांधी मार्ग निवासी रिजार्ट कारोबारी सतिंदर सिंह छाबड़ा के घर से लाखों के गहने और नकदी चोरी करने वाले उनके घरेलू सहायक को बाराखंभा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से पुलिस ने लाखों के गहने, करीब 57 हजार रुपये, यूरो, दिरहम, रिंगित और सिंगापुर डॉलर बरामद किए हैं। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त देवेश महला ने बताया, शनिवार को उन्होंने बाराखंभा रोड थाने में अपने घर में चोरी होने की शिकायत की थी। उन्होंने अपने घरेलू सहायक रिंकू पर चोरी का आरोप लगाया। हिरासत में लेकर शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने वारदात को अंजाम देने से मना कर दिया। पुलिस ने उसके फोन की जांच की। जिसमें बड़ी रकम के संदिग्ध यूपीआई लेनदेन का पता चला। इसके बारे में पूछताछ में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। उसके बाद उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। कुछ गहने और नकदी को अपने गांव भेज दिया है। जांच के बाद पुलिस ने बताया कि रिंकू उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के उसारी गांव का रहने वाला है।

मुस्लिम लड़कियों से शादी करने वाले युवक थे आतंकियों के निशाने पर

नई दिल्ली। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के समर्थित पेन इंडिया टेरर मॉड्यूल के सदस्य मुंबई में राजनेता की हत्या करना चाहते थे। साथ ही ये पूरे भारत में उन युवाओं की हत्या करना चाहते थे जो मुस्लिम लड़कियों से शादी करते हैं। ये सनसनीखेज खुलासा मॉड्यूल के गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों ने किया है। इस खुलासे से देश की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि आरोपी संदिग्ध आतंकी अपने मॉड्यूल की क्षमता(सदस्य) बढ़ा रहे थे। मॉड्यूल के सदस्य आफ़ताब नासिर कुरैशी व सूफियान अबूबकर को राजनेता की टारगेट किलिंग करने का जिम्मा सौंपा गया था। इसके लिए ये लोग दिल्ली हथियार लेकर आए थे। इन्होंने मेवात से हथियार दिल्ली मंगाए थे। एक शख्स इन्हें हथियार देने मेवात से दिल्ली देने आया था। जब ये हथियार लेकर ट्रेन से मुंबई रवाना होने वाले थे तभी स्पेशल सेल में तैनात एसीपी राहुल विक्रम व इंस्पेक्टर विनयपाल की टीम ने उसे व सूफियान को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पिस्टल व कारतूस बरामद किए गए हैं। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश से जिस संदिग्ध आतंकी कामरान को गिरफ्तार किया गया है वह मुस्लिम लड़कियों से शादी करने वाले युवाओं की हत्या का जिम्मा सौंपा गया था। गिरोह सरगना दानिश ने भी तेलंगाना से हथियार खरीदे लिए थे। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी खासकर दानिश आईएस के पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल अपने गिरोह की क्षमता बढ़ा रहे थे। इन लोगों ने देश के 80 से ज्यादा युवाओं को गुमराह कर मॉड्यूल से जोड़ लिया था। मॉड्यूल के सभी सदस्य युवाओं को जोड़ रहे थे।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोपी बरी

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने एक युवक को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों से बरी किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विपिन खरब धर्मेंद्र कुमार के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिन पर सनलाइट कॉलोनी पुलिस स्टेशन में आत्महत्या के लिए उकसाने के तहत मामला दर्ज किया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि कुमार ने 2 मई, 2016 को अपनी पत्नी सुनीता को फांसी लगाकर आत्महत्या करने के लिए उकसाया था। दंपति की शादी 1998 में हुई थी और उनके दो बेटे हैं। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष के चार गवाहों, जिनमें दंपति के पड़ोस में रहने वाले दो स्वतंत्र गवाह भी शामिल थे, ने पति-पत्नी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों के बारे में गवाही दी थी। अदालत ने कहा कि मृतका के भाई ने अपनी बहन के पति के साथ अच्छे संबंध होने की गवाही दी थी। हालांकि किराये को लेकर उसकी सास से अनबन रहती थी।

करावल नगर में गोली मारकर हत्या, फरार हमलावरों को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में शुक्रवार शाम अज्ञात हमलावरों ने 30 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की घटना करावल नगर थाना क्षेत्र के कमल विहार, करावल नगर में नानक डेयरी के पास हुई। जब पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची, तो उन्होंने पीड़ित को गोली लगने से घायल अवस्था में जमीन पर पड़ा पाया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के भोपुरा निवासी रोहित यादव (30) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दो से तीन लोगों ने कथित तौर पर यादव पर गोलीबारी की और फिर मौके से फरार हो गए। अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल की जांच के लिए फोरेंसिक टीमों को बुलाया गया है। कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और आरोपियों की जल्द से जल्द पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

गर्भवती महिला के साथ रहे सिर्फ एक तीमारदार

बुलंदशहर। जिला महिला चिकित्सालय का शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर गंदगी दिखाई दी। साथ ही जच्चा-बच्चा के पास दो से अधिक तीमारदार बैठे नजर आए। प्रधानाचार्य ने वार्ड में एक जच्चा के साथ एक तीमारदार को प्रवेश देने एवं परिसर की नियमित साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. मनीषा जिंदल ने शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे एमएनसीयू वार्ड का निरीक्षण किया। इसके बाद एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान वार्ड के बाहर गंदगी नजर आई। इसके बाद तृतीय तल पर पीएनसी वार्ड का निरीक्षण किया तो वार्ड में जच्चा-बच्चा के पास दो से अधिक तीमारदार बैठे नजर आए। साथ ही सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। इसको लेकर प्रधानाचार्य ने नाराजगी जाहिर की। कहा कि वार्ड में एक ही तीमारदार को प्रवेश दिया जाए और परिसर की समय-समय पर साफ-सफाई की जाए।

इस दौरान ओएसडी डॉ. विनोद कुमार, नोडल अधिकारी डॉ. रोहित वार्ष्णेय, डॉ. धीर सिंह समेत अन्य स्वास्थ्य अफसर मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने चुनावी खर्च सीमा और सुधारों की याचिका की खारिज

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने राजनीतिक दलों और चुनावी उम्मीदवारों के खर्च की सीमा तय करने सहित अन्य चुनावी सुधारों की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा पहले से ही सरकार के विचाराधीन है और नीतिगत मामलों में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती। कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने से मना करते हुए याचिकाकर्ता को सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष अभ्यावेदन देने की अनुमति देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया। याचिका वजीरपुर निर्वाचन क्षेत्र से 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ने का दावा करने वाले आकाश गोयल ने दायर की थी। उन्होंने निर्वाचन आयोग को मतदान की तारीख से कम से कम दो महीने पहले आदर्श आचार संहिता लागू करने का निर्देश देने की मांग की थी, जो वर्तमान में एक महीने पहले लागू होती है। गोयल ने मांग की थी कि उम्मीदवारों के हलफनामे, संपत्ति का विवरण और आपराधिक रिकार्ड की जानकारी को मतदाता पर्चियों के साथ इलेक्ट्रॉनिक या भौतिक माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रसारित किया जाए।

एम्स में मरीजों को रास्ता दिखाने के लिए दिशा एप लॉन्च

नई दिल्ली। एम्स में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को ओपीडी, लैब, फार्मेसी, सेंटर सहित दूसरे जगहों की खोज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए एम्स ने दिशा एप को तैयार किया गया। जिसकी मदद से एम्स परिसर में एक जगह से दूसरी जगह जाने का रास्ता आसानी से खोजा जा सकेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस स्वदेशी एप के इस्तेमाल के लिए इंटरनेट की भी जरूरत नहीं है। बेसमेंट पार्किंग से लेकर लिफ्ट में भी यह काम करेगी। इस इंडोर नेविगेशन मोबाइल ऐप को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लॉन्च किया। इसका इस्तेमाल अस्पताल के कर्मचारी और आगंतुक भी कर सकेंगे। यह पूरे अस्पताल परिसर के लिए काम करेगी। इसमें अस्पताल के 2डी मैप से रास्तों को खोजा जा सकेगा। इसके लिए एआई आधारित रूट और ऑप्टिमाइजेशन का इस्तेमाल किया गया। एम्स का मानना है कि अस्पताल परिसर बहुत बड़ा है। ऐसे में रास्तों को खोजने में मुश्किल होती है। मरीज समय पर निर्धारित जगह पहुंचे सके उसके लिए एप तैयार किया है। इससे उनका रास्ता खोजने के चक्कर में होने वाला तनाव कम होगा। किसी से पूछना नहीं पड़ेगा और वह गंतव्य स्थल पर पहुंच सकेंगे। यह एप हिंदी और अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। गूगल प्ले स्टोर से एप को डाउनलोड किया जा सकता है। एप पर विभागों के कार्य करने से लेकर उनके बंद होने के समय की जानकारी भी उपलब्ध होगी। लाइव हीटमैप के माध्यम से भीड़ प्रबंधन के बारे में भी जानकारी जुटा सकेंगे। एम्स निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास ने कहा कि एम्स दिशा की अवधारणा मरीज केंद्रित सेवाओं के लिए अगली पीढ़ी की एआई और आईओटी तकनीकों का लाभ उठाने के हमारे दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। एम्स मीडिया सेल प्रमुख डॉ. रीमा दादा ने कहा कि एम्स में 56 विभाग हैं। इस ऐप की मदद से मरीज आसानी से एक सेंटर से दूसरे सेंटर में पहुंच सकेंगे।

नौ महीने तक गिरने के बाद अगस्त में फिर बढ़ी खुदरा महंगाई

नई दिल्ली। अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 1.61 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण सब्जियों, मांस और मछली की कीमतों में वृद्धि है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह बात कही गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। लगातार नौ महीने तक गिरने के बाद खुदरा महंगाई में एक बार फिर से इजाफा दिखा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2025 के दौरान वार्षिक मुद्रास्फीति अगस्त 2024 की तुलना में (–) 0.69 प्रतिशत थी।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Kavita Vishbkarma D/O Shiv Murti Vishbkarma, R/O 4/33, Veena Enclave, Nangloi, West Delhi, Delhi -110041, declare that name of mine,my father and my mother have been wrongly written as Kavita, Shiva and Suman in my 10th class educational document The actual name of mine, my father and my mother are KAVITA VISHBKARMA, SHIV MURTI VISHBKARMA AND MADHURI DEVI,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SHAIBA D/O INTAZAAR R/O B-9/19, B-BLOCK, SHAHBAD DAIRY, PEHLAD PUR, BANGAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110044, declare that name of my father has been wrongly written as INTJAR in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is INTAZAAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Jitender Kumar S/O Gulzari Lal, R/O House-5902 Third floor Block-4, Gali-4, Dev Nagar, Central Delhi, Delhi, 110005, have changed my name and shall hereafter be known as Jitender kumar Lal.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ruby W/O MOHAMMAD SHAHID R/O 2743 GALI PORGON WALI BARADARI BALLIMARAN Delhi G.P.O. Delhi G.P.O. North Delhi Delhi 110006, have changed my name and shall hereafter be known as Shelanaaz.

PUBLIC NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mrs. Tamanna W/o Indresh Kumar R/o 306, 4th Floor, Sai Apartment Plot No. 31,32, Chandra Park, Kakrola Mod, South West Delhi 110078 have severed her relation with Ms. Usha C/o Laxman R/o F-159, JJ Colony, Bakkarwala, West Delhi 110041. My client have each and every apprehension that Ms. Usha C/o Laxman might implicate my client in flase and fabricated case. Now my client has no relation, whatsoever with her abovesaid Ms. Usha C/o Laxman. Any person(s) dealing with her in any manner shall be doing so at their own risk and consequences. My client shall not be responsible in any manner whatsoever for the acts and deeds done by Ms. Usha C/o Laxman.
CHANDER VARDHAN Advocate
Ch No.757, Lawyers Chambers, Dwarka Court Complex, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075

NAME CHANGE
I, S. Vijay Kanth,S/O M. SOUNDARARAJAN R/O H. No. 275, Block-B, Celestial Heights, Plot No. 1A, Sector-2, Dwarka, P.O.: Dwarka Sec-2, Distt. South West Delhi-110075, have changed the name of my minor daughter V. Aisha aged 1 year and she shall hereafter be known as V. Vamika.

NAME CHANGE
I, Sonal Saxena D/o Rajesh Kumar Shrivastava W/o Lalit Saxena R/o K-1702, Godrej Summit Sec 104 Gurgaon 122001 Have Changed My Name to Sonal Shrivastava for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, REENA W/o Sh. DEVINDER SINGH R/o H.No. 17/366, Trilok Puri, Delhi-110091 declare That my exact and correct name is REENA, but wrongly written in my son school record as REENA SINGH. That in future my correct name shall be REENA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Abdul Azeem Qureshi S/o Mohd Chiraguddin R/o 7371, Gali Haji Abdul Rehaman, Sadar Nala Road, Delhi-110006 have changed my name from Abdul Azeem Qureshi to Abdul Azeem for all future purpose.

NAME CHANGE
I, JALAL MONDAL Father of No. 15717105Y Rank-L/NK Name-IDRISH MONDAL Residing at-VILL-KHABRA POTA, PO+PS-GOPAL NAGAR, DISTT-24 PARGANAS (NORTH), WEST BENGAL-743262, have changed my name from JALAL MONDAL to JALAL MANDAL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1964 instead of my correct date of birth as 12/08/1964 Vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, ANJURA BIBI mother of No. 15717105Y Rank-L/NK Name-IDRISH MONDAL Residing at-VILL-KHABRA POTA, PO+PS-GOPAL NAGAR, DISTT-24 PARGANAS (NORTH), WEST BENGAL-743262, have changed my name from ANJURA BIBI to ANJURA MANDAL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1972 instead of my correct date of birth as 18/03/1972 Vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public Delhi.

Lost &Found
I, MR GURBACHAN SINGH S/o SHRI UJAGAR SINGH residing at C - 76, Malviya Nagar ,NEW DELHI do hereby inform to the General Public that I have lost the original land document No' 2376/2007,Survey No 60/3-9.67 , Extension-9 Acre 67 cents,If anyone finds the said document, please contact me over phone no 9958168128.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I AKHTAR HUSSAIN S/O ANWAR HUSSAIN R/O 5952 GALI BABBU KHAN BALLIMARAN Delhi G.P.O. Delhi G.P.O. North Delhi Delhi 110006, declare that name of my wife has been wrongly written as Hina Akhtar in my minor daughter namely Aayat aged 11 years in her school records. The actual name of my wife is Hina Kausar,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJINDER SINGH BISHT S/o GANGA SINGH BISHT R/o D-447B Lajpat Nagar Sahibabad Ghaziabad Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as RAJENDRA SINGH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KM ANITA GUPTA alias ANU GOEL D/o BRIJ PAL GUPTA W/o SANJAY KUMAR GOEL R/o 2nd-B-49, Nehru Nagar Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as ANU GOEL.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RESINDER S/O OM PRAKASH R/O G-539-S, RAM PARK EXTENSION, HAQIQATPUR URF KHUDAWAS, PO: LONI, DIST: GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as RISHIPAL.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Bedo W/O Late Hari Singh R/O, B-109, Masood Pur Village, South West Delhi - 110070, declare that name of mine has been wrongly written as BEDO in my husband PPO NO. S2/2015/ OCT/HORT/ SAP/174 the actual name of mine is Ved Kaur, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MD IDARIS ANSARI SON OF MR. MEER HUSSAIN RESIDENT OF L-30, GROUND FLOOR, ABUL FAZAL ENCLAVE-I, JAMIA NAGAR, DISTT. SOUTH DELHI, NEW DELHI-110025 have changed my name from MOHAMMED IDRIS ANSARI to MD IDARIS ANSARI for all future purposes. That the both names MOHAMMED IDRIS ANSARI and MD IDARIS ANSARI are the name of one and the same person.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Meena Yadav is the owner of Freehold Residential Property bearing No. 51-A/2, admeasuring 429.58 sq. yds. Part of Khasra No. 969/434, Situated in the Abadi of Mohalla Garria, Masjid Chhoti, Chhoti Lane now known as 'Sri Ram Nagar', in the area of Village Chandrawali alias Shahdara, Illaqa Shahdara, Delhi. by virtue of Relinquishment Deed dated 08.02.2007 as vide Doc No. 421, in Book No. I, Vol No. 276, on Pages No. 50 to 55, on this dated 08.02.2007, SR-IVA Shahdara., in the chain Documents below mentioned document not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Sh. Bhagwan Dass & (2) Death Certificate & SMC of Late Smt. Sona Devi died on 01.02.2003 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Property bearing No. 51-A/2, admeasuring 75 sq. yds. Sold too be Ziaul Haq & Shaziya and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Shahdara, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MANOJ KUMAR S/O JAI KARAN R/O H-4-1805, JAHANGIR PURI, AZADPUR, PO- N S MANDI, NORTH WEST DELHI, DELHI-110033, declare that name of mine has been wrongly written as MANOJ in my minor daughter NEHA Aged 14 years in her school records. The actual name of mine is MANOJ KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Mohit Kumar S/O Ram Phire Singh, R/O 203, Pushp Vihar Colony, modipuram, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed the name of my minor daughter Prema Pradhan aged 14 years and she shall hereafter be known as PRERNA ADHANA.

NAME CHANGE
I, Mohit Kumar S/O Ram Phire Singh, R/O 203, Pushp Vihar Colony, modipuram, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed the name of my minor son Pranav Pradhan aged 12 years and he shall hereafter be known as PRANAV ADHANA.

NAME CHANGE
I Aashish S/O Raju HARYANA PALWAL/43 haryana 121102 have chaged my name to Aashis

NAME CHANGE
I, Azima Khatoon W/O Mohd USMAN residing at KH no-244/6 Left portion 4th floor Street no -4 Sangam Vihar Burari Delhi-110084 have changed my name to Azima Khatun for all future purpose.

NAME CHANGE
I, REHMATULLAH S/O ABDUL HAMID residing at A-12/94-A DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to RAHAMTULLA ANSARI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Mohit Kumar S/O Ram Phire Singh, R/O 203, Pushp Vihar Colony, modipuram, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed the name of my minor daughter Prerna Pradhan aged 14 years and she shall hereafter be known as PRERNA ADHANA.

NAME CHANGE
I, VANDANA SHARMA W/O NITIN CHATURVEDI residing at H NO-404 TOWER N10, JAYPEE AMAN, SECTOR-151, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH 201310.have changed my name to VANDNA CHATURVEDI for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANJEET KUMAR S/O ISHWAR SINGH R/O WZ-814, VTC: BADIAL PALAM VILLAGE, DISTRICT: SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, declare that name of mine has been wrongly written as SANJEET DHANKHAR in my minor son AAKASH DHANKHAR aged 15 years in his school record. The actual name of mine is SANJEET KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Ashok Tanwar S/O Bedram R/O B-68 Sawan Public School Bhati Kalan Fatehpur Beri South Delhi 110074 Have changed my name to Ashok for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Abhishek Tanwar S/O Ashok R/O B-68 Sawan Public School Bhati Kalan Fatehpur Beri South Delhi 110074 Have changed my name to Abhishek Tawar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUNITA Mother of No-2626510H Rank-SEP Name-VINOD SHIVALING APARAJ residing at VPO-AINAPUR, TEHSIL-ATHNI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591303, have changed my name from SUNITA to SUNITHA SHIVALING APARAJ for all future purposes vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHIVALING father of No-2626510H Rank-SEP Name-VINOD SHIVALING APARAJ residing at VPO-AINAPUR, TEHSIL-ATHNI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591303, have changed my name from SHIVALING to SHIVALING RAMU APARAJ for all future purposes vide Affidavit Dated 13/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, HARBHAJAN SINGH S/O BHUPINDER SINGH R/O HOUSE NO.-2, GALI NO.7, HIMGIRI ENCLAVE, CHANDER VIHAR, NILOTHI EXTENTION, NEW DELHI-110041, have changed my name from HARBHAJN SINGH to HARBHAJAN SINGH for all purposes.

NAME CHANGE
I, Mohammad Irshad S/O Mohd USMAN residing at KH no-244/6 Left portion 4th floor Street no -4 Sangam Vihar Burari Delhi-110084 have changed my name to Mohd Irshad for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD USHMAN S/O Mohd Ehsan residing at KH no-244/6 Left portion 4th floor Street no -4 Sangam Vihar Burari Delhi-110084 have changed my name to MOHD USMAN for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MOHD AFTAB S/O MD ZAFIR ALAM, R/o E-156, Gali no-06, Shastri Park, Shastri Park, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of my father has been wrongly written as MOHD ZAFIR ALAM in my 10th and 12th class education documents, The actual name of my father is MD ZAFIR ALAM, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Sneha Dhuriya D/o Awdhesh Kumar R/o Balkhandi Naka, Lodha Kunwa, Banda, Dist-Banda, Uttar Pradesh-210001, hereby undertake that I, Sneha Dhuriya want to change my name to Raj Dhuriya and gender as MALE

NAME CORRECTION
I, Jagat Singh S/O Murari Lal R/O Khasra No. 140/19/1, Ground Floor, Street No. 28, Block-A-1, Bengali Colony, Sant Nagar, Burari, Delhi-110084 declare that date of birth of my son Prashant has been wrongly written as 19.06.2010 instead of 19.02.2010 in his school leaving certificate. The exact and correct date of birth of my son is 19.02.2010 according to aadhar card and birth certificate, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SAHEB ALAM S/O MOHD HASIM AND AYSUN BEGUM R/O H NO C-222 GALI NO-5 KH NO-118/21 MADHU VIHAR NEAR MASJID UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 HAVE CHANGED MY NAME, FATHER'S NAME AND MOTHER'S NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS SAHEB ALAM ANSARI S/O MOHD HASIM ANSARI AND MOTHER NAME AS ASUN BEGUM.

NAME CHANGE
I, Mohit Kumar S/O Ram Phire Singh, R/O 203, Pushp Vihar Colony, modipuram, Meerut, Uttar Pradesh - 250110, have changed the name of my minor son Pranav Pradhan aged 12 years and he shall hereafter be known as PRANAV ADHANA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Fayazuddin S/O: Sirajuddin, R/O T-494, Gali N0-12, Gautam puri, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053,declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Fayaz Bharutiya and Sabina in my minor daughter namely Shumaila aged 16 years in her school records. The actual name of mine and my wife are FAYAZUDDIN AND SHABINA,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice to public in general that my client Sh. Kartar Singh S/o Sh. Sudan R/o WZ-179, Gali No.3, Village Tihar, New Delhi has severed his relations and debarred his son Tarun and his wife Pooja alongwith the child from all his movable/immovable property/ies as they are not under control of my client. If anybody deals with them which is at his/her/their own risk & responsibility.
AMIT GABA ADVOCATE
T-7, TIS HAZARI COURTS, DELHI

NAME CHANGE
I YUDHVIR S/O VEERPAL R/O V.P.O, JAWAN, FARIDABAD, HARYANA - 121004 HAVE CHANGE MY NAME TO YUDHVIR DHARIWAL FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I BIR PAL S/O DHARAM BIR R/O V.P.O, JAWAN, FARIDABAD, HARYANA-21004 HAVE CHANGE MY NAME TO BIRPAL DHARIWAL FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I Mohammed Shamim Usmani S/o Mohd Usman R/o 2821, Ground Floor, Mohalla Niyariyan Behind S N Marg, Delhi-110006 have changed my name to Mohd Shamim Usmani for all future purposes

NAME CHANGE
I, GEETA W/o Vipul Kapoor R/o E-39, Street no.16F, Sadh Nagar, Palam, Delhi-110045 have changed my name to GEETA KAPOOR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHILPI KUMARI, D/o. RAJ KUMAR NISHAD, R/o. WZ-306, PALAM VILLAGE, NEW DELHI-110045, have changed my name from SHILPI KUMARI to SHILPI DEVI for all future purpose

NAME CHANGE
I, AMRITA W/o GIRI RAJ R/o H-4/1 GALI NO-4 SHASTRI PARK DELHI-110053 have changed my minor daughter name from CHESHVI to CHESHVI SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO-2812002L Rank-HAV Name-MALI BALIRAM SUDAM residing at VPO-KONDAVAL, TEHSIL-SHAHADA, DIST-NANDURBAR, MAHARASHTRA-425423, have changed my mother's name from KAMALBAI to KAMALBAI SUDAM MALI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 27/03/1953 instead of her correct date of birth as 27/03/1955 vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-2812002L Rank-HAV Name-MALI BALIRAM SUDAM residing at VPO-KONDAVAL, TEHSIL-SHAHADA, DIST-NANDURBAR, MAHARASHTRA-425423, have changed my father's name from MALI SUDAM VITTHAL to SUDAM VITTHAL MALI for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/05/1955 instead of his correct date of birth as 01/01/1952 vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-2812002L Rank-HAV Name-MALI BALIRAM SUDAM residing at VPO-KONDAVAL, TEHSIL-SHAHADA, DIST-NANDURBAR, MAHARASHTRA-425423, have changed my minor daughter's name from BHAVIKA to MALI BHAVIKA BALIRAM for all future purposes vide affidavit dated 13/09/2025 Before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बबलू, पुत्रः केदारी लाल, पताः डी–148, इंद्रपुरी, विकास कुंज लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** और **विजय, पुत्रः बाल किशन, पताः मकान सं. ए–4/171, नन्द नगरी, दिल्ली** और **मुकेश, पुत्रः बनवारी लाल, पताः मकान नं. डी–1/158, नन्द नगरी, दिल्ली** ने **FIR No. 438/2021, U/s 3/4 DPG. Act, पुलिस थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **बबलू, विजय एवं मुकेश** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बबलू, विजय एवं मुकेश** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 438/2021, U/s 3/4 DPG. Act, पुलिस थाना नन्द नगरी, दिल्ली** के अभियुक्त **बबलू, विजय एवं मुकेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.10.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी–03
जिला शाहदरा, कमरा नं. 19
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/11762/NE/2025

कौमी पत्रिका
संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

राष्ट्रीय लोक अदालत में 10258 मामलों का हुआ निपटारा

एजेंसी

जींद। राष्ट्रीय एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय जींद तथा उपमंडल न्यायालय नरवाना व सफीदों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह राष्ट्रीय लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. चंद्रहास के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न पीठों के माध्यम से 11,954 मामलों में से 10,258 मामलों का निपटारा किया गया। जिनमें दो करोड़ 23 लाख 66 हजार 200 रुपये की सेटलमेंट राशि तय की गई। इस अवसर पर जिला स्तर पर गठित चार पीठों में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिफा करण सिंह, प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट कीर्ति जैन, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित सिहाग, अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिवीजन विवेक सिंह ने मामलों का निपटारा किया। सीजेएम मोनिका ने बताया कि राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर आयोजित इस लोक अदालत में वाहन दुर्घटना मामलों में एक करोड़ 35 लाख 95 हजार रुपये की सेटलमेंट कराई गई। इसके अलावा हिंदू मैरिज एक्ट से जुड़े मामले, 150 चैक बाउंस केस, 7,583 दीवानी मामले, 398 आपराधिक मामले तथा 159 प्री.लिटिगेटिव बैंक लोन मामलों का निपटारा कर एक लाख 36 हजार की सेटलमेंट कराई गई।

पीजीआई रोहतक में मासूमों को घर जैसा माहौल देने के लिए बनाया गया चिल्ड्रन पार्क

रोहतक। पीजीआई में मासूमों को घर जैसा माहौल देने के लिए चिल्ड्रन पार्क बनाया गया है। कुलपति ने पार्क का शुभारम्भ कर अवलोकन किया और कहा कि बच्चे बहुत ज्यादा मासूम होते हैं और कई बार बीमारी के चलते कई दिनों तक उन्हें अस्पताल में रहना पडता है। ऐसे में बच्चे को बाहर का वातावरण काफी याद आता है और वह चिड़चिड़ा हो जाता है। इसके चलते पहले ही बच्चे की बीमारी से तनाव में आए मां-बाप को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। ऐसे में बच्चों को घर जैसा माहौल अस्पताल में देने का प्रयास किया जा रहा है ताकि बच्चे आसानी से अपना इलाज करवा सकें। उन्होंने कहा कि संस्थान में आने वाले मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। चिल्ड्रन पार्क बनाने का यही मकसद है कि ताकि बीमार बच्चे थोडी देर झूलकर अपना मनोरंजन कर सकें और उनके चेहरे पर मुस्कान आ सके। वहीं इस झुलों के माध्यम से उनके शरीर की कसरत भी हो सकेगी। निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल ने कहा कि बीमार बच्चों के लिए इस तरह की सुविधाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं और इससे उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार होगा। इस अवसर पर डॉ. कुंदन मित्तल, सिल्की बंसल, ज्योति बंसल, पूजा, शिल्पी, प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पिता-पुत्र पर धोखाधड़ी का केस, ढाई लाख में बेची जमीन, फिर बेटे के नाम कर तीसरे को रजिस्ट्री कर दी

पलवल। जिले के चांदहट थाना क्षेत्र में जमीन की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। सिहौल गांव निवासी भारत की शिकायत पर पुलिस ने दीघोट गांव के पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता भारत के अनुसार, फरवरी 2012 में उसने दीघोट गांव निवासी बीरमती से एक कनाल तीन मरले जमीन 2.87 लाख रुपये में खरीदी थी। रकम का भुगतान गवाहों के सामने नकद किया गया और एग्रीमेंट भी तैयार किया गया था। भारत का आरोप है कि सितंबर 2017 में बीरमती ने जमीन का पंजीकृत वसीयतनामा अपने बेटे यश के नाम कर दिया। अप्रैल 2021 में बीरमती की मृत्यु के बाद यह जमीन यश के नाम दर्ज हो गई। जब भारत ने यश से रजिस्ट्री की मांग की तो उसने लगातार टालमटोल की। भारत ने बताया कि यश ने अपने पिता सूरजमल के साथ मिलकर 21 अप्रैल 2025 को उक्त जमीन बहरौला गांव निवासी महेश देवी के नाम रजिस्ट्री कर दी, जिससे उसे आर्थिक नुकसान हुआ। चांदहट थाना प्रभारी सुंदरपाल ने बताया कि भारत की शिकायत पर यश और सूरजमल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रोडवेज बस हादसों की होगी जांच : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने आज कहा कि हरियाणा रोडवेज की बसों के एक्सीडेंट होने के मामलों की जांच के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा और इस कमेटी में तकनीकी अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस के जांच अधिकारी को भी शामिल किया जाएगा। विज ने सिरसा में हरियाणा रोडवेज की बस से ट्रैक्टर-ट्राली के टकराने के कारण दो औरतों की मृत्यु होने पर कडा संज्ञान लेते हुए परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को जांच करने के आदेश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि रोडवेज बसों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं के संबंध में जांच करने की भविष्य में प्रैक्टिस सेट कर दी जाए, ताकि जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में जब भी इस प्रकार की दुर्घटनाएं हरियाणा रोडवेज की बस के साथ होगी तो उसकी जांच जरूर की जाएगी। इन दुर्घटनाओं के बारे में एक कमेटी का गठन किया जाएगा जिनमें तकनीकी अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस के जांच अधिकारी भी शामिल किए जाएगें ताकि यह पता चल सके कि सडक़ दुर्घटनाओं में गलत कौन था यदि हमारे रोडवेज के ड्राइवर गलत ड्राइविंग करते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ओलंपिक में पदक जीतने का लक्ष्य रखें खिलाड़ीः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में अश्वनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों का अंतिम लक्ष्य केवल एशियन जूनियर टूर्नामेंट नहीं, बल्कि ओलंपिक खेलों में पदक जीतना होना चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य है और हरियाणा सरकार अभी से इसकी तैयारियों में जुट गई है। पंचकूला में आयोजित इस टूर्नामेंट में देशभर से लगभग 2000 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है,

लेकिन उनका जज्बा और खेल भावना ही उन्हें महान खिलाड़ी बनाएगी। इस अवसर पर उन्होंने अपने स्वैच्छिक कोष से स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी, पंचकूला को 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने हरियाणा को 'स्पोर्ट्स हब' बताते हुए कहा कि राज्य ने 'खेले हरियाणा-बढ़े हरियाणा' के मंत्र के साथ खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1,489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं, जिनमें 37 हजार से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता भी दी जा रही है, जिससे वे अपनी खेल प्रतिभा को निखार सकें। नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के खिलाड़ियों की उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते, और टोक्यो ओलंपिक 2020 में 7 में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किए थे। उन्होंने कहा कि यह हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और सरकार की नीतियों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से टीम भावना के साथ खेलने का आग्रह किया और कहा कि बैडमिंटन जैसे खेल शारीरिक कौशल के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता और अनुशासन भी सिखाते हैं।

हरियाणा में 135 स्वास्थ्य संस्थानों का होगा निर्माण

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 135 नए स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इन संस्थानों के निर्माण पर लगभग 74.43 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने जारी बयान में कहा कि इनमें 126 सब हेल्थ सेंटर शामिल हैं, जिन पर लगभग 6,993 लाख रुपये की लागत आएगी। इसी के साथ 9 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स के निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है, जिन पर कुल 450 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने विस्तार से बताया कि जिन जिलों में सब हेल्थ सेंटर स्थापित किए जाएंगे, उनमें महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, गुरुग्राम, झज्जर, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पलवल, पानीपत और सोनीपत शामिल हैं। वहीं ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स का निर्माण सिरसा, भिवानी, रेवाड़ी, झज्जर और पानीपत जिलों में किया जाएगा। आरती सिंह राव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि राज्य का कोई भी नागरिक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। इसी दिशा में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिस भी गांव या शहर में स्वास्थ्य संस्थान की आवश्यकता महसूस होगी, वहां यथाशीघ्र नए संस्थान का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 31341 केस का निपटारा

एजेंसी

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे, जिनमें मुख्यतः चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन कुल 44229 केस में से 31341 केस का निपटारा किया गया।उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कुल 6 बैंचों का गठन किया गया जिसमें अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट सिरसा सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिरसा नवजीत क्लैर, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रिचू, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी

सिरसा अमित, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं सब डिविजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट डबवाली हरलीन पाल सिंह व सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ऐलनाबाद प्रतीत सिंह द्वारा लोक अदालत लगाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया बड़ी सरल एवं संक्षिप्त है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत द्वारा समझौता करवाया जाता है, जिससे उनका आपसी मनमुटाव समाप्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर लोक अदालत का आयोजन किया जाता है।

पुलिस आयुक्त ने व्यापारियों के साथ की सुरक्षा बैठक

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत लघु सचिवालय स्थित मीटिंग हॉल में पुलिस आयुक्त ममता सिंह की अध्यक्षता में पुलिस व व्यापारिक संगठनों की संयुक्त बैठक हुई। इसमें ज्वैलर्स, व्यापार मंडल, कैमिस्टऔर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में सुरक्षा, नशाखोरी, अवैध अतिक्रमण और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी दुकानों व संस्थानों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिनकी नाइट विजन क्षमता और कम से कम तीन माह का बैकअप हो। नकदी सीमित रखी जाए तथा अधिक नकदी को पुलिस सहायता से बैंक में जमा कराया जाए। किरायेदारों व कर्मचारियों की पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से कराई जाए। चोरी का माल खरीदने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। नशाखोरी व अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने की बात कही गई। अब तक 400 से अधिक बाहरी लोगों का वेरिफिकेशन कर वापस भेजा गया है। नशीले पदार्थों की बिक्री या सेवन की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आह्वान किया

गया। ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सामान की लोडिंग-अनलोडिंग रात को करने, ई-रिक्शा व ऑटो चालकों के लिए अलग स्थान तय करने और स्कूल समय पर अतिरिक्त पुलिस तैनाती की घोषणा हुई।

व्यापारिक संगठनों ने नगर निगम के खराब कैमरों, अनाज मंडी क्षेत्र में जाम, छोटे बच्चों द्वारा नशे में चोरी जैसी समस्याएं रखीं। पुलिस ने आश्वासन दिया कि गश्त बढ़ाई जाएगी, संदिग्धों की जांच हेतु ऑपरेशन आक्रमण जारी रहेगा और सभी खराब कैमरे दुरुस्त कराए जाएंगे। हाल ही में पुलिस ने 11 मुठभेड़ों में अपराधियों को दबोचा है तथा हरियाणा में सबसे अधिक मात्रा में मादक पदार्थ सोनीपत से बरामद हुए हैं।

नेक्सट जेनरेशन जीएसटी सुधारों से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी : रणबीर गंगववा

सीवरेज प्रणाली में सुधार के लिए 22 नई सुपर सक्कर मशीनों के ऑर्डर दिए

एजेंसी

हिसार। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा है कि प्रदेश की सडक़ों में सुधार के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार कर ली गई है। इसके तहत पीडब्ल्यूडी विभाग की 6 हजार 179 किलोमीटर की सडक़ों को इसी वित्तिय वर्ष में दूरूस्त कर ली जाएंगी। इनमें से 3500 किलोमीटर की सडक़ों के टेंडर हो चुके हैं। इन सडक़ों पर निर्माण कार्य दिसंबर अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। मंत्री रणबीर गंगवा लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त के अलावा सेवा पखवाड़ा के दौरान 20 सिंतबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सभी मंत्री और विधायकों की अगुवाई में प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों की 75-75 सडक़ों पर कारपेटिंग का

कार्य आरंभ होगा। इनमें एसएसवीपी, पीडब्ल्यूडी, मार्केटिंग बोर्ड, जिला परिषद, एचएसडीआईसी, नगर निगम इत्यादि विभागों की सडक़ें चिन्हित कर ली गई है। एक सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि हिसार में बहुत से क्षेत्रों में सीवरेज लाइनें दशकों पुरानी हैं। इन सभी लाइनों को बरसात के उपरांत अत्याधुनिक तकनीकों से ठीक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीवरेज प्रणाली की सफाई के लिए प्रदेश में अभी तक 6 सुपर सक्कर मशीनें थी, लेकिन हाल ही में 22 नई सुपर सक्कर मशीनों के ऑर्डर दे दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त छोटी गलियों में सीवरेज प्रणाली को साफ करने वाली मशीनें भी मंगवाई गई हैं। इनके आने के उपरांत सीवरेज की समस्या का हल हो जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि अमृत योजना के तहत हिसार को 250 करोड़ रुपये मिले हैं। इस राशि से जल्द ही कार्य आरंभ करवाए जाएंगे। एक अन्य सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सातरोड व आदमपुर शहर में विभिन्न कार्य चल रहे हैं, इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के विभिन्न स्थानों पर हुए जलभराव संबंधी का प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि घग्गर मल्टीपर्पज ड्रेन में 500 क्यूसेक के विपरीत 2000 क्यूसेक की क्षमता से पानी बहा।

हिसार मंडल आयुक्त ने किया जलभराव प्रभावित गांवों का दौरा

एजेंसी

हिसार। मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग जिले के गांव खरड़, खोखा, खरकड़ी, घिराय, खानपुर, सिंधड़ व सिंघवा राघो का दौरा कर वहां हुई भारी बारिश और ड्रेन टूटने से उत्पन्न जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से अब तक किए गए प्रबंधों की विस्तार से जानकारी भी ली।मंडलायुक्त ने दौरे के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव से ग्रामीणों को हो रही समस्याओं को गंभीरता से लिया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पानी की निकासी के लिए हर संभव कदम तुरंत उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि प्रभावित गांवों से पानी की निकासी शीघ्र कर लोगों को राहत उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खड़े पानी से जनजीवन प्रभावित हो रहा है और साथ ही जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी निकासी के लिए जहां भी जरूरत हो वहां अतिरिक्त मोटर पंप लगाकर पानी की निकासी तेज गति से की जाए। साथ ही, उन्होंने बिजली विभाग और स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले इलाकों में बिजली आपूर्ति का प्रबंधन सतर्कता से किया जाए और स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांवों में जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करें ताकि बीमारियों को फैलने से रोका जा सके।इस दौरान ग्रामीणों ने मंडलायुक्त को अवगत करवाया कि भारी बारिश और ड्रेन टूटने से पानी खेतों और घरों में भर गया है। इस पर मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन हर संभव मदद उपलब्ध कराएगा और राहत कार्यों में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंडलायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि तत्परता से जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी की निकासी कर नागरिकों के समक्ष आ रही समस्याओं को दूर किया जाए।

केंद्र और राज्य सरकार जलभराव व बाढ़ प्रभावित किसानों को लेकर चिंतितः दूबे

एजेंसी

सिरसा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्रालय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे ने जिला सिरसा के घग्घर नदी के समीपवर्ती गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने घग्घर नदी के साथ लगते गांव फरवाई, मीरपुर, अहमदपुर और केलनिया सहित आसपास के इलाकों की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के दौरान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। ग्रामीणों ने पानी निकासी, खेती को हो रहे नुकसान और दैनिक जीवन से जुड़ी परेशानियों की जानकारी दी।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और सरकार से हर संभव सहयोग मिलेगा।राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा और पंजाब में आई बाढ़ को लेकर चिंतित है। प्रधानमंत्री ने उनकी ड्यूटी सिरसा के प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने और समस्याओं को जानने के लिए लगाई है और समस्याओं के समाधान का प्रयास तत्परता किया जाएगा। विपदा की इस घड़ी में केंद्र व राज्य

सरकार आमजन के साथ है और जो भी समस्याएं या मांग रखी गई है, उन सबके बारे में केंद्र व राज्य सरकार को अवगत करवाया जाएगा ताकि उनका समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि वे किसान के बेटे हैं और किसानों के दुख दर्द को अच्छी तरह समझते हैं। इसके बाद राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे ने सिरसा के ओटू वियर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से घग्घर नदी के जलस्तर, सुरक्षा प्रबंधों तथा बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। मंत्री ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और ग्रामीणों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। अपने दौरे के क्रम में मंत्री ने ढाणी प्रताप सिंह क्षेत्र में हिसार घग्घर ड्रेन का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने न केवल ड्रेन की स्थिति देखी बल्कि स्थानीय निवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं। ग्रामीणों ने मंत्री से जलभराव, फसलों के नुकसान और नहरों की सफाई जैसे मुद्दे उठाए। राज्यमंत्री दूबे ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर इन समस्याओं का समाधान करने के लिए ठोस कदम उठाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और किसानों तथा आमजन को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। किसानों ने फसलों के नष्ट होने, मकानों में दरार आने व बीमा कंपनी द्वारा क्लेम स्वीकार न करने की शिकायत केंद्रीय राज्य मंत्री के समक्ष रखी है। उन्होंने कहा कि चाहे फसल बीमा हो, राहत सामग्री की बात हो या पानी घटने के बाद मेडिकल सुविधा की बात हो, सब व्यवस्था की गई है।

भाजपा ने पीसी सैनी को बनाया नेक्सट-जेन जीएसटी का जिला संयोजक

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी ने गुरूग्राम भाजपा जिला मंत्री एडवोकेट प्रकाश चन्द सैनी को नेक्सट- जेन - जीएसटी कार्यक्रम के लिए जिला संयोजक के प्रमुख दायित्व पर नियुक्त किया गया है। वहीं पुरु आजाद, जसबीर यादव और संदीप तंवर को सदस्य नियुक्त किया गया है। सैनी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, संगठन व गुरूग्राम भाजपा जिलाध्यक्ष सर्व प्रिय त्यागी का इस प्रमुख दायित्व की जिम्मेदारी देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है। पीसी सैनी ने कहा कि नेक्सट-जेन जीएसटी पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जीएसटी अर्थात गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स भारत की कर प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार है। जिसने देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अब, सरकार नेक्स्ट-जेन जीएसटी की ओर बढ़ रही है।

रोहतक में सीएम के दौरे से पहले झोंपड़ पट्टी पर चला पीला पंजा, पुलिस बल रहा तैनात

ज्योति दर्पण

रोहतक। जिला प्रशासन ने नई अनाज मंडी में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है, जिसके तहत प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत नई अनाज मंडी के सामने सडक पर बनी झुग्गी झोपडियो को हटवा दिया। इस दौरान झुग्गी झोपडी में रहने वाले लोगों ने जमकर विरोध किया, लेकिन भारी पुलिस मौके पर मौजूद होने के चलते प्रशासन ने अपनी कारवाई जारी रखी। बताया जा रहा है कि प्रशासन द्वारा जिस जगह से झुग्गी झोपडियां हटाई गई है, वहां 17 सितंबर के समारोह को देखते हुए पार्किग की व्यवस्था की जाएगी। इस राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई दिगज नेता शिरक्त करेगे।

दरअसल पिछ्ले काफी सालो से पुराने शुगर मिल की जगह पर कुडा बिधने वाले वाहरी लोगों ने झुग्गी झोपडी डालकर वहां पर अपना रहन बसेरा बना लिया है। इतना ही नहीं इन लोगों ने अपने सरकारी दस्तावेज भी तैयार करवा लिए है। समय समय पर जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान भी चलाया गया, लेकिन उसका असर थोड़े दिन तक रहा और फिर से

लोगों ने दोबारा से झुग्गी झोपड़ी डालकर अपना रैन बसेरा बना लिया। झुग्गी झोपडी में रहने वाले लोगों ने बताया कि वह पिछ्ले 15-16 सालों से यहां रह रहे है और अब प्रशासन ने उनकी झुग्गी झोपडियां हटाकर उन्हें बेसहारा कर दिया है। खुले आसमान के नीचे वह अपने परिवार के साथ जीवन व्यापन करने पर मजबूर है। प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओं अभियान के तहत करीब एक हजार से अधिक झुग्गी झोपडियों को वहां से हटाया गया। एचएसवीपी के अधिकारी ने बताया कि अनाज मंडी के सामने झुगियों में अवैध रूप से लोग रह रहे है। इस जमीन पर कई प्रोजेक्ट बनने है, जिनमें दिक्कत आ रही थी। वहीं आसपास के कालोनी के लोगों की भी शिकायते मिल रही थी। इसी के चलते झुग्गी झोपडी हटाने की कारवाई की गई है।

डोभी तालाब सौंदर्यकरण की घोषणा दिखावा, सरकारी लापरवाही के कारण गंदगी से अटा पड़ा तालाब : बुवानीवाला

एजेंसी

भिवानी। डोभी तालाब के सौंदर्यकरण को लेकर प्रशासन ने जिन वादों के साथ घोषणा की थी, वह आज एक साल बाद भी केवल कागजी साबित होते नजर आ रहे हैं। ये बात हरियाणा कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने आज स्थानीय डोभी तालाब क्षेत्र का मुआयना करते हुए उपस्थित मीडिया के समक्ष कहें। उन्होंने कहा कि तालाब की सूरत बदलने, उसे पर्यटन स्थल का रूप देने और स्थानीय लोगों के लिए मनोरंजन व स्वच्छता का केंद्र बनाने के नाम पर किए गए वादों का आज तक कोई अता-पता नहीं है। नतीजा यह है कि प्रशासन की लापरवाही से डोभी तालाब गंदगी, आवारा पशुओं, मच्छरों व गंदगी से फैली बिमारियों का अड्डा बन चुका है। बुवानीवाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने बीते वर्ष बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि डोभी तालाब व अन्य तालाबों के चारों ओर पैदल पथ बनेगा, पार्किंग व्यवस्था होगी, तालाब का पानी साफ किया जाएगा, किनारों को मजबूत किया जाएगा और आसपास हरियाली विकसित की जाएगी। साथ ही, आधुनिक लाइटिंग व बुजुर्गों के बैठने की व्यवस्था भी की जाएगी। लेकिन एक साल बीतने के बावजूद न तो तालाब की सफाई हुई, न ही सौंदर्यकरण का कोई काम शुरू हुआ। उल्टे, तालाब के पानी में गंदगी बढ़ गई, किनारों पर झाड़ियाँ उग आईं और जगह-जगह कचरा, प्लास्टिक व निर्माण से जुड़ा मलबा का अंबार लग गया है। लोगों को उम्मीद थी कि यह स्थान शहर की शान बनेगा, लेकिन यह अब उपेक्षा का प्रतीक बन चुका है। बुवानीवाला ने कहा कि तालाब के पास ऐतिहासिक गीता भवन, बाबा लोहड़पीर व हीरापुरी शिवालय एवं काली देवी मंदिर बने हुए है जो धार्मिक आस्था के केन्द्र है, उसके पास जमा गंदा पानी और कचरा अब स्थानीय लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। यहाँ मच्छरों व आवारा पशुओं का जमावड़ा हो चुका है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। आस-पास रहने वाले परिवारों एवं दर्शन हेतू आने वाले श्रद्धालुओं को रोजाना गंदगी और बदबू का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि तालाब का मुद्दा केवल स्वच्छता का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा मामला भी है। जब सरकार ने तालाब के सौंदर्यकरण और सफाई की जिम्मेदारी खुद ली थी।

नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें तो जंग जल्द हो सकती है खत्म

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की कही बात

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह रूस पर सख्त बैन लगाने को तैयार कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए एक शर्त भी रखी है। ट्रंप चाहते हैं कि नाटो के सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। साथ ही सभी नाटो देश रूस पर अपने स्तर से बैन लगाएं। ट्रंप ने यह बात ट्रुथ सोशल पर कही।

उन्होंने इसे नाटो देशों और दुनिया के लिए एक पत्र बताया। ट्रंप ने सुझाव दिया कि नाटो देश चीन पर 50 से 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएं। इससे रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करने में मदद मिलेगी। ट्रंप ने आगे कहा कि चीन का रूस पर काफी प्रभाव है। अगर नाटो ऐसा करता है, तो यह जंग जल्द खत्म हो सकती है। ट्रंप ने नाटो देशों द्वारा रूस से तेल खरीदने को ÷हैरान करने वाला÷ बताया। उनका कहना है कि इससे नाटो की मोलभाव करने की ताकत कमजोर होती है।

यूरोपीय कमीशन जल्द ही रूस के खिलाफ 19वें दौर के प्रतिबंधों की घोषणा करने वाला है, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया जैसे कुछ देश अभी भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। फ्रांस और जर्मनी चाहते हैं कि कमीशन रूस की तेल कंपनियों और उन तीसरे देशों पर सख्ती करे, जो रूस के तेल व्यापार में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में रूस के यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले के बाद बैन की धमकी दी थी, लेकिन अभी तक उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इससे यूक्रेन भी नाराज है। बता दें ट्रंप ने पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि वह रूस पर बैन लगाने को तैयार हैं, बशर्ते नाटो देश भी साथ दें। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर नाटो उनके सुझावों को मानता है, तो यूक्रेन-रूस जंग जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने नाटो को चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह उनका समय बर्बाद नहीं करेंगे।

सबसे ज्यादा कारें बेचकर मारुति सुजुकी फिर बनी नंबर-1

नई दिल्ली । बीते अगस्त महीने में सबसे ज्यादा कारें बेचकर मारुति सुजुकी फिर बनी नंबर-1 बन गई है। मारुति सुजुकी ने भारतीय कार बाजार में अगस्त 2025 में कंपनी ने कुल 1,27,905 यूनिट्स की बिक्री की और सबसे ज्यादा गाड़ियां बेचने वाली कंपनी बन गई। सालाना आधार पर इसकी बिक्री में 0.62 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरे नंबर पर महिंद्रा रही, जिसने 43,632 यूनिट्स बेचे और 7.55 प्रतिशत की सालाना बढ़त हासिल की। तीसरे पायदान पर रही हुंडई को झटका लगा और उसकी बिक्री 2.79 प्रतिशत गिरकर 42,226 यूनिट्स पर आ गई। वहीं, टाटा मोटर्स चौथे नंबर पर रही और उसने 38,286 यूनिट्स बेचीं, जो 3.96 प्रतिशत की गिरावट रही। टोयोटा ने 24,954 यूनिट्स के साथ पांचवां स्थान हासिल किया और 5.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद किआ रही, जिसकी बिक्री 18,212 यूनिट्स रही और इसमें 5.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। स्कोडा फॉक्सवैगन ने 8,111 यूनिट्स बेचीं और 29.16प्रतिशत की भारी बढ़त हासिल की। एमजी ने इस बार 38.86 प्रतिशत की जोरदार सालाना वृद्धि के साथ 5,717 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, होंडा 18.59प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,041 यूनिट्स तक सिमट गई। रेनॉल्ट की बिक्री भी 14.39 प्रतिशत घटकर 2,593 यूनिट्स रह गई। लक्ज़री कार बाजार में मर्सिडीज ने 1,305 यूनिट्स बेचीं और मामूली 1.66प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। बीएमडब्ल्यू ने 25.05प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,273 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, बीवायडी की बिक्री 98.24 प्रतिशत उछलकर 450 यूनिट्स पहुंच गई। कुल मिलाकर, मारुति सुजुकी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारतीय ग्राहकों की पहली पसंद वही है।

कारोबारी को बिक्री के बाद छूट पर नहीं करनी होगी आईटीसी वापसी

सीबीआईसी ने लिया बड़ा फैसला, जारी किया नया सर्कुलर

नई दिल्ली।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कारोबारियों के लिए बड़ा फैसला किया है। अब अगर सप्लायर बिक्री के बाद छूट के लिए फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट जारी करते हैं, तो खरीदार को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) वापस करने की जरूरत नहीं। यह छूट भले ही कम कीमत पर भुगतान के साथ दी जाए। सीबीआईसी ने एक सर्कुलर जारी कर इसकी जानकारी दी थी।

सीबीआईसी ने कहा कि फाइनेंशियल या कमर्शियल क्रेडिट नोट से सप्लाई की मूल टैक्सेबल वैल्यू पर कोई असर नहीं पड़ता यानी सप्लायर की मूल जीएसटी देनदारी में कोई बदलाव नहीं होगा।

सर्कुलर में साफ लिखा है कि ऐसी छूट के मामले में खरीदार को अपने इनपुट टैक्स क्रेडिट में कोई कटौती नहीं करनी होगी। इसका मतलब है कि कारोबारी अब बिना किसी चिंता के छूट का फायदा ले सकेंगे।

सर्कुलर में यह भी साफ किया कि मैन्युफैक्चरर द्वारा डीलरों को दी जाने वाली बिक्री के बाद की छूट को सर्विसेज के लिए भुगतान नहीं माना जाएगा। अगर डीलर किसी खास प्रमोशनल गतिविधि जैसे विज्ञापन या को-ब्रांडिंग के लिए समझौते के तहत काम करता है, तो उस सर्विस पर जीएसटी लागू होगा। यह नियम कारोबारियों को अपनी डीलरशिप और प्रमोशनल रणनीतियों को बेहतर ढंग से समझने में मददगार साबित होगा।

केपीएमजी इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के राष्ट्रीय प्रमुख ने इसे एक स्वागत योग्य कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह सर्कुलर मैन्युफैक्चरर और डीलरों के बीच छूट से जुड़े लेनदेन पर पारदर्शिता लाएगा। इससे कारोबारियों को अपने सौदों को अमल में लाने में आसानी होगी और पुराने विवादों में कमी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मामलों में, जहां डीलर अंतिम ग्राहकों को विशेष लाभ देने के लिए समझौते करते हैं, वहां कारोबारियों को अपने कॉन्ट्रैक्ट्स और टैक्स स्थिति की दोबारा जांच करनी होगी।

ईवॉय के टैक्स पार्टनर ने कहा कि इस स्पष्टता से जीएसटी नियमों को लागू करना आसान होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेड डिस्काउंट और प्रमोशनल सर्विसेज के बीच सरकार का रुख विवादों को कम करेगा। इससे कारोबारी अब ज्यादा भरोसे के साथ अपने कॉन्ट्रैक्ट्स बना सकेंगे।

जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती और रोजगार के अवसर पैदा होंगे

नई दिल्ली।

आॅटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान, लॉजिस्टिक्स और हस्तशिल्प पर जीएसटी दरें कम होने से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती मिलेगी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर पैदा होंगे। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई है। वहीं दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, कांच, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एमएसएमई को लाभ होगा।

किफायती साइकिलें गिग वर्कर्स, किसानों और ग्रामीण व्यापारियों के लिए और सस्ती कारें छोटे शहरों में एमएसएमई और डीलरशिप के लिए मददगार साबित होती हैं। ट्रैक्टरों (1800 सीसी से कम) पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी करने से भारत की वैश्विक ट्रैक्टर निर्माण में अग्रणी स्थिति मजबूत होगी और सहायक एमएसएमई को सहायता मिलेगी। वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है, जिससे माल ढुलाई, रसद लागत, मुद्रास्फीती का दबाव कम हुआ है और एमएसएमई ट्रक मालिकों को लाभ होगा। 10+ सीटों वाली बसों पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया है, जिससे बेड़े संचालकों, स्कूलों की लागत कम हुई है और मजदूरों के लिए किराया वहनीयता में सुधार आएगा। वहीं खाद्य पदार्थों पर जीएसटी 12 और 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी या शून्य कर दिया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण, लघु-स्तरीय प्रसंस्करणकर्ताओं, क्षेत्रीय ब्रांडों, डेयरी सहकारी समितियों, पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज से जुड़े एमएसएमई को लाभ होगा। इसके अलावा, चॉकलेट, केक और कन्फेक्शनरी पर जीएसटी कम होने से छोटे मिठाई निर्माताओं की बिक्री बढ़ेगी। दूध और पनीर पर जीएसटी शून्य होने, मक्खन और घी पर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने से डेयरी क्षेत्र को लाभ होगा। दूध के डिब्बों पर जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है।

नेपाल में अंतरिम सरकार गठन के बाद हालात सुधरे, व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु

नई दिल्ली।

अंतरिम सरकार गठन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हालात सामान्य होने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को रुपईडीहा बॉर्डर से यात्री वाहन, कार, बाइक, पैदल और मालवाहक ट्रक गुजरते नजर आए। बड़ी संख्या में कारोबारी ट्रक नेपाल में दाखिल हुए, जिससे व्यापारिक गतिविधियां भी शुरु हो गई हैं। हालांकि, आम नागरिकों की आवाजाही अब भी सीमित है।इन सबके बीच, सीमा चौकियों पर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और नागरिकों व वाहनों की निगरानी कर रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हालात पहले की तुलना में शांत हैं और आने वाले दिनों में सामान्य जनजीवन बहाल होने की उम्मीद है। दरअसल, नेपाल में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर जेन-जी विरोध-प्रदर्शनों ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया था। प्रदर्शन की शुरुआत सरकार द्वारा कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बैन लगाने से हुई थी, लेकिन यह आंदोलन भ्रष्टाचार, राजनीतिक भाई-भतीजावाद, आर्थिक असमानता और युवाओं में बेरोजगारी को लेकर बड़ी लहर में बदल गया। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डिस्कॉर्ड जैसे माध्यमों ने इस नेतृत्वविहीन आंदोलन को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई। देखते-ही-देखते हजारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलन हिंसक झड़पों में बदल गया, जिसमें कई लोगों की जान भी गई और सरकारी भवनों, राजनीतिक दलों के दफ्तरों समेत बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। देशभर में बढ़ते जन दबाव और हिंसा की घटनाओं के बीच पीएम केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद नेपाल की राजनीति में अहम बदलाव हुए और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया। सरकार बदलने और नई व्यवस्था बनने के बाद अब भारत-नेपाल सीमा पर हालात स्थिर होते नजर आ रहे हैं।

ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड देगी अपने शेयरधारकों को डिविडेंड

मुंबई । ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को गुड न्यूज दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की घोषणा की है। यह डिविडेंड 1 रुपये के फेस वैल्यू पर 250 फीसदी का भुगतान है। अगर किसी निवेशक के पास कंपनी के 1,000 शेयर हैं, तब उस निवेशक को 2,500 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। कंपनी ने 29 अगस्त को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि डिविडेंड का भुगतान उन शेयरधारकों को होगा, जिनके नाम 15 सितंबर 2025 (सोमवार) को कारोबार खत्म होने तक रजिस्टर ऑफ मेंबर्स या बेनिफिशियल ओनर्स की लिस्ट में शामिल है। यह तारीख रिकॉर्ड डेट के रूप में तय की गई है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने बीते पांच सालों में लगातार 2.50 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड दिया है। पिछले साल 2024 में डिविडेंड की एक्स-डेट 13 सितंबर थी, और बुक क्लोजर 17 सितंबर से 27 सितंबर तक रहा। साल 2023 में एक्स-डेट 18 सितंबर थी, और बुक क्लोजर 19 सितंबर से 29 सितंबर तक था। 2022 में एक्स-डेट 12 सितंबर और बुक क्लोजर 14 से 27 सितंबर तक रहा।

जीएसटी में हुए बदलाव को भुनाने की तैयारी में बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों.....22 सितंबर से शुरु हो रही सेल

मुंबई । फ्लिपकार्ट और अमेजन सहित तमाम बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्यौहारों का दौर शुरू होने से पहले बदली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था का फायदा उठाने की तैयारी पूरी कर ली है। दरें बदलने से साल 2025 के त्यौहारी बिक्री 27 फीसदी बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। ई-कॉमर्स कंपनियों को त्यौहारों में जमकर खरीदारी होने की उम्मीद है। इसीलिए उन्होंने अपने प्लेटफॉर्म अपडेट कर लिए हैं और हजारों विक्रेताओं को 22 सितंबर से लागू होने वाले नए कर कोड के बारे में प्रशिक्षित किया है। एक प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'बैकएंड सॉल्यूशन तैयार करने, विक्रेताओं को बदले जीएसटी कोड की जानकारी देने और नई कर व्यवस्था के हिसाब से ढलने में प्रौद्योगिकी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे विक्रेताओं के लिए नियमों का पालन करना और सुगमता के साथ कारोबार करना बहुत आसान हो गया है। त्यौहारी सीजन नजदीक आने के कारण हमें जबरदस्त मांग और खपत में तेज इजाफे की उम्मीद है।' जीएसटी व्यवस्था में आए बदलाव से त्यौहारों में बिक्री और तेज होने की उम्मीद है क्योंकि जब खरीदारी चरम पर होगी, तब कर में बचत का फायदा उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। इससे बिक्री में 15-20 फीसदी इजाफा अलग से होने की संभावना है। नई जीएसटी व्यवस्था में कई दरें हटाकर केवल 5 और 18 फीसदी दरों के स्लैब लागू हैं। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि जीएसटी दर में जो अंतर आया है, उससे खरीदार कुल मिलाकर 10 फीसदी तक बचत कर सकते हैं। त्यौहारी बिक्री के दौरान यह आंकड़ा करीब 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। टीवी, एसी और घरेलू उपकरण जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर खास तौर पर बचत होगी। करों में सुधार बहुत अहम समय पर किया गया है और त्यौहारों से ठीक पहले इसके लागू होने से ई-कॉमर्स कंपनियों की बिक्री की रफ्तार काफी बढ़ सकती है। कुछ ई-कॉमर्स कंपनियों ने 22 सितंबर से पहले ही सेल शुरू कर दी हैं ताकि मौजूदा माल को खपाया जा सके।

पॉपुलर सेडान विरटस की कीमतों आएगी कमी

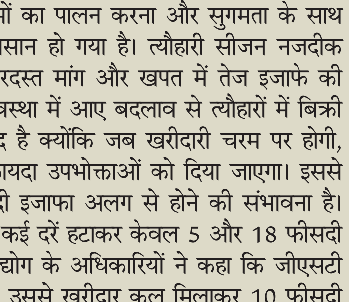

नई दिल्ली । अपनी पॉपुलर सेडान विरटस पर नए जीएसटी नियम लागू होने के बाद फॉक्सवैगन इंडिया ने बड़ी राहत की घोषणा की है। फॉक्सवैगन इंडिया ने बताया कि 22 सितंबर से कार की कीमत पर टैक्स में 66,900 रुपये तक की कमी आएगी। इसका मतलब है कि अब यह लग्जरी सेडान और भी किफायती दाम पर मिलेगी। विरटस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.54 लाख रुपये है। फॉक्सवैगन विरटस दो इंजन विकल्पों में आती है 1.0 एल टीएसआई (999सीसी, 3 सिलेंडर) और 1.5एल टीएसआई ईवो (1498सीसी, 4 सिलेंडर)। इसमें 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक और 7-स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। फीचर्स की बात करें तो कार में 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड लेदर सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग्स, ईएससी, एलईडी हेडलैंप्स और रिवर्स कैमरा दिया गया है। नए जीएसटी 2.0 में छोटी और लग्जरी कारों पर टैक्स दरों में बदलाव हुआ है। पहले जहां लग्जरी कारों पर 50प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था, वहीं अब इसे घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे ग्राहकों को खरीदारी में सीधा फायदा मिलेगा। विरटस को जीटी लाइन, हाईलाइन, टॉपलाइन, स्पोर्ट और क्रोम वैरिएंट में खरीदा जा सकता है। यह 6 एक्सटीरियर कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है।

होंडा इलेवेट पर 1.80 लाख रुपये तक का मिल रहा फायदा

नई दिल्ली ।

होंडा कार्स इंडिया की मिड-साइज एसयूवी इलेवेट पर डिस्काउंट के चलते 1.80 लाख रुपये तक का फायदा मिल रहा है। इसमें टैक्स में कटौती से 58,400 रुपये और कंपनी ऑफर से 1.22 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। होंडा इलेवेट की एक्स-शोरूम कीमत 11.91 लाख रुपये से शुरू होती है। इस एसयूवी का मुकाबला मारुति ग्रांड विटारा, हयूदै क्रेटा और किआ सेलटॉस से है। इलेवेट में 1.5-लीटर वीटेक पेट्रोल इंजन है, जो 121पीएस पावर और 145एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। नए जीएसटी 2.0 के तहत छोटी पेट्रोल, सीएनजी और डीजल कारों पर टैक्स घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लग्जरी और एसयूवी कारों पर टैक्स पहले 50प्रतिशत था, जिसे घटाकर 40प्रतिशत कर दिया गया है। इसका फायदा होंडा इलेवेट जैसी मिड-साइज एसयूवीएस के खरीदारों को सीधे तौर पर मिलेगा। एसयूवी में 360 डिग्री कैमरा, अडास फीचर्स, 6 एयरबैग, वायरलेस चार्जिंग, 10.25-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम और होंडा सेनसिंग स्यूट जैसी आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। इसके टॉप झेडएक्स वेरिएंट में प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और सनरूफ जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

इस सप्ताह 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, निवेशकों को दांव लगाने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली।

प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते पाच कंपनियों के आईपीओ ओपन हो रहे हैं। इसमें तीन कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड के हैं। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का साइज 38.99 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ सोमवार को खुल रहा है। निवेशकों के पास 17 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। टेक डिफेंस लैब आईपीओ का प्राइस बैंड 183 रुपए से 190 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम दो लॉट पर एक साथ दांव लगाने होंगे। टेकडी साइबरसिक्योरिटी लिमिटेड एनएसई का आईपीओ ग्रे मार्केट में कंपनी में 160 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जो कि निवेशकों के नजरिए से अच्छा है।

सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ 17 सितंबर से 19 सितंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 114 रुपए से 120 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। सम्पत एल्युमिनियम आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का है, लेकिन एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2,88,000 रुपए का इंवेस्टमेंट करना होगा। इस एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए है।

जेडी केबल्स आईपीओ 18 सितंबर को खुलेगा। निवेशकों के पास 22 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का लॉट साइज 800 शेयरों का है। एक रिटेल निवेशक को कम से कम 1600 शेयरों पर दांव लगाना होगा। बता दें इस आईपीओ का जीएमपी आज 25 रुपए प्रति शेयर है।

यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ यह

एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी के आईपीओ का साइज 451.31 करोड़ रुपए का है। यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 16 सितंबर को खोला जाएगा। निवेशकों के पास 18 सितंबर तक दांव लगाने का मौका होगा। मेनबोर्ड आईपीओ का प्राइस बैंड 235 रुपए से 247 रुपए प्रति शेयर है। आईपीओ का लॉट साइज 60 शेयरों का है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14,820 रुपए का दांव लगाना होगा। वीएमएस टीएमटी आईपीओ यह भी एक मेनबोर्ड आईपीओ है। कंपनी का आईपीओ 17 सितंबर को ओपन होगा। निवेशकों के पास 19 सितंबर तक का मौका होगा। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 94 रुपए से 99 रुपए प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने 150 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14850 रुपए का दांव लगाना होगा। इस आईपीओ का जीएमपी 18 रुपए प्रति शेयर है।

अडाणी पावर बिहार में लगाएगी नया बिजली संयंत्र, 3 अरब डॉलर का करेगी निवेश

यह संयंत्र भगलपुर के पिरपैंती में बनेगा, 2400 मेगावाट का होगा संयंत्र

पटना।

अडाणी पावर ने बिहार में एक नया बिजली संयंत्र लगाने की घोषणा की है। यह संयंत्र 2400 मेगावाट का होगा और इसमें करीब 26,482 करोड़ रुपए यानी 3 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। यह संयंत्र भगलपुर जिले के पिरपैंती में बनेगा। कंपनी ने बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के लिए बिजली आपूर्ति का समझौता किया है।

अडाणी पावर को यह प्रोजेक्ट अगस्त में मिला था। कंपनी ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के लिए सबसे कम 6.075 रुपए प्रति यूनिट की दर पर बिजली देने का वादा किया। इस संयंत्र में तीन यूनिट होंगी, और प्रत्येक यूनिट 800 मेगावाट की होगी। इसे डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट मॉडल के तहत बनाया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य 60 महीनों में इस संयंत्र को शुरू करने का है।

इस संयंत्र के लिए कोयले की आपूर्ति भारत सरकार की शक्ति नीति के तहत की जाएगी। निर्माण के दौरान 10,000 से 12,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार दिया जाएगा। संयंत्र शुरू होने के बाद करीब 3,000 लोगों को नियमित नौकरी मिलेगी। अडाणी पावर जो गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी ग्रुप का हिस्सा है, भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट

थर्मल पावर कंपनी है। इसकी कुल स्थापित थर्मल पावर क्षमता 18,110 मेगावाट है। बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 3.88 फीसदी की गिरावट के साथ 648.65 रुपए पर बंद हुआ था। कंपनी का मार्केट कैप 2,50,180.34 करोड़ रुपए है। कंपनी के शेयरों ने दो साल, तीन साल और पांच साल में क्रमशः 67.98 फीसदी, 63.10 और 1634.36 फीसदी का रिटर्न दिया है।

अगस्त में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी

नई दिल्ली।

अगस्त 2025 में भारतीय बाजार में कार बिक्री के आंकड़े जारी हुए हैं। अगस्त महीने में बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी। एमपीवी सेगमेंट की इस कार ने 18,365 यूनिट्स की बिक्री के साथ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर सबको पीछे छोड़ दिया। दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 55 प्रतिशत बढ़कर 16,509 यूनिट्स रही। तीसरे पर हयूदै क्रेटा रही, हालांकि इसकी बिक्री 5 प्रतिशत घटकर 15,924 यूनिट्स रही। चौथे पर वेगनआर रही, जिसकी बिक्री 14,552 यूनिट्स रही। टॉप-5 में टाटा नेक्सान भी शामिल रही, जिसने 14,004 यूनिट्स बेचीं। वहीं, मारुति ब्रेझा की बिक्री 29 प्रतिशत गिरकर 13,620 यूनिट्स रही। इसके अलावा बलेनो (12,549 यूनिट्स), फ्रोंक्स (12,422 यूनिट्स) और स्वीफट (12,385 यूनिट्स) ने टॉप-10 में जगह बनाई। दसवें नंबर पर मारुति इको रही, जिसकी बिक्री 10,785 यूनिट्स रही। महिंद्रा स्कार्पियो 9,840 यूनिट्स के साथ 12वें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा इनोवा 9,304 यूनिट्स के साथ 13वें स्थान पर। किआ सोनेट, महिंद्रा बोलेरो और हयूदै वेन्यू ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की। 25वें नंबर पर टोयोटा ग्लांझा रही, जिसकी 5,102 यूनिट्स बिकीं।

आधुनिक तकनीक एवं मानवीय करुणा है लोकतंत्र की बुनियाद

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के इस युग में लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम तकनीक को केवल सुविधा का साधन न मानकर पारदर्शिता, संवाद और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने का माध्यम बनाएँ। एआई लोकतंत्र को अधिक सहभागी और जवाबदेह बना सकता है-निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को डेटा-संपन्न, सटीक और पारदर्शी बनाकर, जनता की आवाज को त्वरित रूप से शासन तक पहुँचाकर। लेकिन यदि तकनीक केवल सत्ता या कॉर्पोरेट के हाथों का खिलौना बन जाए तो यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचल सकती है।

संयुक्त राष्ट्र ने 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में नामित किया है ताकि दुनिया भर में लोकतंत्र और उसके मूल सिद्धांतों का जश्न मनाया जा सके। विश्व समुदाय ने पहली बार 2008 में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाना नए या पुनर्स्थापित लोकतंत्रों के पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वीकार किया, जिसने लोगों को दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने पर जोर देने का अवसर प्रदान किया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करना, लोकतंत्रीकरण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और दुनिया भर की सरकारों से नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करने और लोकतंत्र में सार्थक एवं सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करना है। साथ ही, सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का उद्देश्य 16 सतत विकास लक्ष्यों के साथ लोकतंत्र को संबोधित करना, सूचना तक जनता की पहुँच सुनिश्चित करना, मौलिक स्वतंत्रताओं की रक्षा करना, राष्ट्रीय कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों का पालन करना और प्रभावी, जवाबदेह, समावेशी संस्थाओं का विकास करना है। यह दिन दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें स्वतंत्र प्रेस और मौलिक स्वतंत्रताएं शामिल हैं, जिन्हें सेंसरशिप और शारीरिक हिंसा के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ता है। लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा ढाँचा है जो मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन और निर्णय लेने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है। 2024 में, दुनिया की लगभग आधी आबादी वाले 50 से ज्यादा देशों में चुनाव हुए, जिससे वैश्विक स्तर पर समाजों के भविष्य को आकार देने में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस केवल एक प्रतीकात्मक दिवस भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है कि हम यह परखें कि लोकतंत्र अपने आदर्श रूप में कितना जीवंत है और वास्तविक जीवन में कितनी चुनौतियों से जूझ रहा है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब लोकतंत्र ने अपनी जड़ों को मजबूत रखा, तब-तब समाज और राष्ट्र ने अभूतपूर्व प्रगति की, लेकिन जब-जब लोकतांत्रिक मूल्यों से खिलवाड़ हुआ, तब-तब अराजकता, अशांति, हिंसा, आतंक और तानाशाही प्रवृत्तियां हावी हो गईं। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि लोकतांत्रिक देशों में ही लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

नेपाल में पिछले दिनों से चल रही अस्थिरता और आंदोलन यह दर्शाती है कि वहां की राजनीतिक नेतृत्व ने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय सत्ता संघर्ष को वरीयता दी। बार-बार सरकार बदलना, नीतियों में असंगति, शासनगत भ्रष्टाचार और आमजन की समस्याओं की अनदेखी लोकतंत्र के मूल स्वरूप को ही चोट पहुँचाती है। यही हाल पाकिस्तान का है जहां लोकतांत्रिक ढांचा होते हुए भी सेना और सत्ता की सांठगांठ ने लोकतंत्र को खोखला बना दिया है। वहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदी और विपक्षी नेताओं पर दमन लोकतांत्रिक आदर्शों का उपहास है। बांग्लादेश में हाल के आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र का गला घोंटता है। वहां आम जनता और छात्रों की आवाज को कुचलने का प्रयास हुआ जिससे असंतोष उभरकर सामने आया। भूटान जैसे छोटे राष्ट्र में भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपेक्षित रूप में मजबूत नहीं हो पा रही और सत्ता पर कुछ वर्गों का वर्चस्व देखा जा रहा है। ये उदाहरण बताते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने या संसद चलाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है नागरिक अधिकारों की रक्षा, समान अवसर, पारदर्शी शासन और जनता के प्रति जवाबदेही। जब नेता जनता से कट जाते हैं, जब संस्थाएं निष्पक्ष न रहकर सत्तापक्ष की कठपुतली बन जाती हैं, जब अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाता है, तब लोकतंत्र अपने असली स्वरूप से दूर हो जाता है। यही वजह है कि आज लोकतंत्र विश्वव्यापी संकट से गुजर रहा है।

आज दुनियाभर की शासन-प्रणालियों में घर कर रही समस्याओं के समाधान का रास्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में है। सबसे पहले राजनीतिक दलों को आंतरिक लोकतंत्र अपनाना होगा, क्योंकि यदि दलों में ही तानाशाही हो तो राष्ट्र में लोकतंत्र कैसे जीवित रहेगा? दूसरा, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और मजबूत निर्वाचन प्रणाली लोकतंत्र की रीढ़ हैं, इन्हें किसी भी हालत में कमजोर नहीं होने देना चाहिए। तीसरा, नागरिक समाज और युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग और सक्रिय रहना होगा। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्यलोकतंत्र जनता की आज्ञाकारिता नहीं, जनता की जागरूकता पर टिका है।ह्व निश्चित है कि लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन प्रणाली है, परंतु यह तभी प्रभावी हो सकता है जब इसके मूल तत्व-पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और स्वतंत्रता को व्यवहार में उतारा जाए। यदि लोकतंत्र सही ढंग से चले तो इससे उन्नत शासन प्रणाली नहीं हो सकती। लोकतंत्र केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सतत साधना है, और उसकी रक्षा का दायित्व शासकों से कहीं अधिक जनता पर है। लोकतंत्र केवल एक शासन-प्रणाली नहीं है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों और मानवीय गरिमा का उत्सव है। इसमें शासक और शासित का भेद मिट जाता है और सत्ता का वास्तविक केन्द्र जनता होती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मा में निहित है-जनता की सक्रिय भागीदारी और संवाद। जहाँ जनता मौन रहती है और केवल शासकों पर सब कुछ छोड़ देती है, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे खोखला हो जाता है और तानाशाही का रूप धारण कर लेता है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र है-उत्तरदायित्व और पारदर्शिता। यदि सत्ता में बैठे लोग अपने को जनता से ऊपर समझने लगें, भ्रष्टाचार और पक्षपात में डूब जाएँ, तो लोकतंत्र के मूल तत्व ही नष्ट हो जाते हैं।

आज की परिस्थितियों में लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती है-मूल्यों का ह्रास। केवल बाहरी ढाँचे और प्रक्रियाएँ ही लोकतंत्र को जीवित नहीं रख सकतीं। जब तक नागरिकों में नैतिक चेतना, कर्तव्य-बोध और सामाजिक सरोकार नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र केवल बहुमत की तानाशाही बनकर रह जाएगा। जैसा कि प्रायः कहा गया है-ह्यलोकतंत्र वही है जहाँ जनमत की गरिमा सुरक्षित हो, जनता की आवाज सुनी जाए और शासन जनता के कल्याण के लिए कार्य करे।ह्व लोकतंत्र का दूसरा पहलू है-विकेन्द्रित शक्ति। यदि सारे निर्णय केवल शीर्ष पर सीमित रहेंगे और गाँव, नगर, पंचायत या स्थानीय निकाय निष्क्रिय रहेंगे तो लोकतंत्र अधूरा रहेगा। असली लोकतंत्र वही है जहाँ निर्णय जनता की जमीनी जरूरतों के अनुसार हों और सत्ता की प्रक्रिया नीचे से ऊपर की ओर बहे। यह संवाद और सहमति का मार्ग है, संघर्ष और हिंसा का नहीं। इसे केवल व्यवस्था मानना भूल है; यह तो एक संस्कार और संस्कृति है, जो सतत आत्मावलोकन, आत्म-सुधार और समावेशिता की माँग करता है।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाते हुए इसका सार यही है कि लोकतंत्र को बचाए रखने और उसे प्रभावी बनाने के लिए केवल संविधान और चुनाव काफी नहीं हैं; उसकी आत्मा को जीवित रखना आवश्यक है, जो जन-जागरण, नैतिकता और उत्तरदायित्व से ही संभव है। इस वर्ष लोकतंत्र दिवस मनाते हुए ह्यकृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और लोकतंत्रह्व के विषयों पर जोर दिया जा सकता है, जिसके तहत एआई के जिम्मेदार उपयोग से लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करने की बात कही जाती है। यह दिन सभी के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और अधिक जीवंत डिजिटल भविष्य बनाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, भागीदारी, और मानवाधिकारों पर सामूहिक रूप से काम करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के इस युग में लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम तकनीक को केवल सुविधा का साधन न मानकर पारदर्शिता, संवाद और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने का माध्यम बनाएँ। एआई लोकतंत्र को अधिक सहभागी और जवाबदेह बना सकता है-निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को डेटा-संपन्न, सटीक और पारदर्शी बनाकर, जनता की आवाज को त्वरित रूप से शासन तक पहुँचाकर। लेकिन यदि तकनीक केवल सत्ता या कॉर्पोरेट के हाथों का खिलौना बन जाए तो यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचल सकती है। इसलिए जरूरी है कि तकनीकी नवाचार को मानवीय विवेक और करुणा से जोड़ा जाए। बढ़ती हिंसा, युद्ध और आतंक की स्थितियों का समाधान भी इसी में है कि हम संवाद, सहअस्तित्व और सहयोग को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को केवल राजनीतिक प्रणाली नहीं, बल्कि शांति और मानवीय गरिमा की संस्कृति बनाना होगा, जहाँ तकनीक मानवता की सेवा करे, विभाजन और विनाश का हथियार न बने।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

राज्यपाल न हों पक्षपाती

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्यपालों को राज्य सरकारों के लिए सच्चे मार्गदर्शक और दार्शनिक के रूप में कार्य करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में पांच न्यायाधीशों वाली राष्ट्रपति संदर्भ पीठ द्वारा केरल सरकार से सहमति व्यक्त की गई कि दोनों संवैधानिक प्राधिकारियों के बीच कार्य संबंध सहयोगात्मक होने चाहिए। केरल ने अदालत को बताया कि राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत आठ विधेयक सात से तेईस महानों तक लंबित रहे। दस दिन तक दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला बहरहाल सुरक्षित रख लिया। केंद्र की तरफ से जवाब में कहा गया कि अनुच्छेद 200 के प्रावधान एक के तहत लौटाए गए विधेयक के साथ राज्यपाल का संदेश पुनर्विचार के दायरे को तय करेगा जिस पर मूल विधेयक संख्या अंकित होगी। आरोप है कि वे बगैर संदेश के इसे अंतहीन तौर पर रोके रहते हैं। बेशक, राज्यपाल को संवैधानिकता की जांच करने का अधिकार है, मगर अधिनियम बन जाने के बाद भी यह न्यायिक समीक्षा के लिए खुला होगा। राज्यपाल अक्सर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करते हैं। इन आरोपों-प्रत्यारोपों पर लगाम कसना टेढ़ी खीर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत अदालत से मांगी गई राय के बाद यह बहस तेज हो गई। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट कहा कि न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए। यदि लोकतंत्र का एक पक्ष कर्त्तव्य निर्वहन करने में विफल रहता है तो संविधान का संरक्षक न्यायालय शक्तिहीन होकर निष्क्रिय नहीं रह सकता। कहना गलत नहीं कि राज्यपाल के काम पर शीर्ष अदालत का परमादेश जारी करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। मगर विपक्षी दलों की सरकारों की असहमतियों की सुनवाई की अनदेखी भी न्यायोचित नहीं है। राज्यपाल विधानमंडल का अंग है, जिनकी सहमति विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है। कानून बनाने में राज्यपालों की सहमति महत्त्वपूर्ण चरण है पर सैद्धांतिक सहमति की आवश्यकता भी कम महत्त्व नहीं रखती। उन परिस्थितियों को लेकर व्यवस्था देनी जरूरी है, जहां स्थिति खतरनाक हो रही हो या मध्य मार्ग स्पष्ट होता न दिख रहा हो। राज्यपालों की भूमिका रोजमर्रा के प्रावधानों में महत्त्व नहीं रखती। उन्हें नियंत्रण के साथ संतुलन बनाने के प्रति निष्पक्ष, चैतन्य और सतर्क दिखना चाहिए।

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

देश के विकास में इंजीनियरों की अहम भूमिका है

संजय गोस्वामी

भारत में इंजीनियर्स डे हर साल 15 सितंबर को मनाया जाता है इसे अभियंता दिवस भी कहते हैं. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. भारत हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे मनाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. उन्होंने सिंचाई, बांध, बुनियादी ढांचे और आर्थिक योजनाओं में अद्भुत योगदान दिया. यही वजह है कि यह दिन भारत के साथ-साथ श्रीलंका और तंजानिया में भी मनाया जाता है. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता हैसर एम विश्वेश्वरैया का जन्मः 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक में हुआ था और वह बाढ़ प्रबंधन और सिंचाई तकनीक के विशेषज्ञ माने जाते थे. उन्होंने पुणे के कॉलेज ऑफ साइंस से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया. भारत सरकार ने उन्हें 1955 में भारत रत्न और ब्रिटिश सरकार ने Knighthood Award से सम्मानित किया. उनकी जयंती को 1967 से राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे के रूप में मनाना शुरू किया गया.भारत में इंजीनियर्स दिवस की शुरूआत 1968 में हुई थी, जब भारत सरकार ने सर एम. विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय जीवन और उपलब्धियों के स्मरणोत्सव के लिए 15 सितंबर को एक दिन के रूप में घोषित किया था। 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली में जन्मे सर विश्वेश्वरैया को भारतीय इंजीनियरिंग के जनक के रूप में दुनिया भर में पहचान मिली। उनके नवाचारों–जैसे पेटेंट प्राप्त स्वचालित फ्लडगेट और कृष्णराज सागर बांध का डिजाइन–ने भारत के बुनियादी ढाँचे और जल प्रबंधन प्रणालियों को बदल दिया। 1912 से 1918 तक मैसूर के दीवान के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने लोक निर्माण, शिक्षा और औद्योगीकरण में योगदान दिया। यह वार्षिक उत्सव न केवल उनकी विरासत का सम्मान करता है, बल्कि देश के विकास में इंजीनियरिंग पेशे के महत्वपूर्ण महत्व को भी उजागर करता है।अपनी प्रारंभिक पढ़ाई चिक्काबल्लापुर में करने के बाद वे बैंगलोर चले गए। 1881 में बैंगलोर से बी.ए. की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पुणे के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के बाद वे बॉम्बे प्रेसीडेंसी के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (PWD) से जुड़े। मशहूर है ट्रेन का दिलचस्प किस्सा उनके जीवन से जुड़ा एक प्रसंग बेहद मशहूर है। एक बार ट्रेन से सफर के दौरान अंग्रेज यात्री एक भारतीय का मजाक उड़ा रहे थे। तभी उस भारतीय ने अचानक ट्रेन की चेन खींच दी। सभी नाराज हो गए, लेकिन उसने कहा कि पटरियों में गड़बड़ी है। जांच हुई तो सचमुच कुछ दूरी पर पटरी टूटी हुई मिली। यह शख्स और कोई नहीं बल्कि सर एम. विश्वेश्वरैया ही थे। इंजीनियर्स दिवस 2025 का मुख्य विषय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग निकायों द्वारा इस दिवस के करीब घोषित किया जाएगा। परंपरागत रूप से, हर साल की थीम इंजीनियरिंग क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों और आकांक्षाओं को संबोधित करती है–उदाहरण के लिए, एक सतत भविष्य के लिए इंजीनियरिंग या एक बेहतर भारत के लिए इंजीनियर। 2025 की थीम इंजीनियरिंग में स्थिरता, डिजिटल नवाचार और युवा नेतृत्व पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो इंजीनियरों और छात्रों को भारत के तकनीकी विकास और सामाजिक परिवर्तन की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सर एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमाओं और स्मारकों पर श्रद्धांजलि समारोह और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी इंजीनियरिंग कॉलेजों और व्यावसायिक संस्थानों द्वारा आयोजित सेमिनार, व्याख्यान और वेबिनार सर विश्वेश्वरैया के योगदान पर केंद्रित स्कूल और कॉलेज स्तर की निबंध, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिताएँ से शिक्षा, तकनीकी नवाचार और नैतिक इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने वाले सरकारी और गैर-लाभकारी अभियान को बढ़ावा मिलता है . विश्वेश्वरैया इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर उन्ही के नाम पर एक अच्छा एनआईटी कॉलेज है इंजीनियर्स डे है के दिन डिजिटल पोस्टर शेयरिंग के साथ सोशल मीडिया जागरूकता इंजीनियरिंग की सामाजिक भूमिका पर विचार करते हुए लेख, विशेष फीचर और भाषणों का प्रकाशन प्रेरक उद्धरण और नारे लगाए जाते हैं एम. विश्वेश्वरैया ने कहा था याद रखें, आपका काम सिर्फ.रेलवे क्रॉसिंग की सफाई करना हो सकता है, लेकिन यह आपका कर्तव्य है कि आप इसे इतना साफ रखें कि दुनिया का कोई भी दूसरा क्रॉसिंग आपके क्रॉसिंग जितना साफ न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि इंजीनियर राष्ट्र के सपनों के निमार्ता होते हैं। सच्ची सेवा देने के लिए, आपको कुछ ऐसा जोड़ना होगा जिसे पैसे से खरीदा या मापा न जा सके–ईमानदारी और निष्ठा। बड़े सपने देखें। कड़ी मेहनत करें। भविष्य का निर्माण करें। सर एम. विश्वेश्वरैया की विरासत प्रगति और नवाचार का खाका तैयार किया । इंजीनियर्स दिवस हमें याद दिलाता है कि दूरदर्शिता और कर्म से दुनिया बदल सकती है। इंजीनियर्स डे हमें यह याद दिलाता है कि एक इंजीनियर केवल मशीनों और प्रोजेक्ट्स का निमार्ता ही नहीं, बल्कि देश की प्रगति का आधार भी है. आज के समय में चाहे टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यावरण या स्पेस रिसर्च हो, हर क्षेत्र में इंजीनियरों की अहम भूमिका है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अर्थव्यवस्था: कपड़ा उद्योग पर सारा दारोमदार

गिरीश पांड़े

भारतीय अर्थव्यवस्था के विशाल ताने-बाने में कपड़ा और परिधान उद्योग का स्थान हमेशा से केंद्रीय रहा है। हाल में जीएसटी काउंसिल द्वारा दी गई टैक्स राहत ने इस क्षेत्र में नई उम्मीदें जगाई हैं। सिंथेटिक धागे, बिना बुने कपड़े, सिलाई धागा और स्टेपल फाइबर पर दर को 12 प्रतिशत से घटा कर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में जूझ रहे भारतीय निर्यातकों के लिए संजीवनी समान है।

हालांकि अमेरिकी प्रशासन द्वारा 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने से भारत के कपड़ा निर्यात पर पहले से ही दबाव है। जुलाई, 2025 के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत के तैयार कपड़ों का सबसे बड़ा गंतव्य अमेरिका ही है। अनुमान है कि अमेरिकी टैरिफ से भारत के निर्यात में लगभग एक-चौथाई की गिरावट आ सकती है। ऐसे में जीएसटी राहत उद्योग को स्थिर बनाए रखने का महत्त्वपूर्ण साधन बनेगी। पैकेजिंग सामग्री पर भी जीएसटी दर को 12 से घटा कर 5 प्रतिशत किया गया है, जिससे संबंधित उद्योगों को भी बल मिलेगा। सरकार ने रेशातटस्थ नीति अपना कर मानव निर्मित रेशे को कपास के बराबर कर दर के दायरे में रखा है। इसका सीधा लाभ यह होगा कि कृत्रिम वस्त्रों का उपयोग बढ़ेगा, मूल्य श्रृंखला में समानता आएगी और भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा भी मजबूत होगी।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा परिधान निर्यातक है। कई श्रेणियों में शीर्ष पांच वैश्विक उत्पादकों में शामिल है। वर्तमान में भारतीय कपड़ा और परिधान बाजार 10 प्रतिशत की तेज वार्षिक दर से बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2030 तक यह 350 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इसी अवधि में निर्यात भी 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। आज कपड़ा उद्योग भारतीय जीडीपी में 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है। औद्योगिक उत्पादन में इसका हिस्सा 13 और निर्यात में 12 प्रतिशत है। सरकार ने इस दशक के अंत तक कपड़ा उद्योग का योगदान लगभग दोगुना करके 5 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य पूरा होता है तो यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था को ऊंचाइयों पर ले जाएगा। वस्त्र मंत्रालय समय-समय पर 'भारतटेक्स' जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन कर भारत के वस्त्र क्षेत्र को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करता रहा है। खादी को लोकप्रिय बनाने के लिए 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन एंड खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' जैसे अभियान चलाए गए हैं। इससे खादी की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। भारत विश्व में कपास, जूट और रेशम का प्रमुख उत्पादक है। लाखों किसान इससे जुड़े हैं। कपास उत्पादन-खपत, दोनों में भारत सबसे बड़ा देश है।

2020 में दूसरे विश्व कपास दिवस पर भारतीय कपास को वैश्विक पहचान देने के लिए 'कस्तूरी कॉटन' ब्रांड लॉन्च किया गया जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय कपास की साख और बढ़ी। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) का नेटवर्क 19 संस्थानों तक विस्तारित हो चुका है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल की पहल ने वस्त्र क्षेत्र में नई गति भरी है। खास बात यह है कि चीन के बाद भारत ही एकमात्र देश है, जिसके पास फाइबर से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक संपूर्ण टेक्सटाइल वैल्यू चेन उपलब्ध है। यही क्षमता 'ब्रांड इंडिया' को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रही है। पर्यावरण अनुकूल कपड़े केवल फैशन का ही हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की जरूरत बन चुके हैं। बदलते उपभोक्ता रु झान और विश्व बाजार की अपेक्षाएं भारत के लिए अवसर भी हैं, और चुनौती भी। भारत अपने संसाधनों, कारीगरों और तकनीकी नवाचार का सही उपयोग करे तो वैश्विक फैशन और टेक्सटाइल उद्योग में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है।

भारतीय कपड़ा उद्योग रोजगारङ्क निर्यातङ्क परंपरा और तकनीक-सभी का अद्वितीय संगम है। सरकार की सक्रिय नीतियां, कौशल विकास, निवेश योजनाएं और बढ़ती वैश्विक मांग इस उद्योग को निरंतर नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में पारंपरिक बुनाई और आधुनिक तकनीक का यह ताना-बाना भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती से शिखर तक पहुंचाएगा और इसके साथ ही देश की वैश्विक पहचान को और भी प्रखर बनाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जन्म से तीन गुना ज्यादा मौतें, लाखों का पलायन; जंग के बाद भी नहीं उबर पाएगी यूक्रेन की आबादी?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन बीते तीन साल से भी अधिक समय से रूस के साथ जंग लड़ रहा है। 24 फरवरी 2022 को रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया, तब दोनों पक्षों ने भी नहीं सोचा था कि यह युद्ध सालों तक चलेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई वैश्विक नेताओं की कोशिशों के बावजूद अब तक युद्धविराम नहीं हो पाया है और जंग के निकट भविष्य में खत्म होने के आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच एक रिपोर्ट में यूक्रेन की आबादी को लेकर कुछ हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। इसके मुताबिक जंग से त्रस्त यूक्रेन के सामने एक अन्य बड़ी चुनौती है, जिसका मुकाबला करना और भी मुश्किल होगा। ईयू ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की आबादी बड़े संकट से गुजर रही है। युद्ध, बड़ी संख्या में लोगों का पलायन और गिरती जन्म दर की वजह से यूक्रेन की आबादी ऐतिहासिक रूप से कम हो गई है। यूक्रेन में इस मामले से जुड़े एक्सपर्ट्स इसे गंभीर समस्या बता रहे हैं। यूक्रेन इंस्टीट्यूट फॉर डेमोग्राफी एंड सोशल स्टडीज के अर्थशास्त्री अलेक्सांद्र ग्लैडुन के मुताबिक देश की जनसंख्या, जो 1990 के दशक की शुरुआत से घट रही है, न केवल रूस के साथ संघर्ष की वजह से, बल्कि दशकों से चली आ रही नीतियों से भी प्रभावित है। ग्लैडुन ने कहा है कि यूक्रेन ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जिनका सामना किसी अन्य देश ने पहले कभी नहीं किया है। ग्लैडुन के मुताबिक देश के सामने आए इस संकट के पीछे की सबसे बड़ी वजह पलायन है। 2022 से अब एक लगभग 70 लाख लोग, जिनमें मुख्य रूप से महिलाएं और बच्चे हैं, देश छोड़ चुके हैं। एक अनुमान के मुताबिक 4.3 मिलियन यूक्रेनी ने यूरोपीय यूनियन में शरण ले ली हैं। वहीं रूस के साथ जंग में हजारों यूक्रेनी मारे गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फरवरी 2025 में एक इंटरव्यू में कहा था कि इस जंग में अब तक 46,000 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिक मारे गए। इसके अलावा हजारों सैनिक अब भी लापता हैं या रूसी जेलों में कैद में हैं।

यूएन महासभा में हमास-मुक्त फिलिस्तीनी देश के पक्ष में 142 देशों ने वोट दिया

लंदन, एजेंसी। महासभा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन को अपनाया, जिसमें दो-राष्ट्र समाधान को फिर से जिंदा करने की पहल की गई है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 142 देशों ने मतदान किया, जिनमें भारत भी शामिल रहा। अमेरिका सहित 10 देशों ने विरोध किया जबकि 12 ने मतदान से परहेज किया। इजराइल ने इस कदम को खारिज कर दिया। इजराइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, एक बार फिर, यह साबित हो गया है कि महासभा वास्तविकता से कितनी दूर एक राजनीतिक सर्कस है, इस प्रस्ताव में, एक बार भी इस बात का जिक्र नहीं है कि हमास एक आतंकवादी संगठन है। वही, फ्रांस और सऊदी अरब द्वारा पेश इस प्रस्ताव में 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमलों की निंदा की गई है और संगठन से हथियार डालने व सभी बंधकों को रिहा करने की मांग की गई है।

यूनुस के मंत्री ने कहा-दुर्गा पूजा मेलों में गांजा-शराब.. हिंदू संगठन बोले- यहआपत्तिजनक और भड़काऊ

ढाका , एजेंसी। दुर्गा पूजा शुरू होने से पहले ही बांग्लादेश में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस सरकार के गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, जिसने हिंदू समुदाय को गहराई से आहत कर दिया। चौधरी ने कहा कि पूजा मेलों में गांजा और शराब का अड्डा लगता है, इसलिए इस बार बड़े मेले नहीं होंगे। हिंदू संगठनों का कहना है कि यह बयान उनकी आस्था पर हमला है और सरकार का रवैया उन्हें असुरक्षित महसूस करा रहा है। हिंदू संगठनों ने चौधरी की टिप्पणी को आपत्तिजनक और भड़काऊ बताया। उन्होंने कहा किदुर्गा पूजा हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है, इसे नशे से जोड़ना अपमान है। विसर्जन का समय शाम 7 बजे तक तय करने को धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। हिंदू संगठनों ने विरोध दर्ज कराने की कोशिश की। लेकिन ढाका प्रेस क्लब ने उन्हें बुकिंग देने से इनकार कर दिया।

बेला चाव-चाव... चार्ली किर्क के हत्यारे ने
गोली के खोलों पर उकेरे रहस्यमयी संदेश

यूटा , एजेंसी।
अमेरिकी कंजर्वेटिव कार्यकर्ता और टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक चार्ली किर्क की हत्या के मामले में 22 वर्षीय टायलर रॉबिन्सन को गिरफ्तार किया गया है। रॉबिन्सन कथित तौर पर किर्क के विचारों से गहरी नाराजगी रखता था और हाल के वर्षों में वह अधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय हो गया था। हत्या के 33 घंटे बाद एजेंसियों ने उसे पकड़ लिया। इस मैनहंट के दौरान उसके परिवार ने ही उसे सरेंडर कराने में मदद की। जांचकर्ताओं को गोली के खोलों पर उकेरे गए संदेशों से उसके दिमाग की झलक मिली है, जो एंटी-फासीवादी नारों से लेकर मीम रेफरेंस तक फैले हुए हैं।

चार्ली किर्क की हत्या 11 सितंबर को यूटा वैली यूनिवर्सिटी (युवीयू) के एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां वह कंजर्वेटिव विचारों पर बोल रहे थे। काफी दूर एक छत से चलाई गई गोली ने किर्क को सीधे निशाना बनाया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यूटा गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने बताया कि यह एक सुनियोजित हत्या थी और रॉबिन्सन ने अकेले ही यह वारदात को अंजाम दिया।

जांच के दौरान राइफल के चैंबर में मिले तीन अनफायर खोलों और एक फायर खोले पर विभिन्न संदेश उकेरे मिले, जो रॉबिन्सन के राजनीतिक और सांस्कृतिक झुकाव को दर्शाते हैं। यूटा गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन संदेशों का खुलासा किया। ओह बेला चाव, बेला चाव, बेला चाव चाव चाव। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली के एंटी-फासीवादी प्रतिरोध गीत का संदर्भ है। यह गीत मुसोलिनी शासन और नाजी कब्जे के खिलाफ पार्टिसन्स द्वारा गाया जाता था। इसका शाब्दिक अर्थ है अलविदा, सुंदर, लेकिन आज यह विद्रोह का वैश्विक प्रतीक बन चुका है। अगर आप यह पढ़ रहे हैं, तो आप गे हैं , जो एक व्यंग्यात्मक मीम-स्टाइल संदेश है।

नोटिसेस, बल्जेस, ओडब्ल्यूओ, व्हाट्स दिस? यह संदेश फर्री और रोलप्ले कम्युनिटीज से जुड़ा है, जो ऑनलाइन फ्लर्टिंग या अजीबोगरीब व्यवहार का वर्णन करता है। तीन नीचे की तीरें के साथ ऊपर और दाईं तीर का संयोजन गेम हेलडाइवर्स 2 के स्ट्रेटेजम इनपुट की ओर इशारा करता है, जो ईगल 500 किलो बम बुलाने के लिए इस्तेमाल होता है। यह एंटीफा के प्रतीक से असंबंधित है। इन संदेशों से पता चलता है कि रॉबिन्सन राजनीतिक असहिष्णुता के साथ-साथ इंटरनेट कल्चर और गेमिंग से प्रभावित था। बता दें कि एंटीफा का पूरा नाम एंटी-फासिस्ट है, जो एक ढीला-ढाला, गैर-केंद्रित आंदोलन है, जिसमें विभिन्न समूह और व्यक्ति शामिल हैं जो फासीवाद, नस्लवाद, श्वेत वर्चस्ववाद और अन्य दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधाराओं का विरोध करते हैं। यह कोई औपचारिक संगठन नहीं है, बल्कि एक विचारधारा और कार्यप्रणाली है, जो आमतौर पर बाएं-झुकाव वाली राजनीति से जुड़ी है। टायलर रॉबिन्सन यूटा के वाशिंगटन शहर का निवासी है, जो राज्य के दक्षिण-पश्चिमी कोने में स्थित है। उसके माता-पिता एंबर जोन्स रॉबिन्सन और मैट रॉबिन्सन हैं, जो लंबे समय से इस क्षेत्र के निवासी हैं। परिवार के पास उपनगरीय इलाके में एक छह बेडरूम वाला घर है, जिसकी कीमत लगभग 6,34,400 डॉलर है। मैट रॉबिन्सन वाशिंगटन काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट के 27 वर्षीय वेटरन हैं। रॉबिन्सन के दो भाई हैं। उसने अपने पिता और एक पादरी के सामने कथित तौर पर किर्क की हत्या की बात कबूली। शुरू में उसने कहा कि वह आत्महत्या करना पसंद करेगा बजाय सरेंडर के, लेकिन उसके माता-पिता ने उसे मनाया। पिता मैट ने खुद अधिकारियों से संपर्क किया और बेटे को सुरक्षित रूप से ओरेम ले जाकर सरेंडर कराया।

ऑपरेशन बीच में ही छोड़कर भागा पाकिस्तानी डॉक्टर
नर्स के साथ करने लगा सेक्स

लंदन , एजेंसी।
ब्रिटेन के टेमसाइड जनरल हॉस्पिटल (ग्रेटर मैनचेस्टर) में कार्यरत एक पाकिस्तानी मूल के एनेस्थेटिस्ट पर बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। डॉ. सुहैल अंजुम ने एक मरीज की गॉल ब्लैडर सर्जरी के बीच ऑपरेशन थिएटर छोड़ दिया और पास के दूसरे ऑपरेशन थिएटर में नर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए पाए गए। यह मामला सितंबर 2023 का है, लेकिन अब मैनचेस्टर मेडिकल ट्रिब्यूनल में इसकी सुनवाई के दौरान पूरी घटना सामने आई।

रिपोर्ट के मुताबिक, डॉ. अंजुम उस सुबह पांच सर्जरी में शामिल हुए थे। तीसरी सर्जरी के दौरान उन्होंने साथी कर्मियों से कहा कि वे एक कम्फर्ट ब्रेक ले रहे हैं। उनकी जगह एक एनेस्थेटिक नर्स को मरीज की देखरेख के लिए छोड़ दिया गया। इसी दौरान वे पास के एक ऑपरेशन रूम में गए, जहां वे एक नर्स के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए।

एक दूसरी नर्स जब ऑपरेशन के लिए जरूर उपकरण लेने के लिए उस रूम में पहुंची और उन्हें आपत्तिजनक हालत में देख लिया। रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. अंजुम अपनी पैंट संभाल रहे थे जबकि नर्स की स्कर्ट घुटनों तक गिरी हुई थी।

पूछताछ में डॉ. अंजुम ने स्वीकार किया कि उन्होंने सर्जरी के दौरान मरीज को छोड़कर नर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाए। उन्होंने ट्रिब्यूनल में कहा, यह मेरी जिंदगी का बेहद कठिन समय था। मेरी पत्नी ने हमारे सबसे छोटे बच्चे के समयपूर्व जन्म के बाद गंभीर आघात झेला था। उसी तनाव में यह गलती हुई। मैं बेहद शर्मिंदा हूं और इस हरकत की गंभीरता को पूरी तरह समझता हूं। इस घटना के बाद डॉ. अंजुम ने 2024 में हॉस्ट ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया। वह अब ब्रिटेन छोड़कर पाकिस्तान लौट चुके हैं।

पोर्न स्टार ने पोस्ट कीं न्यूड तस्वीरें
इंस्टाग्राम अकाउंट बंद करने पर मेटा पर भड़का कोर्ट

कोलंबिया , एजेंसी। एक पोर्न स्टार की न्यूड तस्वीरों के मामले में सुनवाई करते हुए कोलंबिया की एक अदालत ने मेटा से कहा है कि उसे अपनी प्रिवेसी पॉलिसी बदलनी होगी। कोलंबिया की जानी-मानी अडल्ट ऐक्ट्रेस एस्परांजा गोमेज ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों में उन्होंने अंडर गारमेंट्स पहन रखे थे। गोमेज का दावा है कि अपने काम के तहत उन्होंने तस्वीरें पोस्ट की थीं। वहीं मेटा ने उनका इंस्टाग्राम अकाउंट बंद कर दिया। गोमेज के इंस्टाग्राम पर 50 लाख से ज्यादा फॉलोअर हैं। कोर्ट ने कहा कि मेटा ने बिना स्पष्ट कारण बताए ही गोमेज का अकाउंट बंद कर दिया। इससे उनका काम प्रभावित हुआ है। वहीं मेटा का कहना है कि गोमेज ने न्यूडिटी रूल्स का उल्लंघन किया था। कोर्ट ने कहा कि मेटा ने गोमेज की अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन किया है। कोर्ट ने कहा कि गोमेज जिस तरह की सामग्री पोस्ट करती थीं, उसी तरह की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करने वाले और भी अकाउंट हैं जो कि ऐक्टिवेट हैं। ऐसे में गोमेज के खिलाफ की गई मेटा की कार्रवाई उचित नहीं है और उसके नियम भी स्पष्ट नहीं हैं। कोर्ट ने मेटा को आदे दिया है कि वह अनपे नियमों की समीक्षा करे और फिर बदलाव करे। इसके अलावा वह स्पष्ट रूप से यूजर्स को बताए कि उसके क्या नियम हैं। कोर्ट के इस फैसले पर मेटा की अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि दक्षिण अमेरिकी कोर्ट पहले भी मेटा को इस तरह के आदेश दे चुके हैं। किसी सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अवैध सामग्री, हेट स्पीच या फिर भड़काऊ कॉन्टेंट के लिए प्लैटफॉर्म खुद जिम्मेदार है।

6 घंटे की सर्जरी और एक चमत्कार! सीधी हुई टेढ़ी रीढ़, वायरल हुई शख्स की एक्स-रे तस्वीरें

बीजिंग, एजेंसी।
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वायरल पर इन दिनों एक युवा की पोस्ट ने हज़ारों दिलों को छू लिया है। 20 वर्षीय ओलिवर मंडेला ने अपनी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी से पहले और बाद की ड्रामेटिक एक्स-रे तस्वीरें साझा कीं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं। पोस्ट का शीर्षक था- 11 मार्च को हुई 6 घंटे की सर्जरी के बाद मैं स्कोलियोसिस से ठीक हो गया। अब तक यह प्रेरणादायक कहानी 21,000 से अधिक अपवोट्स हासिल कर चुकी है और दुनियाभर से लोगों की दुआएं और शुभकामनाएं ओलिवर को मिल रही हैं।

क्या है स्कोलियोसिस?: स्कोलियोसिस एक रीढ़ की हड्डी की स्थिति है, जिसमें हड्डी स या ष्ट के आकार में मुड़ जाती है। यह स्थिति न केवल शरीर की बनावट को प्रभावित करती है, बल्कि इससे सांस लेने में दिक्कत, मांसपेशियों में तनाव और स्थायी दर्द भी हो सकता है। यह एक ऐसा शारीरिक विकार है जो शरीर के पोश्चर को असामान्य बना देता है। इसमें पीठ में कूबड़ सा उभर आता है और चलने-फिरने में परेशानी होने लगती है। नेशनल

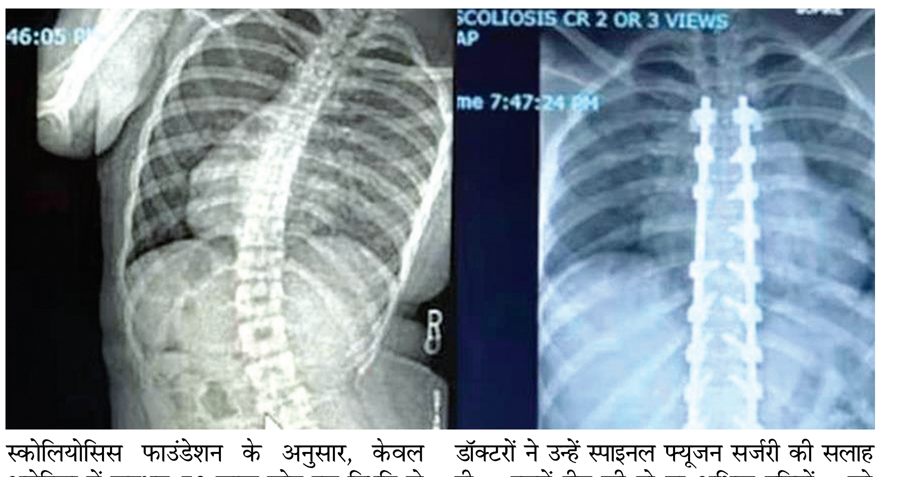

स्कोलियोसिस फाउंडेशन के अनुसार, केवल अमेरिका में लगभग 70 लाख लोग इस स्थिति से जूझ रहे हैं – जिनमें अधिकांश किशोर लड़कियां होती हैं। ओलिवर की स्थिति बेहद गंभीर थी। उन्होंने बताया कि सर्जरी से पहले उन्हें सांस लेने में दिक्कत होती थी, लगातार दर्द बना रहता था, और पैरों में कमजोरी के कारण लंगड़ाकर चलना पड़ता था। डॉक्टरों ने उन्हें स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी की सलाह दी – इसमें रीढ़ की दो या अधिक हड्डियों को स्थायी रूप से जोड़ दिया जाता है ताकि हड्डी सीधी रहे और मुड़ना बंद हो जाए। सर्जरी सफल रही, और आज ओलिवर का कहना है- अब मुझे दर्द नहीं होता, सांस लेना आसान हो गया है, और शरीर में ऊर्जा पहले से कहीं ज्यादा है।

ज्ञान मत दो, तुमने भी माली-सीरिया में खूब बम बरसाए
इजरायल ने फ्रांस और ब्रिटेन को रगड़ दिया

बीजिंग, एजेंसी। कतर की राजधानी दोहा में हवाई हमलों को लेकर कई मित्र देश ही इजरायल की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन इजरायल पीछे हटने को तैयार नहीं है। संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में इजरायल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने शुक्रवार को पश्चिमी सहयोगी देशों- खासकर फ्रांस और ब्रिटेन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने दोहा में हमास के वरिष्ठ नेताओं पर की गई हवाई कार्रवाई को उचित ठहराते हुए कहा कि ये देश खुद आतंकवाद के खिलाफ विदेशी धरती पर सैन्य कार्रवाइयां करते रहे हैं, लेकिन इजरायल के कदमों पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल जब गाजा में युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए हमास नेता दोहा में एकत्र हुए थे तभी इसी दौरान इजराल ने हमला कर दिया जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए। इस कदम को सही ठहराने के लिए डैनन ने अमेरिका के उस ऑपरेशन का

हवाला दिया जिसमें ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था। इतना ही नहीं, दोहा में हवाई हमले के खिलाफ ज्ञान दे रहे फ्रांस और ब्रिटेन को भी इजरायली दूत ने खूब लताड़ लगाई। यूएनएससी की बैठक में डैनन ने अपने भाषण में कहा, जब पाकिस्तान में बिन लादेन को खत्म किया गया, तब किसी ने भी सवाल यह नहीं पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया। आज भी ऐसा ही होना चाहिए। जब बिन लादेन के लिए कोई छूट नहीं थी तो हमास के लिए भी कोई छूट नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजरायल का ऑपरेशन आत्मरक्षा में किया गया और इसका उद्देश्य केवल हमास के आतंकियों को निशाना बनाना था, न कि कतर को। डैनन ने फ्रांस और ब्रिटेन को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा, फ्रांस ने माली, चाड, बुर्किना फासो और मॉरिटानिया में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की और उन्होंने विदेशी धरती पर बमबारी की। हवाई हमले किए। क्या तब दुनिया ने उनकी निंदा की? नहीं। लेकिन जब इजरायल आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाता है, तो ये सहयोगी देश यूएन में हमें सबक सिखाने लगते हैं। उन्होंने इन देशों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिमी दुनिया को हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने और बंधकों की रिहाई की मांग करनी चाहिए।

रूस के कामचटका में 7.4 तीव्रता का भूकंप

मॉस्को , एजेंसी। रूस के कामचटका में शनिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के बाद यहां सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप 39.5 किलोमीटर की गहराई पर आया।

रूस ने पहले भूकंप की तीव्रता 7.5 बताई थी, लेकिन बाद में इसे 7.4 कर दिया। पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में रूस के तटों पर खतरनाक लहरें उठ सकती हैं।

अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इससे पहले 30 जुलाई को यहां 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जो दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया था। कामचटका में बीते तीन महिनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 3 भूकंप दर्ज किए गए हैं।

रूस के कामचटका में जो प्रशांत रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकांश छोटे-मोटे (मैग्निट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप हुए। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 3 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। साल 2025 का सबसे विनाशकारी भूकंप 30 जुलाई को रूस के कामचटका में पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 8.8 मापी गई। यह पिछले 10 वर्षों का सबसे बड़ा झटका था।

रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाना आसान काम नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाना कोई आसान काम नहीं है और इससे भारत के साथ मतभेद पैदा होते हैं। शुक्रवार को फॉक्स एंड फ्रेंड्स को दिए एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शिकंजा कसने का क्या मतलब है, तो उन्होंने कहा, देखिए, भारत उनका सबसे बड़ा ग्राहक था। मैंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया क्योंकि वे रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह कोई आसान काम नहीं है। यह एक बड़ी बात है और इससे भारत के साथ मतभेद पैदा होते हैं।ट्रंप ने कहा, लेकिन मैं यह पहले ही कर चुका हूं। मैंने बहुत कुछ किया है। ट्रंप ने आगे कहा, और याद रखें कि यह हमारी समस्या से कहीं ज्यादा यूरोप की समस्या है। साक्षात्कार में, ट्रंप ने अपने इस दावे को भी दोहराया कि राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अब तक सात संघर्षों को सुलझाया है। उन्होंने कहा, मैंने सात युद्ध सुलझाए। पाकिस्तान और भारत भी शामिल हैं, लेकिन बड़े युद्ध, जिनमें से कुछ अनसुलझे थे, जैसे कांगो और रवांडा। मैंने उन्हें सुलझाया। यह 31 सालों से चल रहा था, लाखों लोग मारे गए। मैंने ऐसे युद्ध सुलझाए जो अनसुलझे थे। हालांकि, भारत हमेशा से ट्रंप के युद्धविराम करवाने के दावे को खारिज करता रहा है। भारत ने साफ किया है कि दोनों देशों के बीच सीजफायर डीजीएमओ स्तर की बातचीत के बाद ही हुआ। इसमें कोई भी तीसरा देश शामिल नहीं था। वहीं, रूस से कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए, भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

जेन जेड ने कर दिया 25 अरब का नुकसान

काठमांडु एजेंसी।
नेपाल में बीते दिनों युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान देश को जान माल की बड़ी हानि हुई है। अधिकारियों के मुताबिक प्रदर्शन से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। वहीं युवाओं ने देश के संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट सहित कई बड़े मंत्रियों के घरों को आग के हवाले कर दिया, जिससे उबरने में देश को महीने लग सकते हैं। इस बीच अब नेपाल के होटल उद्योग से जुड़े लोगों ने बताया है कि हिंसा के दौरान इंडस्ट्री को करीब 25 अरब नेपाली रुपए का नुकसान हुआ है।

बता दें कि नेपाल की अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर टूरिज्म पर निर्भर करती है और होटल उद्योग इसका एक प्रमुख हिस्सा है। जानकारी के मुताबिक बीते दिनों सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर के लगभग दो दर्जन होटलों में तोड़फोड़, लूटपाट या आगजनी की घटनाओं के बाद 25 अरब नेपाली रुपये से अधिक का

नुकसान हुआ है।

माई रिपब्लिका ने होटल एसोसिएशन नेपाल द्वारा जारी एक बयान के हवाले से बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित होटलों में काठमांडू का हिल्टन होटल शामिल है, जिसे अकेले 8 अरब रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। काठमांडू घाटी, पोखरा, बुटवल, भैरहवा, झापा, विराटनगर, धनगढ़ी, महोत्तरी और डांग-तुलसीपुर के अन्य प्रमुख घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड होटलों को भी हिंसा की वजह से भारी नुकसान हुआ है।

होटल एसोशिएशन ने कहा है कि कई प्रभावित होटल मरम्मत के बिना फिर से काम शुरू नहीं कर पाएंगे, जिससे 2,000 से लोगों की नौकरियां भी प्रभावित होंगी। वहीं यह चिंता भी जताई है कि इस बर्बादी की वजह से होटलों के लिए बैंकों को पैसा चुकाना भी मुश्किल होगा। लोगों ने घटनाओं की जांच के लिए एक न्यायिक समिति बनाने और दोषियों को सजा देने की मांग की है। वहीं प्रभावित व्यवसायों के लिए मुआवजे की मांग भी की गई है। इस बीच नेपाल की पूर्व सीजेआइ सुशीला कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया है। सुशीला कार्की को शुक्रवार रात नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। शपथ लेते ही अंतरिम सरकार का पहली जिम्मेदारी मौजूदा हालातों को सामान्य बनाकर देश में नए सिरे से चुनाव कराने की होगी। 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने कहा है कि वह छह महीने या एक साल के भीतर चुनाव संपन्न करवाने की कोशिश करेंगी।

जानकारी

कान दर्द से बचने के घरेलू नुस्खे

कान दर्द के घरेलू उपाय

कान में होने वाला दर्द बहुत असहनीय होता है। इसके पीछे कई कारण होते हैं जैसे कान पर चोट लग जाना या किसी प्रकार की समस्या आदि। इनसे बचने के लिए घर पर ही कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जो कान दर्द से निजात

दिलाती हैं। आइए जानें कान दर्द के घरेलू नुस्खों के बारे में

मेथी

पांच ग्राम मेथी के बीज एक बड़ा चम्मच तिल के तेल में गरम करें। इसे छानकर शीशी में भर लें। हर रोज सुबह-शाम दो बूंद इसे कान में डालें। इसे कान पीप का उम्दा इलाज माना गया है।

यूकेलीप्टस का तेल

एक कटोरे में उबाला हुआ पानी लें,इसमें यूकेलीप्टस के तेल की कुछ बूंदें और एक चम्मच विक्स मिला दें अब एक तौलिए से अपने सिर को अच्छी तरह से ढक लें और नाक से सांस के माध्यम से वाष्प को जितना हो सके अंदर खींचें,यह अंदर के दबाव को कम कर कर्णस्राव को बाहर निकालने में मदद करता है।

नमक से सिंकाई

चार या पांच चम्मच नमक को सौसपेन में तबतक धीमी आंच पर भुनें जब तक की यह भूरे रंग का न हो जाए ,अब इस गर्म किए हुए भुने नमक को एक साफ कपड़े पर अच्छी तरह से लपेट लें और इसे कान के प्रभावित हिस्से में दो से पांच मिनट तक रखें , आप सूजन और दर्द में आराम महसूस करेंगे।

विटामिन सी का सेवन

अपने भोजन में अधिक से अधिक विटामिन-सी युक्त पदार्थों जैसे अमरूद ,नींबू ,संतरे ,पपीते अदि फलों का प्रयोग करें ये कान में होने वाले दर्द को कम करने में उपयोगी होते हैं।

सिरका

सफेद सिरके (वेनेगर) एवं रबिंग एल्कोहल के मिश्रण को दो बूंद ड्रॉपर की मदद कान में डालकर कान को कुछ समय(लगभग एक घंटे) तक रूई से बंद कर देने और इसी क्रम को बार-बार दुहराने से संक्रमण ठीक होता है।

अदरक

कान में दर्द की समस्या को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर कान में दर्द हो रहा है तो अदरक का रस निकालकर दो बूंद कान में टपका देने से भी दर्द और सूजन में काफी आराम मिलता है।

लहसुन

लहसुन की दो कलियों को अच्छी तरह से पीस लें अब इसमें एक चुटकी नमक मिलाकर ऊनी कपड़े से बनाई गई पुल्टीस को दर्द वाले हिस्से के ऊपर रखें ,इससे दर्द में आराम मिलेगा।

प्याज का रस

प्याज का रस निकाल लें,अब रुई के फाये या किसी वूलेन कपड़े के टुकड़े को इस रस में डुबाएं। अब इसे कान के ऊपर निचोड़ दें ,इससे कान में उत्पन्न सूजन,दर्द ,लालिमा एवं संक्रमण को कम करने में मदद मिलती है।

सरसों का तेल

दो या तीन बूँद सरसों का तेल संक्रमण युक्त कर्णवेदना में लाभ देता है। एक साफ सुथरे तौलिये को गर्म पानी में डुबाएं और इसे संक्रमण युक्त कान के हिस्से के ऊपर दबाते हुए लगभग 20 मिनट तक रखें यह कर्णवेदना से तुरंत आराम देता है।

तुलसी की पत्तियां

तुलसी के पत्तों का रस गुनगुना कर दो-दो बूंद सुबह-शाम डालने से कान के दर्द में राहत मिलती है। अगर अक्सर कान में दर्द होता है तो यह नुस्खा बहुत ही असरकारी साबित हो सकता है आपके लिए। तुलसी के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं जो दर्द में आराम दिलाते हैं।

थायराइड के मरीज को कभी नहीं करना चाहिए इन 5 चीजों का सेवन

थायरॉइड एक किस्म का हारमोन है। हमारे थायरॉइड ग्लैंड्स शरीर से आयोडीन लेकर इन्हें बनाते हैं। ये हारमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। जब ग्लैंड्स किसी वजह से ज्यादा हारमोन बनाने लगते हैं, तो उसे हम कहते हैं कि थायरॉइड बढ़ गया है। थायरॉइड का बढ़ा होना बड़ी दिक्कत देता है। महिलाएं इसकी सबसे ज्यादा शिकार होती हैं। इससे वजन बढ़ने के साथ ही बेचैनी, ठीक से नींद न आना, पीरियड का टाइम पर न आना, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी परेशानियां होने लगती हैं।

इसके इलाज के लिए डॉक्टर से मिलें और वक्त पर दवा लें। यह इतनी बड़ी बीमारी भी नहीं है कि काबू न आ पाए। इसके अलावा आपको इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी चीजें न खाएं, जिससे थायरॉइड से पैदा होने वाली परेशानियां और बढ़ जाएं। आइये आपको बताते हैं कि थायरॉइड में किन चीजों से परहेज जरूरी है।

कैफीन

कैफीन वैसे तो सीधे थायरॉइड नहीं बढ़ाता, लेकिन ये उन परेशानियों को बढ़ा देता है, जो थायरॉइड की वजह से पैदा होती हैं, जैसे बेचैनी और नींद में खलल। इसलिए आप कॉफी से थोड़ा दूर ही रहें तो ठीक है।

आयोडीन वाला खाना

हमने शुरू में ही बता दिया था कि थायरॉइड ग्लैंड्स हमारे शरीर से आयोडीन लेकर थायरॉइड हारमोन को पैदा करते हैं। ऐसे में जो लोग इसके ज्यादा होने से परेशान हैं, उन्हें ऐसे खाने से परहेज करना चाहिए, जिनमें खूब आयोडीन हो। सी फूड और आयोडीन वाले नमक को अवॉइड करें।

एल्कोहल

एल्कोहल यानी शराब, बीयर आदि शरीर में एनर्जी लेवल को प्रभावित करते हैं। इससे थायरॉइड से ग्रसित लोगों की नींद में दिक्कत की शिकायत और बढ़ जाती है। इसके अलावा इससे ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। शराब तो किसी के लिए अच्छी नहीं होती। इसकी वजह से मोटापा भी बढ़ता है।

वनस्पति घी

भारत में आमतौर पर हम इसे डालडा घी बोलते हैं। इस घी को दरअसल वनस्पति तेल को हाइड्रोजन में से गुजारकर बनाया जाता है। इस घी का इस्तेमाल खाने-पीने की दुकानों में जमकर होता है। इससे अच्छे कॉलेस्ट्रॉल खत्म होते हैं और बुरे बढ़ते हैं। बढ़े थायरॉइड से जो परेशानियां पैदा होती हैं, ये उन्हें और बढ़ा देता है।

रेड मीट

रेड मीट में कॉलेस्ट्रॉल और सेचुरेडेट फैट बहुत होता है। इससे वेट तेजी से बढ़ता है। थायरॉइड वालों का वेट तो वैसे ही आगे की ओर भागता है। इसके अलावा रेड मीट खाने से थायरॉइड के रोगियों को बदन में जलन की शिकायत होने लगती है। आप चिकन वगैरा ले सकते हैं, चिकन की चेस्ट में अच्छा प्रोटीन होता है और उससे फैट बढ़ने की दिक्कत नहीं होती।

योग से दूर करें थायराइड

थायराइड की समस्या थॉयरॉक्सिन हार्मोन के असंतुलन के कारण होती है। इस हार्मोन की वजह से पूरे शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिसमें ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन, वजन असंतुलन, रक्तचाप आदि लक्षण शामिल हैं। योग से शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कायाकल्प प्राचीन पद्धति का तरीका है। योग के विभिन्न आसन थायराइड पर नियंत्रण पाने के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए आपको नियमित योगाभ्यास की जरूरत होती है। आइए जानें कौन-कौन से आसन करके थायराइड के रोग को योग द्वारा भगाया जा सकता है।

विपरीत करणी आसन

सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं फिर अपने दोनों हाथों और दोनों पैर आपस में जोड़ें। अब दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पहले 30 डिग्री, फिर 60 डिग्री और 90 डिग्री तक आकर पैरों को रोक लें। अब दोनों हाथों को नितंबों पर रखकर पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों कुहनियों को जमीन पर ही रखें। अब पैरों को सीधा रखें और हथेलियों के सहारे कमर को ऊपर उठाने का प्रयास करें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस हाथों के सहारे कमर को नीचे लाएं। फिर पैरों को 90 डिग्री के कोण पर लाएं और इस स्थिति में थोड़ी देर रूकें। **यह योग उन लोगों को नहीं करनी चाहिए जिन्हें हाई ब्लडप्रेशर या हर्ट से संबंधित, स्पोंडलाइटिस और स्लिप-डिस्क की शिकायत है।**

मत्स्यासन व हलासन

मत्स्यासन में पीठ के बल सीधा जमीन पर लेट जाएं फिर अपने पैरों को आपस में जोड़ लें। अब दोनों हाथों को गर्दन की पास रखें और हथेलियों का सहारा लेते हुए गर्दन को उठाने का प्रयास करें। अब दोनों हाथों को जांघ पर रखें। वापस आते समय दोनों हथेलियों के सहारे गर्दन को दोबारा उसी स्थिति में वापस ले आएं। हलासन में पीठ के बल लेट कर अपने पैरों को मिला लें। अब धीरे-धीरे दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं और पैरों को 30, 60 और 90 डिग्री के कोण पर लाकर रोकें। अब दोनों हाथों पर जोर देकर पैरों को सिर की ओर थोड़ा सा झुकाएं। जब पैर जमीन को स्पर्श करने लगे, तो दोनों हथेलियों को क्रॉस करके बांधे और सिर पर रखें।

ब्रह्ममुद्रा व नाड़ीशोधन प्राणायाम

ब्रह्ममुद्रा आसन के लिए वज्रासन में या अपनी कमर सीधी करके बैठें और गर्दन को 10-15 बार ऊपर-नीचे, और फिर दाएं-बाएं करें। और इतनी ही बार क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। नाड़ीशोधन प्राणायाम में कमर और गर्दन सीधी करके बैठें और फिर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लेकर दूसरे नाक से निकालें। यही क्रिया फिर दूसरी नाक से भी करें। इस कम से कम 10 बार दुहराएं।

उष्ट्रासन व धनुरासन

घुटनों पर खड़े हो जाएं। फिर पीठ को पीछे की ओर झुकाते हुए दोनों हाथों से एड़ियों को पकड़कर गर्दन पीछे की ओर झुकाएं और पेट को आगे की तरफ उठाएं। चूंकि इस आसन में शरीर ऊंट की आकृति जैसा हो जाता है। इसलिए इसे उष्ट्रासन कहा जाता है। इस स्थिति में 10-15 बार सांस धीरे-धीरे लें और छोड़ें। धनुरासन में पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़ लें। (इस आसन में शरीर धनुष के सामान हो जाता है।) फिर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 बार धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लें और छोड़ें।

(यह सब आसन थायराइड को दूर करने के लिए है पर आप इस बात का ध्यान रखें कि इन आसनों को किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।)

सुझाव

घरेलू नुस्खों से कैसे करें इम्पेटिगो का उपचार

इम्पेटिगो एक बेहद ही संक्रामक त्वचा संक्रमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। हल्के मामलों का इलाज साफ-सफाई का ध्यान रखकर या घरेलू उपचार के साथ किया जा सकता है। आइए इम्पेटिगो के घरेलू उपायों के बारे में जानकारी लेते हैं।

घरेलू उपायों से करें इम्पेटिगो का इलाज

इम्पेटिगो बेहद ही संक्रामक त्वचा संकमण है, जो आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथ और पैर पर होता है। आमतौर पर यह समस्या दो प्रकार के बैक्टीरिया यानी स्ट्रेप्टोकोकस प्योगेनेस और स्टेफाइलोकोकस के कारण होती है। बैक्टीरिया त्वचा को कट के माध्यम से संक्रमित करती है, अन्यथा स्वस्थ त्वचा में खुजली या एक्जिमा जैसे अन्य अंतर्निहित समस्याएं के कारण ऐसा होता है। हालांकि यह समस्या किसी को भी हो सकती है, लेकिन छोटे बच्चों और शिशुओं में यह बहुत ही आम है। अन्य जोखिम कारकों में स्वच्छता की कमी, गर्म मौसम और अन्य प्रकार के त्वचा संक्रमण, सूजन, डायबिटीज, कमजोर इम्यूनिटी शामिल है। इम्पेटिगो के लक्षण प्रकार पर निर्भर करते हैं। हालांकि आम लक्षणों में लाल चकत्ते, तरल पदार्थ से भरे छाले, खुजली, प्रभावित हिस्से पर खरोंच, त्वचा पर घाव और सूजन लिम्फ नोड्स शामिल है। इम्पेटिगो का इलाज हालत की गंभीरता पर निर्भर करता है।

सफेद सिरका

इस्तेमाल का तरीका

- 2 कप गुनगुने पानी में एक चम्मच सफेद सिरका मिला लें।
- फिर कपड़े के उपयोग से मिश्रण को संक्रमित त्वचा को धो लें ।
- फिर त्वचा को ड्राई करके, ओवर-द-काउंटर एंटीबायोटिक क्रीम लगाये।
- हल्के से गॉज की मदद से संक्रमित हिस्से को कवर करें।
- इस उपाय को संक्रमण दूर होने तक दिन में 2 या 3 बार करें।

सफेद सिरका का प्रयोग ओरल

त्वचा की चिकित्सा के लिए संक्रमित हिस्से को साफ रखने के लिए बहुत जरूरी होता है। इसे साफ करने के लिए आप पानी या एंटीबायोटिक वॉश का उपयोग कर सकते हैं। आप सफेद सिरके के इस्तेमाल से खुद का एंटीबायोटिक मिश्रण तैयार कर सकते हैं। यह संक्रमण को फैलने से रोकने के साथ संक्रमित हिस्से को सूखने में मदद करता है।

टी ट्री तेल: टी ट्री ऑयल इस बैक्टीरिया के संक्रमण को फैलने से रोकता हैं। यह तेल मजबूत एंटी-माइक्रोबील और एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुणों से भरपूर होता है जो संक्रमण से लड़ने और लक्षणों से राहत देने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका : टी ट्री ऑयल ऑयल की कुछ बूंदों को एक चम्मच ऑलिव ऑयल में मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लें। इसे 20 से 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से साफ कर लें। कुछ दिनों तक इस उपाय को नियमित रूप से 2 से 3 बार करें। वैकल्पिक रूप से, गुनगुने पानी के एक छोटे से टब में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदे मिलाये। इस मिश्रण से प्रभावित हिस्से को दिन में कई बार धोने में प्रयोग करें।

अंगूर बीज का सत्त: अंगूर बीज का सत्त इम्पेटिगो के इलाज में कारगर है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण एक गैर विषैले कीटाणुनाशक के रूप में काम करता है।

इस्तेमाल का तरीका : अंगूर के बीज के सत्त में कुछ बूंदे 2 बड़े चम्मच पानी में मिलाएं। फिर इसे कॉटन बॉल की मदद से संक्रमित त्वचा पर दिन में 2 या 3 बार लगाएं। हो सकता है कि शुरुआत में आपको खुजली हो लेकिन इससे संक्रमण जल्द ही ठीक हो जायेगा।

प्रभावी उपाय लहसुन: लहसुन में मौजूद प्राकृतिक एंटीबायोटिक गुण बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते है। साथ ही यह खुजली और दर्द से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका : 2 चम्मच तिल के तेल में लहसुन की 2 से 3 कली कुचलकर जला लें। फिर इसे तेल को ठंडा होने दें। कुछ दिनों के लिए इसे नियमित रूप से प्रभावित त्वचा पर दिन में दो बार लगाएं। आप चाहे तो इसमें कच्चे लहसुन की कुछ कली को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2587

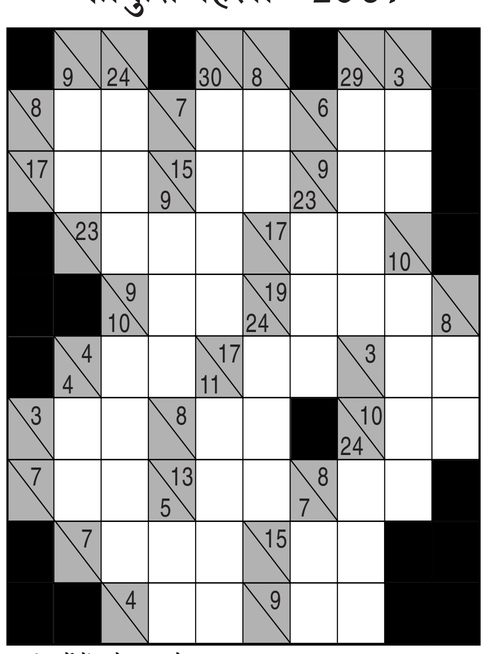

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2586 का हल

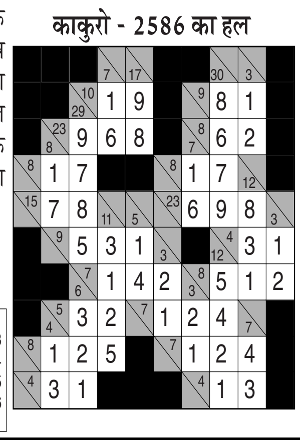

लॉफिंग ज़ोन

सड़क पर एक आदमी बेहोश होकर गिर गया, तो चारों ओर भीड़ लग गई. एक साहब चिल्लाए, अरे इसके मुंह मे थोड़ी-सी ब्रांडी डाल दो.

उन्होंने अपनी बात दो-तीन बार दोहराई, लेकिन शोरगुल में आवाज दब गई. थोड़ी देर बाद बेहोश होकर गिरने वाला आदमी उठा और यह कहकर फिर गिर गया कि अरे कोई उसकी बात भी सुन लो जो ब्रांडी पिलाने की बात कह रहा था.

☺ ☺ ☺

एक नेता को फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच में आमंत्रित किया गया. बाद में विजेता टीम को पुरस्कार देने के बाद उन्होंने अपने छोटे से भाषण में कहा- 'बड़े अफसोस की बात है कि इतने बड़े देश में इतनी सारी टीम होते हुए भी फाइनल में एक ही टीम पहुंच सकी. हम खेल के स्तर मे सुधार की कोशिश करेंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा टीम फाइनल में पहुंच सके.

☺ ☺ ☺

फिल्म की शूटिंग चल रही थी. जंगल का दृश्य था. निर्देशक ने अभिनेता से कहा- देखो, यह चीता पलटकर तुम्हारी ओर झपटेगा, तुम्हें तुरंत जीप से कूदकर उससे भिड़ जाना है. समझ गए न?

'हां, मै तो समझ गया', अभिनेता ने मुस्कराते हुए कहा- पर क्या चीता समझ गया है कि उसे क्या करना है?

फिल्म वर्ग पहेली- 2587

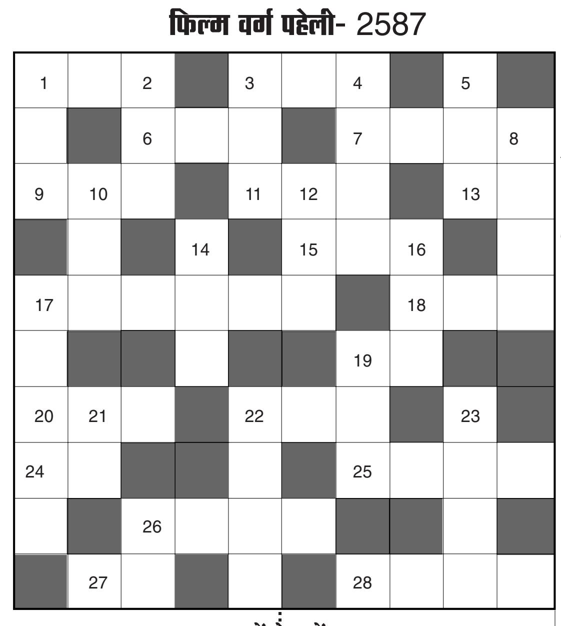

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2586

प	र	दे	स	■	शा	ली	मा	र	■
हे	■	व	र	दा	न	■	सु	■	ही
ली	ड	र	■	न	■	ओ	म	का	र
■	र	■	शि	व	र	म	■	पों	■
जु	■	दा	वा	■	ज	■	फ	रे	ब
बै	र	ग	■	चा	ह	त	■	ट	■
दा	■	■	शि	■	ठ	■	दा	■	अ
■	स	त्य	का	म	■	श	मा	■	न
दौ	ड़	■	र	जा	मु	र	द	■	क
■	क	र्ज	■	ल	■	बी	■	जू	ही

सूडोकु -2587

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2586 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 2587

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -2586 का हल

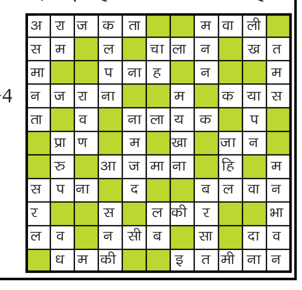

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक लाख के इनामी सहित सात नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षाबलों ने बासागुड़ा और मोदकपाल में अलग-अलग कार्रवाई करते हुए एक लाख रुपये के इनामी नक्सली समेत सात सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से विस्फोटक, बिजली का तार, कार्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, पावर सोर्स बैटरी, जमीन खोदने के औजार और प्रतिबंधित नक्सली संगठन के शासन विरोधी प्रचार-प्रसार की सामग्री बरामद की गई है। बीजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार नक्सलियों में मोदकपाल थाना क्षेत्र के आरपीसी मिलिशिया कमांडर, गुड्डू कुड़ामी उर्फ पोकड़ी (26 वर्ष), निवासी पंगुड़ पर एक लाख का इनाम घोषित था। वहीं बासागुड़ा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान मिलिशिया सदस्य, इरपा कोसा (23 वर्ष), आरपीसी कृषि शाखा सदस्य, रेंगो पिड़िया (उम्र 40 वर्ष), मिलिशिया सदस्य, सन्ना कारम (उम्र 20 वर्ष), सीएनएम सदस्य, कोसा उर्फ राजू (28 वर्ष), मिलिशिया सदस्य, रेंगो गुड्डा (उम्र 32 वर्ष), एवं मिलिशिया सदस्य, जोगो हेमला (उम्र 32 वर्ष) रूप में हुई है। सभी गिरफ्तार नक्सलियों को आज शनिवार न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

देहरादून में अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड में ऑपरेशन कालनेमि के तहत पुलिस ढोंगियों के खिलाफ अभियान चला रही है। पुलिस और खुफिया विभाग,एसओजी की संयुक्त अभियान के दौरान देहरादून में अवैध रूप से निवास कर रही दो बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आज जनपद देहरादून के कोतवाली पटेलनगर क्षेत्रान्तर्गत स्थानीय पुलिस, एलआईयू और एसओजी की संयुक्त टीम की ओर से चेकिंग और सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दरम्यान पूजा विहार चन्द्रबनी क्षेत्र से 02 संदिग्ध महिलाएं मिली, जिनसे गहनता से पूछताछ करने और तलाशी लेने पर दोनों महिलाओं का बाल्गादेश की नागरिक होना प्रकाश में आया। दोनों महिलाओं की ओर से अवैध रूप से पश्चिमी बंगाल बार्डर से भारतीय सीमा में अवैध रूप से घुसपैठ करना स्वीकार किया गया। दोनों महिलाओं के पास से उनके बांग्लादेशी परिचय पत्र व परिवार रजिस्टर का विवरण बरामद किया गया, जिसके आधार पर दोनों अवैध बाल्गादेशी महिलाओं को नियमानुसार बाल्गादेश डिपोर्ट करने के संबंध में वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। आपरेशन कालनेमि के अन्तर्गत एसएसपी देहरादून अजय सिंह के निर्देशों पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए पूर्व में भी देहरादून में अवैध रूप से निवास कर रहे 05 बाल्गादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया गया ।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में आठ लाख का इनामी नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के काकेकोरमा के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में आठ लाख का इनामी नक्सली मारा गया, जिसकी पहचान सुकमा जिले के चिंतागुफा के एंटापाट निवासी अरुण मड़काम (35 वर्ष) के रूप में हुई है। अरुण मड़काम नक्सल संगठन में सीवायपीसी (डीव्हीसीएम) मिलिट्री कंपनी नम्बर-2 के पद पर सक्रिय था। जवानों ने घटना स्थल से 12 बोर बंदूक, बीजीएल लांचर, विस्फोटक सामग्री, स्कैनर सेट, सोलर प्लेट, नक्सली साहित्य, दवाइयां और नक्सल सामग्री बरामद किया है। बीजापुर एसपी जितेन्द्र यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सल गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना पर डीआरजी, एटीएफ और कोबरा-202 की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन पर रवाना किया गया था। इसी दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई, जिसमें एक इनामी नक्सली अरुण मड़काम मारा गया। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024 में मिली निर्णायक बढ़त को आगे बढ़ाते हुए साल 2025 में भी नक्सल विरोधी अभियान लगातार तेज है। जनवरी 2024 से अब तक सुरक्षा बलों ने 432 हार्डकोर नक्सलियों को ढेर किया है।

बांकेबिहारी मंदिर में वीआईपी पर्ची से दर्शन व्यवस्था होगी बंद, रेलिंग से होगा दर्शनार्थियों का प्रवेश

मथुरा। वृंदावन के ठा. श्री बांके बिहारी मन्दिर में वीआईपी पर्ची से दर्शन की व्यवस्था बंद कर दी जाएगी। सभी श्रद्धालुओं को रेलिंग में होलाइन से दर्शन करने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही सेवायतों के साथ मंदिर में सेवकों की संख्या भी नियंत्रित की जाएगी। यह निर्णय बिहारी मन्दिरकी हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी ने लिया है। बांके बिहारी मंदिर के प्रांगण में हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की बैठक हुई। बैठक में अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार, सदस्य सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकेश मिश्रा, सदस्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार, सदस्य सचिव जिलाधिकारी मथुरा चन्द्र प्रकाश सिंह, सदस्य राजभोग सेवाधिकारी शैलेन्द्र गोस्वामी व श्रीवर्धन गोस्वामी, राजभोग सेवाधिकारी दिनेश कुमार गोस्वामी मौजूद रहे। बैठक में कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार ने अवगत कराया कि कमेटी ने मंदिर के आसपास विभिन्न गलियों में कई प्वाइंटों का निरीक्षण किया तथा खामियों को दूर करने की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रवेश के लिए दो द्वार है। गेट नंबर 2 एवं गेट नंबर 3 से श्रद्धालु प्रवेश करते है।

फोरेंसिक पहचान प्रणाली को मज़बूत करने के लिए 'राष्ट्रीय दंत रजिस्ट्री' की आवश्यकताः डॉ. जे.एम. व्यास

एजेंसी

गांधीनगर। 22वां राष्ट्रीय और दूसरा अंतरराष्ट्रीय भारतीय फोरेंसिक दंत चिकित्सा सम्मेलन (IAFO-CON-25) राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर में शुरू हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा ने अपने संबोधन में कहा कि दंत चिकित्सा केवल मुस्कान के लिए नहीं है बल्कि फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी के माध्यम से न्याय और मानवीय गरिमा को बहाल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निर्भया, निठारी और हाल ही में हुए अहमदाबाद विमान दुर्घटना जैसे मामलों में, दंत चिकित्सा ने अज्ञात पीड़ितों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जब कानून और दंत चिकित्सा का मेल होता है, तो सबसे भयावह त्रासदियों में भी सच्चाई

सामने आ सकती है। उन्होंने शोधकर्ताओं से मानवता की सेवा के रूप में फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी में सटीकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सटीक दंत चिकित्सा रिकॉर्ड आवश्यक हैं और चिकित्सा समुदाय द्वारा उनका सावधानीपूर्वक रखरखाव किया जाना चाहिए। एनएफएसयू के कुलपति, पद्मश्री से सम्मानित डॉ. जे.एम. व्यास ने अपने संबोधन में मानव पहचान के लिए प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट विशेषताओं - बाल और रक्त से लेकर आवाज़ और दांतों तक- के महत्व को समझाया। उन्होंने एक राष्ट्रीय दंत रजिस्ट्री की स्थापना की वकालत की, जो राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के सहयोग से आपदा प्रबंधन में मानव पहचान के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

उन्होंने कहा कि जहां ओडोन्टोलॉजी उम्र और लिंग का निर्धारण करने में अत्यंत उपयोगी है, वहीं एनएफएसयू चिकित्सा-कानूनी विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस परिवर्तनकारी चुनौती का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। ओस्लो-नॉर्वे विश्वविद्यालय की डॉ. सिग्रिड क्वाल ने ओडोन्टोलॉजी के विकास पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पल्प-टूथ अनुपात विधि से लेकर एमआरआई और एआई का उपयोग करके उन्नत तकनीक तक, दंत आयु निर्धारण के विकास पर जानकारी दी।

सीबीआई ने नासिक में दो फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़, दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नासिक। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नासिक में दो फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए साइबर ठगी के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई की गिरफ्त में आए आरोपितों की पहचान गणेश और श्याम कमांकर के रूप में हुई है। दोनों को 13 सितंबर को विशेष सीबीआई अदालत, ठाणे में पेश किया गया, जहां से उन्हें 15 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया। प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने एम/एस स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ये कॉल सेंटर संचालित किए थे। यहां से ब्रिटेन के नागरिकों को बीमा एजेंट और सरकारी अधिकारी बनकर फोन किया जाता था और उन्हें फर्जी बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगा जाता था। प्रवक्ता के अनुसार, इन कॉल सेंटरों में करीब 60 लोग काम कर रहे थे। वे वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वीओआईपी), स्पूफ्ड नंबर (वह फोन नंबर जो कॉल करने वाले व्यक्ति की असली पहचान छुपाने के लिए कॉलर आईडी पर बदल दिया गया हो) और नकली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल कर पीड़ितों से क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी हासिल करते और पैसे वसूलते थे। सीबीआई ने 11 सितंबर को चार लोगों और अज्ञात सार्वजनिक सेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके बाद नासिक और कल्याण (ठाणे) में तलाशी के दौरान डिजिटल सबूत, पीड़ितों का डेटा, फर्जी बीमा स्क्रिप्ट, आठ मोबाइल फोन, आठ कंप्यूटर और पांच लाख रुपये नकद बरामद किए गए थे। अपराध से हुई कमाई पेपाल और बैंक खातों के जरिए घुमाई जाती थी। सीबीआई की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू में बाढ़ प्रभावित गांवों का किया दौरा

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू की बजालता और परगलता पंचायतों में आने वाले बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ और भूस्खलन के कारण आवासीय घरों और पुलों को हुए नुकसान का आकलन किया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि हाल ही में आई बाढ़ के अनुभव के आधार पर क्षतिग्रस्त संरचनाओं का बेहतर मानकों के साथ पुनर्निर्माण किया जाएगा, ताकि भविष्य में आपदा आने पर ये संरचनाएं उसका सामना करने में सक्षम हों। केंद्रीय मंत्री अपने संसदीय क्षेत्र उधमपुर और जम्मू-कश्मीर के अन्य प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं। किश्तवाड़ के चशोती से लेकर कठुआ और सांबा में भारत-पाक सीमा पर जीरो लाइन तक आपदा प्रभावित लोगों से मिल रहे हैं।

उन्होंने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की, जो कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़कों के धंसने के कारण 10 दिनों से अधिक समय से बंद है। स्थानीय विधायक युद्धवीर सेठी और अन्य अधिकारियों के साथ केंद्रीय के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत पुनर्निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री ने प्रभावित

मंत्री ने जम्मू पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बैन बजालता, तूतन दी खुई, अनथन, बदून, खाना शरगल और चलनी में बाढ़ के पानी से सबसे अधिक प्रभावित स्थलों का दौरा किया। उन्होंने सड़क एवं भवन निर्माण तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सहित विभिन्न विभागों परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति बहाल करने के लिए काम चल रहा है। बाद में उन्होंने परगलता पंचायत के अंतर्गत प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और बाढ़ से सार्वजनिक संपत्ति और दुकानों को हुए नुकसान का जायजा लिया।

महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार लेने को गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुंबई पहुंचे

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए रविवार को मुंबई तक रेल से यात्रा की। इस यात्रा में लेडी गवर्नर दर्शना देवी भी उनके साथ थीं। राज्यपाल आचार्य ने हवाई यात्रा के स्थान पर रेल यात्रा को प्राथमिकता देते हुए आज अहमदाबाद से मुंबई तक की तेजस एक्सप्रेस ट्रेन से मुंबई पहुंचे। राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि ट्रेन के निर्धारित समय से पहले ही राज्यपाल गांधीनगर राजभवन से अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए थे। सुबह के समय अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर गुजरात के राज्यपाल के आगमन की खबर पाकर यात्री भी आश्चर्यचकित हो गए। दूसरी ओर रेलवे के उच्च अधिकारियों ने भी राज्यपाल और लेडी गवर्नर का स्वागत करते हुए यात्रा के लिए उनका अभिनंदन किया। जब राज्यपाल ने अहमदाबाद से मुंबई जाने वाली तेजस एक्सप्रेस ट्रेन में अपनी सीट ग्रहण की तो उस कोच में यात्रा कर रहे अन्य यात्रियों में भी उत्सुकता का माहौल बन गया। राज्यपाल ने विनम्र भाव से सभी यात्रियों का

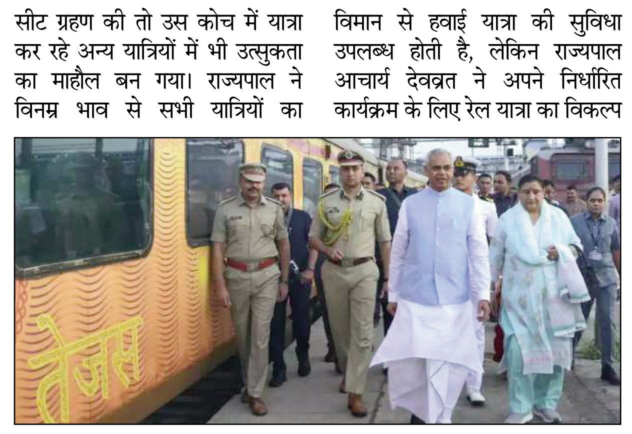

अभिवादन स्वीकार किया और उनसे सहज संवाद भी किया।अहमदाबाद से मुंबई तक की यात्रा के दौरान राज्यपाल ने यात्रियों से भारतीय संस्कृति, प्राकृतिक खेती, सुविधाजनक रेल यात्रा, व्यक्तित्व विकास जैसे विषयों पर सामान्य चर्चा की। यात्रियों ने भी इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए मोबाइल पर राज्यपाल के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। राज्यपालों के लिए विशेष विमान से हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध होती है, लेकिन राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के लिए रेल यात्रा का विकल्प चुना और एक सामान्य यात्री की तरह अहमदाबाद से मुंबई तक यात्रा की। इससे ट्रेन के अन्य यात्रियों को आश्चर्य के साथ-साथ प्रसन्नता का अनुभव हुआ और राज्यपाल के इस सरल व्यक्तित्व से रेलयात्री प्रभावित हुए। गौरतलब है कि भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद सी. पी. राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफ़ा दे दिया था।

पीएम मित्रा पार्क से मध्य प्रदेश बनेगा देश की कॉटन कैपिटल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी अपने जन्मदिन के अवसर पर देश के पहले प्रथम पीएम मित्रा पार्क का शिलान्यास करेंगे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जैविक कपास उत्पादन में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में है। देश में जितना जैविक कपास उत्पादन होता है उसमें मध्यप्र देश का योगदान लगभग 40 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा धार जिले में प्रथम पीएम मित्रा पार्क के शिलान्यास से मध्य प्रदेश देश की कॉटन कैपिटल बन जाएगा। कपास उत्पादक किसानों का सीधा संपर्क अंतरराष्ट्रीय बाजार से हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क किसानों की मेहनत को वैश्विक पहचान दिलाने वाला ऐतिहासिक क्षण होगा। उन्होंने इसे प्रदेश के औद्योगिक भविष्य की आधारशिला और किसानों के लिए नई संभावनाओं का द्वार बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्ट से किसानों की उपज खेतों से सीधे वैश्विक बाजार तक पहुंच जाएगी। इसमें मध्य प्रदेश की कपास उत्पादक धरती सबसे महत्वपूर्ण भूमिका

निभाएगी। इस पार्क से कपास उत्पादक किसानों की समृद्धि के नये द्वार खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं का जीवन बदलने वाली औद्योगिक परियोजना है। कपास उत्पादक किसान अब सीधे कपास आधारित उद्योगों से जुड़ जायेंगे, जिससे मध्यप्रदेश का कपास केवल फसल न रहकर प्रदेश की औद्योगिक पहचान बनेगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश कपास उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश के मालवा अंचल के जिलों में सबसे ज्यादा कपास उत्पादन होता है। इनमें प्रमुख रूप से इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खरगोन, बड़वानी, खण्डवा और बुरहानपुर शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों में कपास उत्पादन की स्थ?ति अच्छी रही है। वर्ष 2022-23 में 8.78 लाख मीट्रिक टन, 2023-24 में 6.30 लाख मीट्र?क टन और 2024-25 में 5.60 लाख मीट्र?क टन कपास उत्पादन हुआ। इसके अतिरिक्त प्रदेश के अन्य जिलों में भी कपास की अच्छी फसल ली जाती है। देश में ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन में मध्य प्रदेश प्रसिद्ध? पा चुका है। यही वजह है कि वस्त्र उद्योग के लिए मध्यप्रदेश सबसे उपयुक्त राज्य साबित हुआ है। इसी पृष्ठभूमि के आधार पर धार को पीएम मित्रा पार्क की स्थापना के लिए चुना गया है। सर्व-सुविधायुक्त होगा पीएम मित्रा पार्ककरीब 2,158 एकड़ में विकसित हो रहा पार्क विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है।

जादवपुर विवि में छात्रा की मौत पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोलकाता पुलिस आयुक्त को भेजा पत्र

एजेंसी

कोलकाता। जादवपुर विश्वविद्यालय की छात्रा की मौत के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लिया है। इस संबंध में आयोग ने कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। आयोग ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उसने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। साथ ही, विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर डालने को कहा गया है। आयोग ने तीन दिनों के भीतर कोलकाता पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। घटना गुरुवार रात की है। विश्वविद्यालय के चार नंबर गेट के पास स्थित झील किनारे अचानक एक छात्रा का शव उतराता हुआ मिला था। मृत छात्रा की पहचान अनामिका मंडल के रूप में हुई, जो जादवपुर विश्वविद्यालय की स्नातक स्तर की तृतीय वर्ष की छात्रा थी। छात्रों के मुताबिक, उस दिन ड्रामा क्लब द्वारा पार्की लॉट के सामने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अनामिका भी उसमें शामिल हुई थीं। रात करीब 9ः55 बजे वह शौचालय जाने के लिए उठीं, लेकिन उसके बाद अचानक गायब हो गईं। कुछ देर बाद उनका शव झील में पाया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई, जिसमें किसी तरह के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मौत डूबने से हुई है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

हिंदू समाज के समक्ष अनेक चुनौतियां, हमें नहीं होना है निराश : मिलिंद परांडे

एजेंसी

प्रयागराज। हिंदू समाज के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं, जिसका विचार हिंदू समाज को करना है। हमें निराश नहीं होना है। यह बात विश्व हिंदू परिषद के प्रबुद्ध सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में संगठन के केंद्रीय महामंत्री संगठन मिलिंद परांडे ने कही। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं, जिसका विचार हिंदू समाज को करना है। पिछले 1500 वर्षों में इस समय की स्थिति सबसे अनुकूल कालखंड के रूप में मानी जा रही है। देश और हिंदू समाज का चिंतन पूरी दुनिया में हमें गौरवान्वित करेगा। 1000 वर्षों के संघर्ष राजनीतिक गुलामी के बाद आजादी के 75 वर्ष बाद भी हम आज प्रगति के रूप में आगे बढ़ रहे हैं। 16वीं शताब्दी के बाद आज हम 33 प्रतिशत अपनी प्रगति प्राप्त किए हैं। भारतीय स्वाधीनता के बाद आज कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं यह भी कह रही हैं कि 10 वर्षों में 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर हुए हैं। आज कहीं न कहीं हमारे समक्ष चुनौतियों के रूप में हमारी जमीन नष्ट करने, हमें न्यूक्लियर एनर्जी ना प्राप्त होने, मिसाइल न बनाने जैसे मार्गो में रोड़े अटकाए गए। आज कहीं न कहीं एक बड़ी श्रम शक्ति के रूप में भारत

की स्थिति है। तंत्रज्ञान में लगभग 3:30 करोड़ और श्रम शक्ति में 80 करोड़ हमारी स्थिति है। जाति मत पंथ सम्प्रदाय से ऊपर रखना होगा हिन्दुत्व उन्होंने बताया कि हमें जाति मत पंथ सम्प्रदाय से ऊपर हिंदुत्व को रखना होगा। हमें अपने परिवारों में भी प्रबोधन करना होगा। हम परिवार में पैसे और करियर की बातें करते हैं लेकिन आत्म सम्मान स्वाभिमान संस्कृति की चर्चा नहीं करते। आज हमारे परिवारों में संख्याएं कम हो रही हैं । उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाज को गौ रक्षा हिंदू मंदिरों के सरकारी नियंत्रण जैसे विषयों पर आगे आना होगा। उत्तर प्रदेश एक ऐसा राज्य है जहां केवल एक ही मंदिर सरकारी अधिग्रहण में है। संगठन के प्रयास से पूज्य संतों के मार्गदर्शन में हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त और हिंदू समाज का जो अपने धर्म और संस्कृति के सहयोग के लिए जो अर्पण किए हुए धन का उपयोग हिंदू अस्मिता के जागरण में हो। श्री राम जन्मभूमि का कार्य भी श्रेष्ठ कार्य हुआ।

केन्द्रीय मंत्री मेघवाल इंदौर के मृगनयनी एम्पोरियम पहुंचे, दो खादी की जैकेट खरीदी

इंदौर। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मध्य प्रदेश के इंदौर पहुंचे और यहां कृष्णपुरा स्थित मृगनयनी मध्य प्रदेश एम्पोरियम का दौरा किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री मेघवाल द्वारा मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के तारतम्य में मृगनयनी मध्यप्रदेश एम्पोरियम (मध्य प्रदेश शासन का उपक्रम) से दो खादी की

जैकेट भी क्रय की। उनके द्वारा यूपीआई के माध्यम से भुगतान किया गया। मृगनयनी एम्पोरियम के प्रबंधक राहुल जगताप ने बताया कि केन्द्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने मृगनयनी द्वारा विक्रय की जा रही हैंडलूम -हैंडीक्राफ्ट सामग्री की सराहना की। साथ ही मृगनयनी स्टाफ की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी।

भारतीय भाषाएं ही देश की एकता की सशक्त कड़ीः मनोज सिन्हा

एजेंसी

वाराणसी। भाषावार प्रांतों में विभाजित होने के बावजूद भारत की आत्मा एक है। यही संदेश कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक सूत्र में पिरोने वाले भारतीय भाषा समागम 2025 में गूंजा। समागम में जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की आत्मा है। भारतीय भाषाएं ही देश की एकता की सशक्त कड़ी हैं, जो हमें विविधता में भी एकता का बोध कराती हैं। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी काशी (वाराणसी) में समूह की ओर से महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में भारतीय भाषा समागम 2025 का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय 'पंच प्रण : स्वभाषा और विकसित भारत' रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। आयोजन में देशभर की भाषाओं, बोलियों और लोक संस्कृतियों की रंगारंग छटा दिखी। समागम में 22 भारतीय भाषाओं के विद्वानों को भारतीय भाषा सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दुस्थान समाचार समूह के अध्यक्ष अरविंद भालचंद्र मार्डीकर ने की। संचालन

के सम्पादक जितेंद्र तिवारी ने किया। स्वागत निदेशक प्रदीप मधोक 'बाबा' ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना की आत्मा है। भारतीय भाषाएं ही देश की एकता की सशक्त कड़ी हैं, जो हमें विविधता में भी एकता का बोध कराती हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत की जड़ें वेदों और पुराणों में निहित हैं, जिनका उद्गमस्थान (वाराणसी) मानी जाती है। काशी को वेदों और पुराणों के अनुसार धरती का पहला और अंतिम नगर कहा गया है, जहां से भारतीय भाषाओं की आवाज पूरे देश में गूंजती रही है। इस समागम का उद्देश्य देश की भाषाई विविधता को सम्मान देना और नई पीढ़ी को अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव बोध कराना है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिए गए 'पंच प्रण' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्वभाषा के प्रति गर्व और उसका व्यापक उपयोग है। किसी भी राष्ट्र की आत्मा उसकी मातृभाषा में बसती है। जब तक हम अपनी मातृभाषाओं को सम्मान और प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। भारतीय भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, ज्ञान और पहचान का प्रतीक हैं। आज आवश्यकता है कि युवा वर्ग तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी मातृभाषा में भी निपुण बनें। जम्मू-कश्मीर ही नहीं, पूरे भारत में हम देख रहे हैं कि मातृभाषा के उपयोग से प्रशासन और शिक्षा दोनों में पारदर्शिता और सहजता बढ़ रही है। आने वाले समय में स्वभाषा ही हमें आत्मनिर्भर और आत्मगौरव से परिपूर्ण बनाएगी। मैं हिंदुस्तान समाचार समूह को इस सार्थक पहल के लिए बधाई देता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि स्वभाषा के मार्ग पर चलकर ही हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेंगे। वाराणसी शहर दक्षिणी के विधायक नीलकंठ तिवारी ने राष्ट्र, समाज और शिक्षा के मूल्यों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद अनेक आंदोलनों और बलिदानों से लोकतंत्र और शांति की नींव पड़ी।

मोदी सरकार इस संकट की घड़ी में जम्मू-कश्मीर की जनता के साथ खड़ी है : केंद्रीय मंत्री निमुबेन

एजेंसी

गांधीनगर। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री, निमुबेन जयंतिभाई बांभणिया ने अपने दो दिवसीय जम्मू प्रवास के दूसरे दिन आज जम्मू के नई बस्ती के बाढ़ प्रभावित हिस्सों का दौरा किया और हाल ही में हुई भारी वर्षा से आवासीय मकानों और कृषि भूमि को हुए नुकसान का जायज़ा लिया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण किया और महिलाओं सहित पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इसके अलावा मंत्री ने अखनूर के पर्गवाल सीमा क्षेत्रों का भी दौरा किया और वर्षा से उत्पन्न अचानक आई बाढ़ से सार्वजनिक संपत्ति, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य संरचनाओं को हुए नुकसान का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में जम्मू-कश्मीर की जनता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, ÷मोदी सरकार हाल की बाढ़ से हुई जनहानि और संपत्ति की हानि से भलीभांति अवगत है और प्रभावित लोगों की पीड़ा को समझती है।÷ मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास है कि हाल की बाढ़ से प्रभावित लोगों तक सीधे पहुंचा जाए और उनके मार्गदर्शन के अनुसार केंद्र सरकार के मंत्री हर प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं, ताकि ज़मीनी हकीकत को समझा जा सके, नुकसानों का आकलन किया जा सके और प्रभावितों को त्वरित राहत एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। मंत्री ने कहा कि वह लोगों के दुःख और पीड़ा में साझेदार हैं और उनका उद्देश्य उन्हें हिम्मत और संबल प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि लोगों की अपेक्षाएं और विश्वास मोदी सरकार में है और सरकार प्रभावित परिवारों को समय पर राहत और पुनर्वास प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अखनूर के पर्गवाल जैसे अति संवेदनशील सीमा क्षेत्र की जनता के साहस और धैर्य की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के लोग एक ओर सीमा पार से होने वाली गोलाबारी और दूसरी ओर चिनाब नदी से होने वाली बार-बार की बाढ़ जैसी दोहरी चुनौतियों का सामना करते हैं। लेकिन यहाँ की जनता का संकल्प और सरकार में उनका विश्वास ही है कि वे इन कठिन परिस्थितियों में भी डटे रहते हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ जवानों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इनकी वजह से ही तमाम चुनौतियों के बावजूद यहाँ सामान्य स्थिति बनाए रखने में मदद मिलती है। मंत्री ने जानकारी दी कि अपने दो दिवसीय जम्मू दौरे के दौरान उन्होंने सांबा जिले के सुम्भ, जम्मू की नई बस्ती और अखनूर के पर्गवाल जैसे अति संवेदनशील सीमा क्षेत्रों में बाढ़ से हुई क्षति का जायज़ा लिया।

एशिया कप में आज होगा यूएई और ओमान का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम का सामना ग्रुप ए मुकाबले में ओमान से होगा। इस मैच में यूएई की टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि उसके अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं ओमान की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में उतरेगी। दोनों ही टीमें अपने-अपने शुरुआती मुकाबले हारी हैं। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। यूएई की टीम का प्रदर्शन अपने पहले मैच में अच्छा नहीं रहा और उसे भारतीय गेंदबाजों ने 57 रनों पर ही समेट दिया था। इसी प्रकार ओमान की टीम भी . पाकिस्तान के खिलाफ 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 67 रन ही बना पायी थी।

यूएई के मुख्य कोच लालचंद राजपूत को उम्मीद है कि उनकी टीम ओमान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि टीम को जीत दिलाने कप्तान मुहम्मद वसीम, अलीशान शराफू, राहुल चोपड़ा और आसिफ खान जैसे बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

ओमान के शाह फैसल और आमिर कलीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए थे। टीम के खिलाड़ियों के पास ये अपने को साबित करने का बड़ा अवसर है। टीम के बेहतर प्रदर्शन की जिम्मेदारी भारतीय मूल के कप्तान जतिंदर सिंह पर रहेगी।

यूएई और ओमान दोनों ही एसोसिएट टीमें होने के कारण बराबर की टक्कर होगी। इसमें मेजबान यूएई के पास घरेलू हालातों से लाभ उठाने का अवसर है। वहीं ओमान की टीम अपनी फिटनेस और फील्डिंग के बल पर मुकाबले में हावी होना चाहेगी। दोनो ही टीमें इस प्रकार है -

यूएई: मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अयाँश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूज़ा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान।

श्रेयस की कप्तानी में 16 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

लखनऊ (एजेंसी)। यहां के इकाना स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच इसी माह में दो चार दिवसीय क्रिकेट मुकाबले खेले जाएंगे। इसका पहला मुकाबला 16 सितंबर से शुरु होगा। इन मुकाबलों के लिए इकाना स्टेडियम तैयार है। इन मैचों में भारत ए की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी। इन मैचों में शामिल खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगे। इसमें श्रेयस के अलावा मोहम्मद सिराज और के एल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

भारत की ए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। दोनों ही टीमों में शामिल कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में रहे हैं, जिससे इस सीरीज में शीर्ष स्तर का क्रिकेट देखने को मिलेगा। ऐसे में ये सीरीज क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक शानदार अनुभव होगी

यह सीरीज न केवल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका है, बल्कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए भी एक अवसर है कि वे भविष्य की भारतीय टीम के लिए नए सितारों की खोज कर सकें। श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबले राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह बना सकते हैं पर इसके लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत ए टीम

इस टीम के ऐलान के बाद ये भी रेखांकित किया गया है कि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ए टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैम्पबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट

इस कारण एशिया कप के लिए दुबई नहीं गये हैं बीसीसीआई अधिकारी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने एशिया कप से दूरी बनायी हुई है। हालांकि बीसीसीआई ही इसकी मेजबानी कर रहा है। आम तौर पर मेजबान बोर्ड के बड़े अधिकारी कहीं भी टूर्नामेंट खेला जा रहा हो उसमें उपस्थित रहते हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण ही ये टूर्नामेंट यूएई में रखा है। इसके बाद भी बीसीसीआई अधिकारी वहां जाने से बच रहे हैं। इसका कारण देश भर में पाकिस्तान से खेलने का विरोध माना जा रहा है भारत में सोशल मीडिया पर इस मैच के बॉयकॉट की बातें चल रही हैं, इसके टिकटों की भी इस बार मांग नहीं रही है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई अधिकारी दुबई जाकर जानता को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते है। पहले जहां इस मैच के लिए रोमांच रहता था पर अब ऐसा नहीं है, उसके पूरे टिकट तक नहीं बिके हैं। इसके अलावा मैच को टीवी या ऑनलाइन नहीं देखने की भी अपील हो रही है।

प्रशंसकों ने पहलगाम हमले में पाक के शामिल होने के कारण इस मैच के बहिष्कार की अपील की है। सोशल मीडिया पर भी यह ट्रेंड छाया हुआ है कि जब तक पाक की ओर से सीमा पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। तब तक उसके साथ खेलने का मतलब नहीं है। इसी दबाव को देखते हुए सचिव देवजीत सैकिया और अन्य अधिकारी दुबई नहीं गये हैं। वहीं माना जा रहा है कि केवल राजीव शुक्ला ही एसीसी प्रतिनिधि के तौर पर वहां मौजूद रहेंगे। ये भी बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व नहीं माना जाएगा। इससे ये साफ है कि बोर्ड जनभावनाओं के खिलाफ कोई भी कदम नहीं उठाना चाहता है।

हांगकांग पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

दुबई (एजेंसी)। श्रीलंका की टीम सोमवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में हांगकांग के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। श्रीलंका ने पहले ही मैच में बांग्लादेश को हराया था जिससे उसके हौसले बुलंद हैं।

वहीं हांगकांग की टीम को अब तक हुए दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है हालांकि उसकी टीम का प्रदर्शन ठीक कहा जा सकता है। उस कठिन टीमों का सामना करना पड़ा है। अब उसके बल्लेबाजों को नुवान तुषारा और दुष्मंथा चमीरा जैसे तेज गेंदबाजों और रहस्यमयी स्पिनर वानिन्दु हसरंगा का मुकाबला करना होगा। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ मथीशा पथिराना पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और अब वह इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिल पर रहेगी। वहीं हांगकांग में कुछ एक ही बल्लेबाज अच्छे हैं। उसके बल्लेबाज यासिम मुर्तजा, जीशान अली और अंशुमान रथ किसी प्रकार श्रीलंकाई आक्रमण का सामना करते हैं ये देखना होगा।

बांग्लादेश से हार के बाद मुर्तजा ने कहा था कि हमें अच्छी बल्लेबाज करनी चाहिये थी जिसमें हम असफल रहे। ऐसे में अब वह श्रीलंका के खिलाफ बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं सलामी बल्लेबाज जीशान और अंशुमान पर पावरप्ले में अधिक से अधिक रन बटोरने की जिम्मेदारी रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो हांगकांग की राह बेहद कठिन है क्योंकि श्रीलंकाई टीम उससे हर मामले में काफी आगे है। ऐसे में अधिक अनुभवी इस टीम के खिलाफ उसके खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिन्दु हसरंगा, दुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

हांगकांग: यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निज़ाकत खान, नसरुल्ला राणा, मार्टिन कोएट्ज़ी, अंशुमन रथ, कल्हण चल्लू, आयुष शुक्ला, ऐजाज खान, अतीक इकबाल, किंचित शाह, आदिल महमूद, हारून अरशद, अली हसन, शाहिद वासिफ, मोहम्मद गजनफर, मोहम्मद वहीद, अनस खान, एहसान खान.

अब भारतीय हॉकी टीम को विश्वकप में जीत दिलाना चाहते हैं अभिषेक

नई दिल्ली ।भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड अभिषेक नैन ने हाल ही में एशिया कप हॉकी में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी ।इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले साल नीदरलैंड तथा बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है ।अब अभिषेक का कहना कि वह टीम को विश्व कप में जीत दिलाना चाहते हैं ।उनका कहना है कि इस टीम में जीत दर्ज करने की पूरी क्षमताएं हैं ।उन्होंने कहा, 'हमने 50 साल से विश्व कप नहीं जीता और मुझे लगता है कि यह टीम जीत सकती है क्योंकि हम शीर्ष टीमों को हरा चुके हैं ।हमें बस निरंतरता पर काम करना होगा क्योंकि किसी मैच में तो हम बहुत अच्छा खेलते हैं तो किसी में खराब भी हो जाता है ।उन्होंने कहा, 'हमें डीप डिफेंस और सर्कल के भीतर फिनिशंग पर थोड़ा और काम करना होगा ।अपने खेल की बात करूं तो मुझे अपने बेसिक्स को बेहतर करना होगा ।उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी के स्वर्णिम दौर को लौटाने के लिये इस टीम को जीत की आदत डालनी होगी ।उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि 1975 से पहले वाला हमारा स्वर्णिम दौर वापिस लौटे जब हमने ओलंपिक में इतने पदक जीते ।मैं चाहता हूं कि हर बड़े टूर्नामेंट में हम देश के लिए पदक जीते ।पदक जीतने की हमें आदत पड़ जानी चाहिए ।हम उस दिशा में आगे बढ रहे हैं ।दो ओलंपिक में कांस्य जीत चुके हैं लेकिन अब हमें पदक का रंग बदलना होगा ।उन्होंने कहा, 'अब हमे विश्व कप की तैयारी के लिए लंबा समय मिल गया है ।अपनी बात करूं तो मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है जो आगामी टूर्नामेंटों और विश्व कप में काफी काम आएगा ।अभिषेक ने कहा कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा पुर्तगाल के महान फुटबॉलर रोनाल्डो से मिली है ।

पाक के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने भारतीय बोर्ड की रोटेशन प्रणाली को सराहा

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने कहा है कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड अपने खिलाड़ियों की देखभाल कर रहा है ।उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है ।गुल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में कार्यभार प्रबंधन काफी अच्छे तरीके से किया है ।वहीं कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को भी इससे सीख लेनी चाहिये ।उसे भी भारतीय बोर्ड की तरह ही रोटेशन नीति अपनानी चाहिये ।पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज कहा कि भारतीय बोर्ड ने रोटेशन नीति से बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम स्तर तक लाने के प्रयास किये हैं ।इसी कारण चोट के बाद वापसी के बाद भी बुमराह पहले की तरह ही तेज गेंदबाजी कर रहे हैं ।वहीं गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में स्थापित खिलाड़ियों में भी जगह को लेकर असुरक्षा की भावना है, जिसके कारण वे पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी मैच खेलते हैं ।उन्होंने कहा , हमारी व्यवस्था में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी अपनी फिटनेस बताने में डरता था ।अगर वह 70-80 फीसदी भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं ।ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसकी जगह चली जाती क्योंकि रोटेशन नीति हमारी बोर्ड की संस्कृति में नहीं है ।हम केवल उस समय का प्रदर्शन देखते हैं ।

धोती-कुर्ते वाले लुक में नजर आये गांगुली

कोलकाता ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक नये लुक में नजर आये हैं ।प्रिंस ऑफ कोलकाता के नाम से लोकप्रिय गांगुली अपने नाम के अनुसार शाही अंदाज वाले एथनिक लुक में नजर आने आये हैं, जिसके बाद से ही प्रशंसकों ने उनके लुक को सराहा है ।इस ट्रेंडिंग फोटोशूट में गांगुली अपने बोर्डरूम ब्लेजर की जगह ही बारीक डिजाइन वाले धोती-कुर्ते पहने दिखे। इससे वह शोस्टॉपर नजर आ रहे थे। इससे सोशल मीडिया पर उनकी जमकर प्रशंसा की गयी है। एक प्रशंसक ने खुशी से कहा, गांगुली मैच और दिल दोनों ही बराबर जीत सकते हैं, जबकि दूसरे ने उन्हें बेहतरीन स्टाइल दादा बताया। वहीं एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हो रहा है? त्योहारों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में कई लोग अनुमान लगा रहे हैं कि यह शूट किसी ब्रांड अभियान का हिस्सा हो सकता है ।एक बात तो तय है कि गांगुली अपने को नए अंदाज में दिखाना पसंद करते हैं ।लॉर्ड्स में अपनी जर्सी लहराने से लेकर धोती पहनकर देसी अंदाज में दादा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह फैशन से बाहर नहीं हो सकते ।गौरतलब है कि गांगुली को भारत के सबसे प्रभावशाली क्रिकेट कप्तानों में से एक माना जाता है ।साल 2000 से 2005 के बीच उनकी कप्तानी में भारतीय टीम एक नये रुप में नजर आयी ।उनकी कप्तानी में टीम आक्रामक होकर उभरी। भारतीय टीम साल 2003 के आईसीसी विश्व कप के फाइनल में पहुंची और उसने विदेशों में बेहतरीन टेस्ट जीत हासिल की। साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली पहले बंगाल और उसके बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बने ।इसके अलावा भी उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं ।

सात्विक-चिराग और लक्ष्य हांगकांग ओपन के फाइनल में हारे

हांगकांग (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेन आज हांगकांग ओपन के फाइनल में हार गए और उन्हें उपविजेता रहकर संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी फाइनल में जीत के करीब पहुंच गयी थी, लेकिन यहां पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में चीन के लियांग वेइकेंग और वांग चांग से 62 मिनट में 21-19, 14-21, 17-21 से हार गए।

पुरुष एकल में भारत का खिताब का सपना टूट गया। लक्ष्य सेन को पुरुष एकल फाइनल में दूसरे वरीय चीन के ली शि फेंग से 21-15, 21-12 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस परिणाम के साथ, भारत ने दो रजत पदक के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। शुरुआत से ही, भारतीय जोड़ी में एक उद्देश्यपूर्ण भावना थी। उन्होंने स्पष्ट सर्विस और रिटर्न किया, समझदारी से रैलियां बनाईं और गेम पॉइंट पर एक शांत हॉकआई चैलेंज की मदद से पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया।

यह इस बात का संकेत था कि उन्होंने अपनी ताकत और स्थिर निर्णय को कितनी अच्छी तरह से संयोजित करना सीख लिया है। हालाँकि, चीनी जोड़ी ने दूसरे गेम में अपनी लय हासिल कर ली। लियांग के तीखे स्मैश और वांग के तेज इंटरसेप्शन ने भारतीयों को बार-बार बचाव करने पर मजबूर कर दिया। 21-14 का स्कोरलाइन न केवल दूसरी टीम के दबाव को दर्शाता है, बल्कि सात्विक-चिराग की लंबाई और रोटेशन की गुणवत्ता में भी थोड़ी गिरावट दर्शाता है। जैसा कि अक्सर उच्चतम स्तर पर होता है, निर्णायक गेम शुरुआती कुछ आदान-प्रदानों पर निर्भर था।

लियांग और वांग ने शुरुआत में ही हमला बोला और भारतीयों के संभलने से पहले ही स्कोर 6-0 कर दिया। हालांकि सात्विक और चिराग ने बीच में ही अपनी लय पकड़नी शुरू कर दी और साहसिक खेल और तेज पूर्वानुमान के साथ 10-18 से 17-20 पर पहुंच गए, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा साबित हुआ। तीसरे मैच पॉइंट पर लियांग के क्लीन विनर ने एक घंटे से ज्यादा चले मुकाबले को पक्का कर दिया।

भारतीय टीम तीसरे गेम को थोड़े अफसोस के साथ, लेकिन साथ ही उत्साह के साथ भी देखेगी। वे कभी भी किसी से कमतर नहीं रहे, बस कुछ जगहों पर उनसे आगे निकल गए। उनका आक्रामक इरादा, खासकर सात्विक के फ्लैट स्मैश और चिराग का नेट पर नियंत्रण, हर शीर्ष जोड़ी को परेशान करता रहा। उन्हें निर्णायक मुकाबलों में शुरुआती झटकों का सामना करने के लिए स्थिरता की जरूरत है, यह एक ऐसा सबक है जो हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार सामने आया है। थाईलैंड में जीत के बाद से भले ही वे खिताबों से दूर रहे हों, लेकिन इस अभियान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वे विश्व युगल में शीर्ष पर क्यों हैं। अब जबकि सीजन सुपर 750 और सुपर 1000 स्पर्धाओं की ओर बढ़ रहा है, उनकी शुरुआत में थोड़ी कसावट और अंत में एक अटूट ध्यान बहुत बड़ा अंतर ला सकता है। जोड़ी अभी भी अपने कौशल और धैर्य के बीच संतुलन को निखार रही है, उसके लिए हांगकांग सही दिशा में एक और कदम था - भले ही आखिरी कदम अभी उठाना बाकी हो।

नागल की जीत के साथ ही भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

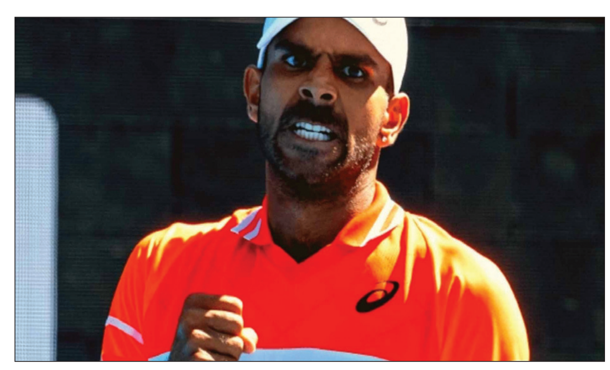

बिएल ।भारतीय टीम के सुमिल नागल ने डेविस कप टेनिस के विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हरा दिया ।इसी के साथ ही भारत को स्विस टीम पर 3-1 की जीत मिली है ।भारतीय टीम अब विश्व ग्रुप के क्वालीफायर में पहुंच गयी है ।वहीं स्विट्जरलैंड टीम ने भी विश्व ग्रुप 1 से प्ले-ऑफ में जगह बनायी है ।भारतीय टीम ने इसी के साथ ही साल 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से ही पहली बार विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम की ओर से दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती मैच में जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर अच्छी शुरुआत की ।वहीं नागल ने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी ।इसके बाद मेजबान स्विस टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत दर्ज की ।जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया ।एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और इससे अब स्कोर 1-2 हो गया ।भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद नागल ने एकल में बर्नेट को हराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी ।

भारतीय टीम अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज खेलेगी

मुम्बई(।विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2027 चक्र को देखते हुए भारतीय टीम को अब अक्टूबर-नवंबर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से होने वाली सीरीज में जीत दर्ज करनी होगी ।ऐसे में टीम के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना जरुरी है ।इसमें सबसे पहला तो ये है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तरोताजा रहें ।बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के तीन ही मैच में हिस्सा ले पाए ।बुमराह तीनों प्रारुपों में भारतीय टीम का अभिन्न अंक है ।भारत को आगामी समय में एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे व्हॉइट बॉल टूर्नामेंट भी खेलने हैं ।ऐसे में गिल-गंभीर बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए कैसे तरोताजा रखना है इस बात का ध्यान कप्तान और कोच को रखना होगा ।इसके अलावा दूसरा ये है कि लिए नंबर तीन पर किये उतारा जाएगा ।इस बात का भी ध्यान रखना होगा ।इंग्लैंड दौरे पर साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला पर दोनो ही सफल नहीं रहे ।

एएफसी महिला एशियाई कप आसान नहीं रहेगा : स्वीटी

जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे से खेलना होगा

उदयपुर ।भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है ।ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा ।भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत में ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ शुरुआती मुकबाला खेलेगी ।वहीं इसके बाद उसे 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना होगाहोगा। स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए आसान नहीं होगा पर हमारी पूरी तैयारी रहेगी। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महिला फुटबॉल का विकास होगा ।इसी कड़ी में जिंक फुटबॉल अकादमी का प्रारंभ होना भी सकारात्मक कदम है ।इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए एशियाई कप के क्वालिफाई किया था ।

स्वीटी ने कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तानी करने का अवसर मिला। मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी और अपने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए प्रयास करूंगी ।मुझे भरोसा है कि हमारी टीम में इस प्रकार की क्षमता है हालांकि इसके लिए हमें कठिन प्रयास करने होंगे ।

भारत की जैसमीन लम्बोरिया विश्व चैम्पियन बनी, नुपूर को रजत और पूजा को कांस्य

लिवरपूल (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग में चैम्पियन बन गई।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जैसमीन ने 57 किलोवर्ग के फाइनल में शनिवार को देर रात 4-1 (30-27, 29-28, 30-27, 28-29, 29-28) से जीत दर्ज की। नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ जैसमीन विश्व चैम्पियन बनने वाली भारत की नौवीं मुक्केबाज बन गई।

इससे पहले 6 बार की चैम्पियन एम सी मेरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता निकहत जरीन (2022 और 2023), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006), लेखा केसी (2006), नीतू गंघास (2023), लवलीना बोरगोहेन (2023) और स्वीटी बूरा (2023) यह खिताब जीत चुकी है।

तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही 24 वर्षीय जैसमीन ने मुकाबले में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। शुरू में दोनों मुक्केबाज एक-दूसरे को परख रही थीं लेकिन रेफरी के उकसावे पर जेरेमेटा ने पहला वार किया। ओलंपिक फाइनल में लिन यू-टिंग से हारने वाली पोलैंड की यह मुक्केबाज तेज और सटीक थी और रक्षात्मक रणनीति का इस्तेमाल करते हुए तेजी से अंदर-बाहर हो रही थी। उन्होंने पहला राउंड 3-2 से जीत लिया। लेकिन दूसरे राउंड में भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की।

जैसमीन ने मुकाबले पर नियंत्रण बनाया तथा आक्रमण और रक्षण के बीच शानदार समन्वय स्थापित किया जिससे सभी जज उनके पक्ष में हो गए। जब अंतिम फैसला सुनाया गया, तो आमतौर पर शांत रहने वाली जैसमीन ने हल्की सी चीख मारी और फिर हाथ उठाकर अपनी निराश प्रतिद्वंद्वी को शालीनता से गले लगा लिया। पदक समारोह में, जब पूरे स्टेडियम में भारतीय राष्ट्रगान गूंज रहा था, तो उनकी आंखें चमक उठीं।

एक अन्य फाइनल में नुपुर को पोलैंड की तकनीकी रूप से कुशल अगाता काज्मार्स्का से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें रजत पदक मिला। नूपुर अपने लंबे कद के बावजूद मुकाबले में खुद को हावी नहीं कर पाईं। उन्होंने शानदार शुरुआत की और मुक्कों की झड़ी लगा दी, लेकिन काज्मार्स्का ने लगातार आक्रामकता से जवाब दिया और ऐसे वार किए कि भारतीय खिलाड़ी निढाल हो गई। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, नूपुर मुक्के मारने में हिचकिचाने लगीं, जबकि पोलैंड की खिलाड़ी लगातार आक्रमण करती रही।

निर्णायक क्षण अंतिम राउंड में आया जब अगाता ने एक ज़बरदस्त अपरकट लगाया जो मुकाबला 3-2 से उनके पक्ष में करने और उनके पहले विश्व ख़िताब को सुनिश्चित करने के लिए काफी था। इससे पहले सेमीफाइनल में पूजा को स्थानीय खिलाड़ी एमिली एस्क्विथ के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। पूजा ने राउंड के बाद अपने नपे-तुले खेल से बढ़त बना ली। लेकिन एस्क्विथ ने तेजी से अपने खेल की रणनीति में बदलाव करते हुए 34 वर्षीय पूजा की लय को बेअसर कर दिया।

सई मांजरेकर ने बताया साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में अंतर

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड और साउथ इंडियन सिनेमा की अक्सर तुलना की जाती रहती है। इस पर अब अभिनेत्री सई मांजरेकर ने भी बात की है। वो दोनों ही इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं। उन्होंने बताया है कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में क्या अंतर है। सई मांजरेकर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती, कहानी और लोगों से जुड़ने का तरीका ही मायने रखता है। फिलहाल मैं बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं, लेकिन मैं किसी समय एक अच्छी मराठी फिल्म भी जरूर करना चाहूंगी। जब तक पटकथा मुझे उत्साहित करती है और निर्देशक का दृष्टिकोण मजबूत है, मैं अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हूं। बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की तुलना पर सई ने कहा, दोनों में काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी एक अलग कार्यशैली और जादू होता है। बॉलीवुड असाधारण भावनाओं और कहानियों को पेश करने के तरीके का जश्न मनाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन की एक अद्भुत भावना और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा है, जिसकी मैं सचमुच प्रशंसा करती हूं। दोनों ही दुनिया ने मुझे अलग-अलग तरीकों से आकार दिया है। मेरे लिए यह खुद को निखारने का मौका भी है, मैं

भाग्यशाली हूं कि मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला है

इससे पहले सई मांजरेकर ने एक पोस्ट में कहा था कि उनके पिता हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं, लेकिन कभी भी उनका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उन्होंने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उनके पिता ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया था और साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और वे किसी फिल्म के लिए उनकी सिफारिश नहीं करेंगे। अभिनेत्री हाल ही में तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती' में नजर आई थीं। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम, विजय शांति, सोहेल खान और श्रीकांत जैसे सितारे भी हैं। अभी एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है।

करण जौहर ने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट पर की बात

फिल्मकार करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वे यहां पर अपनी फिल्म और लाइफ से जुड़ी अपडेट्स साझा करते रहते हैं। आज उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसमें उन्होंने टॉक्सिक लोगों के नुकसान और सफलता के सीक्रेट फैंस के साथ साझा किए हैं। करण जौहर ने इस पोस्ट में कई स्लाइड्स शेयर की हैं। इनमें उन्होंने अपने विचार फैंस के साथ साझा किए हैं। इन्हें शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, विचार जिनसे मैं सहमत हूं।

पहली स्लाइड में उन्होंने लिखा, नियम 1ः वे जो सोचते हैं, उससे कोई लेना-देना नहीं। दूसरी स्लाइड पर लिखा था, कभी-कभी आपकी कीमत तब तक नहीं दिखती जब तक आपकी अनुपस्थिति का एहसास न हो। तीसरी स्लाइड पर लिखा है, एक रिमाइंडरः टॉक्सिक लोगों को नजरअंदाज करना खुद की देखभाल करना है। अन्य स्लाइड्स में लिखा था, अगर आप छोटी-छोटी बातों से विचलित हो जाते हैं, तो आप बड़े काम नहीं कर सकते। सीखने लायक बनें। आप हमेशा सही नहीं होते। ऐसे लोगों को चुनें जो आपको चुनते हैं। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो आपका साथ कभी नहीं देंगे क्योंकि वो आप हैं। फिर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हमेशा आपका साथ देंगे क्योंकि वो आप हैं। आपको बस अपने लोगों को ढूंढना है। फिल्मों की बात करें तो करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इसे शशांक खेतान ने लिखा और डायरेक्ट किया है। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले इसे बनाया गया है।

इस रोमांटिक कॉमेडी में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल, और अक्षय ओबेरॉय जैसे कलाकार हैं। यह दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा उनका प्रोडक्शन हाउस फिल्म 'मिराय' को हिंदी में रिलीज कर रहा है। इसमें दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता तेजा सज्जा लीड रोल निभाते दिखाई देंगे। इसके लिए करण जौहर ने तेजा का खास इंटरव्यू लिया था, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। इसमें करण जौहर ने बताया था कि इतने कम बजट में इतनी शानदार फिल्म बनाना उनकी कल्पना के परे था।

कावेरी प्रियम ने बताया क्यों आकर्षक लगा उन्हें 'दूरियां' का किरदार

अभिनेत्री कावेरी प्रियम ये रिश्ते हैं प्यार के और जिद्दी दिल माने ना जैसे धारावाहिकों में यादगार अभिनय के लिए मशहूर हैं। इन दिनों वो यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहे शो दूरियां में सोनिया का किरदार निभाती दिखाई दे रही हैं। कावेरी प्रियम ने यह किरदार क्यों चुना और यह उनके दूसरे किरदारों से कैसे अलग है, उन्होंने एक इंटरव्यू में इसके बारे में बताया। अभिनेत्री इस शो में एक ऐसी महिला का रोल प्ले कर रही हैं, जो प्रोफेशनल लाइफ में तो बड़ी मजबूत है, लेकिन पर्सनल लाइफ में काफी संघर्ष करती है। कावेरी प्रियम ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, सोनिया के किरदार की जटिलता ने मुझे इसकी तरफ तुरंत आकर्षित किया। वह न सिर्फ एक मजबूत महिला है, बल्कि एक तरीके से कमजोर भी है। पेशेवर तौर पर वह महत्वाकांक्षी और आत्मविश्वासी है, लेकिन निजी जिंदगी में वह असुरक्षित और बेहद भावुक है। इस किरदार का यही द्वंद्व उसे मेरे लिए आकर्षक बनाता है। कावेरी मानती हैं कि सोनिया के किरदार के लिए तैयारी करने का मतलब था कि उन असली महिलाओं को देखना जो काम पर अपनी ताकत और घर पर अपनी कमजोरी के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। उन्होंने बताया कि इस तरह के किरदार निभाना उन्हें पसंद हैं, जो उन्हें कुछ नया करने की चुनौती दे। कावेरी ने कहा, मैं जानबूझकर स्क्रीन पर खुद को दोहराने से बचती हूं। सोनिया ने मुझे एक ही भूमिका में महत्वाकांक्षा, जुनून, कमजोरी और दिल टूटने का अहसास दिखाने का मौका दिया। मैं कई परतों वाली खामियों से भरे किरदारों और ऐसी कहानियों को तलाशना पसंद करती हूं, जो मुझे चुनौती दें, फिर चाहे वो फिल्म, ओटीटी, या टीवी किसी से भी जुड़े क्यों न हों।

तनाव की वजह से बीच में छोड़ा था एक सीरियल

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी को 'प्यार की एक कहानी', 'सरस्वती चंद्र', और 'बहु हमारी रजनीकांत' जैसे सीरियल्स के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर के मुश्किल दौर को याद किया। साथ ही बताया कि कैसे काम के तनाव की वजह से उन्हें एक सीरियल को बीच में ही छोड़ना पड़ गया था। इंटरव्यू में वाहबिज ने कहा, हां, मैंने एक शो बीच में ही छोड़ दिया था। मेरे जाने के कुछ दिनों बाद वो शो बंद हो गया क्योंकि शो उन पर ही आधारित था। सच कहूं तो काम के तनाव ने मुझ पर बहुत बुरा असर डाला था। मुझे मधुमेह था और ये गंभीर स्थिति तक पहुंच गया था। डॉटर्स ने मुझे आराम करने की सलाह दी थी। इसलिए मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के ह्श्वयार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है। टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप या करने जा रहे हैं। कभी- कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडशन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर काम का समय सीमित कर दिया जाए, तो कलाकारों के अभिनय में निखार आएगा, वे स्वस्थ रहेंगे, और उत्पादकता भी बढ़ेगी। इससे सबको फायदा होगा।

हर इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं तेजा सज्जा

तेलुगु एक्टर तेजा सज्जा की पैन इंडिया फिल्म 'मिराई' रिलीज हो गई है। इस फिल्म को नॉर्थ इंडिया में रिलीज करने का जिम्मा बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन ने ली है। इससे पहले तेजा की पैन इंडिया फिल्म 'हनुमान' को भी हिंदी ऑडियंस ने खूब पसंद किया था। बातचीत में एक्टर ने हिंदी ऑडियंस और अलग-अलग भाषाओं में काम करने पर अपनी राय साझा की है।

आपकी फिल्म हनुमान को हर भाषा में ऑडियंस का प्यार मिला था। क्या आपको हिंदी इंडस्ट्री से ऑफर मिले?

हां, मुझे ऑफर्स आए थे। मैं जो भी फिल्म करता हूं, उसे लेकर काफी कंसर्न रहता हूं। मैं कोई भी प्रोजेक्ट तभी करता हूं, जब मैं अंदर से उसके लिए एक्साइटेड होता हूं। भाषा मेरे लिए प्रॉब्लम नहीं है। फिल्ममेकर कहीं से भी आ सकते हैं। आज कन्नड़ डायरेक्टर प्रशांत नील सर प्रभाष के साथ फिल्म बना रहे हैं। मेरी फिल्म हनुमान के डायरेक्टर कन्नड़ एक्टर ॠषभ शेट्टी के साथ फिल्म बना रहे हैं तो भाषा कहीं से दिक्कत नहीं है। हमारे इंडियन सिनेमा में मुझे किसी भी भाषा का कोई भी फिल्ममेकर फिल्म ऑफर कर सकता है और उसका पार्ट बनकर मुझे खुशी होगी।

'हनुमान' की वजह से बच्चों में आपकी काफी फैन-फॉलोइंग है। इसे आप कैसे देखते हैं?

मैं जानता हूं कि मैं जो फिल्में कर रहा हूं, वो बच्चों को बहुत पसंद आ रही हैं। इसलिए मैंने सोच-समझकर फैसला लिया है कि मेरी फिल्म साफ-सुथरी होंगी। सभी बच्चों को पसंद आनी चाहिए। मेरी फिल्मों में कूल अंदाज में नैतिकता को दिखाया जाएगा। मिराई में एक्शन की एक नई दुनिया देखने मिलेगी। अपने इतिहास को जिस अंदाज में हम ऑडियंस को बताने जा रहे हैं, मुझे पूरा भरोसा है कि बच्चों को ये भी पसंद आएगी।

आप पर्दे पर साउथ के कई बड़े नामों का बचपन निभा चुके हैं। उनकी तरफ से आपकी फिल्मों को लेकर क्या रिस्पॉन्स मिलता है?

'मिराई' को देख चिरंजीवी सर ने मुझे और प्रोड्यूसर दोनों के लिए लंबा-चौड़ा मैसेज भेजा था। प्रभाष सर को 'मिराई' का ट्रेलर बहुत पसंद आया। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में टॉप के जो भी लोग हैं, अगर वो देखते हैं कि कोई अपनी लिमिट से बाहर जाकर मेहनत कर रहा है, तो वो उसे मोटिवेट करते हैं।

अगर कभी मौका मिले तो किस भगवान का रोल निभाना चाहेंगे?

मैं अभी कुछ बताना नहीं चाहता हूं। मेरी एक बड़े कोलैबरेशन के लिए बातचीत चल रही है। उसमें भगवान का रोल नहीं है लेकिन उसमें हमारे इतिहास से जुड़ा एक किरदार है। इस पर अभी बात चल रही है इसलिए मैं आपको बता नहीं सकता हूं।

अच्छी कहानी मिले तो मैं जरूर करूंगा एलजीबीटीक्यू किरदार

अपनी सीरीज राणा नायडू सीजन 2 के लिए चर्चा बटोर चुके राणा दग्गुबाती बाहुबली के भल्लालदेव के किरदार के रूप में लोकप्रिय रहे हैं। अभिनेता ही नहीं निर्माता और डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में वे सिनेमा की बारीकियों को भी खूब जानते हैं। इस बार वे सनडांस फिल्म फेस्टिवल में विजेता साबित हुई मराठी फिल्म साबर बोंडा से जुड़े हैं।

बॉक्स ऑफिस इस वक्त काफी अनिश्चित दौर से गुजर रहा है, आपका क्या कहना है?

मुझे लगता है, बॉक्स ऑफिस एक न्यूट्रल चीज है। यह फिल्म के अच्छे या बुरे होने पर निर्भर करता है। बॉक्स ऑफिस का समय के साथ कोई रिलेशन नहीं होता। कांतारा, एनीमेशन फिल्म महावतार नरसिम्हा और कई इंडिपेंडेंट तमिल-तेलुगू फिल्मों ने भी बहुत अच्छा बिजनेस किया। जैसे कांतारा 15 करोड़ की फिल्म थी, मगर उसने 500 करोड़ का बिजनेस किया था। सिनेमा में अच्छा-बुरा दौर चलता रहता है। दर्शकों को वैरायटी चाहिए होती है, मगर मेकर्स की प्रॉब्लम ये है कि अगर एक्शन या लव स्टोरी चल गई, तो वे लगातार उसी तरह की फिल्म बनाने में लग जाते हैं। मगर इंडिपेंडेटट फिल्मों की लागत बड़ी फिल्मों की तुलना में कम होती है, तो बॉक्स ऑफिस पर इनके सर्वाव करने के चांसेज ज्यादा होते हैं।

स्टार्स अगर अपनी फीस कम करें, तो फिल्म के बजट को कंट्रोल में लाया जा सकता है?

स्टार्स की फीस का सवाल पूरी तरह पर्सनल चॉइस है। अगर उनकी फीस ज्यादा लगती है, तो मेकर्स न्यूकमर्स के साथ फिल्म बना सकते हैं। हर कोई अपनी वैल्यू की कीमत मांगता है और कई प्रोड्यूसर उसे देने को तैयार भी होते हैं। असल मसला भरोसे का है। क्या आप नए डायरेक्टर्स या नए चेहरों पर दांव लगाने को तैयार हैं? बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। जबकि दूसरी इंडस्ट्रीज़ में देखें तो नानी, विजय देवरकोंडा जैसे एक्टर्स नए डायरेक्टर्स के साथ काम करते हैं और तरुण भास्कर जैसे फिल्ममेकर्स ने पहली ही फिल्म में खुद को साबित किया। सलमान दुलकर ने भी नए डायरेक्टर सेल्वा के साथ काम किया। यहां यही कमी है कि लोग एक-दूसरे पर यकीन नहीं करते। आखिरकार, फिल्म को उसकी कहानी और मेरिट पर तौला जाना चाहिए। अगर ऐसा हो, तो बजट, फीस और बाकी समस्याएं खुद सुलझ जाएंगी।

वो दौर कैसा था, जब आपको एक आंख से दिखाई नहीं देता था? आप कई तरह की सर्जरी से भी गुजरे?

हर इंसान की जिंदगी में मुश्किलें आती हैं, लेकिन वही चुनौतियां इंसान को मजबूत बनाती हैं। मेरे लिए उस कठिन दौर में सबसे बड़ा सहारा मेरा परिवार और सिनेमा रहा। विज़ुअली इंपेयर्ड होने की कमी को ही मैंने अपनी ताकत बना लिया। पढ़ाई, डिबेट, ड्रामा, हर जगह अच्छा करता था, और स्टेज परफॉर्मेंस के वक्त मुझे ऑडियंस दिखती ही नहीं थी, तो स्टेज फ़ियर का सवाल ही नहीं था। एक्शन सीन के दौरान भी मैं बिंदास परफॉर्म करता हूं।

साबर बोंडा जैसी एलजीबीटीक्यू कम्युनिटी की मराठी फिल्म से जुड़ने का क्या कारण रहा?

दर्शकों को हमेशा नया कंटेंट चाहिए, लेकिन पिछले दस सालों में ऐसे सिनेमा को वो प्लेटफॉर्म नहीं मिला जिसकी जरूरत थी। कुछ फिल्में ओटीटी या इंटरनेशनल फेस्टिवल्स तक तो पहुंचती हैं, मगर आम दर्शक तक नहीं। जैसे निर्देशक रोहन कानावड़े की यह फिल्म सनडांस फिल्म फेस्टिवल में विजेता साबित होने वाली दक्षिण एशिया की पहली फिल्म थी। पहले श्याम बेनेगल, के. विश्वनाथ, के. बालाचंदर जैसे फिल्मकार सामाजिक मुद्दों की आवाज हुआ करते थे। आम समाज में या दूसरे क्षेत्रों में भले इन्हें टैबू समझा जाता हो, मगर सिनेमा और आर्ट्स ने हमेशा इनका स्वागत किया है। कई डिजाइनर्स और क्रिएटिव लोग ऐसे हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है इस फिल्म का हैपी एंडिंग भी लोगों का नजरिया बदलेगी। जहां तक एलजीबीटीक्यू किरदार निभाने की बात है, तो जरूर, यदि मुझे कोई अच्छी कहानी मिले तो मैं जरूर करूंगा।

मिल सकती है फूलों से कोमल काया

तेज रसायनयुक्त उत्पाद आपकी त्वचा पर रूखापन और खिंचाव पैदा करते हैं। कृत्रिम खुशबूदार उत्पाद भी आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते है। इसलिए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल के लिए अधिक से अधिक प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करे, साथ ही यहां दिए जा रहे टिप्स पर भी ध्यान रखें।

साफ रखें अपनी त्वचा

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉली कपूर कहती है कि आपकी त्वचा साफ रहे इसके लिए आवश्यक है त्वचा को साफ रखना। अत्यधिक रसायनयुक्त क्रीम या प्रसाधनों के इस्तेमाल से बचें। हफ्ते में एक बार गुनगुने पानी से स्नान त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। घरेलू फेसपैक से त्वचा को दें नया निखार। इसके लिए दो चम्मच गेहूं के आटे में एक चम्मच बादाम रोगन, एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बना लें और उसे चेहरे पर दस मिनट तक लगाएं। फिर हलके हाथों से मलकर छुड़ाएं। ऐसा हफ्ते में दो बार करे। इससे आपकी त्वचा कांतिमय हो जाएगी और उसे बाहरी व आंतरिक नमी भी मिलेगी।

तनाव से रहे दूर

तनाव कई प्रकार के होते है। शारीरिक तनाव तब होता है, जब आप अत्यधिक कार्य करती है और कुछ समय बाद आपका शरीर थक जाता है। इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पड़ता है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी नमी खत्म होने लगती है और त्वचा रूखी और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शरीर को आवश्यकतानुसार आराम करने का भी मौका दें। जब आप तनाव में होती है तो उसका असर भी आपकी त्वचा पर पड़ता है। जो स्त्रियां अधिक तनाव में रहती है उनकी त्वचा उम्र से पहले झुर्रियों युक्त, रूखी, बेजान हो जाती है। जहां तक हो छोटे-छोटे, अनावश्यक तनावों को मन में पाले न रहे। उनसे जितनी जल्दी हो मुक्ति पाने का प्रयास करे। आप अगर खुश रहेगी तो आपका चेहरा भी खिला-खिला नजर आएगा।

बचें मानसिक तनाव से

यह तो सभी को पता है कि चिंता चिता के समान होती है। लेकिन इस बात की जानकारी कम ही लोगों को होगी कि अत्यधिक चिंता करने से आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने वाली ग्रंथियों का संतुलन भी बिगड़ जाता है, जिसका परिणाम तुरंत आपकी त्वचा पर दिखता है जैसे-झुर्रियां, रूखापन और लकीरे। मानसिक तनाव से बचने के लिए जरूरी है कि आप चीजों को सकारात्मक रूप से लें। अधिक तनाव आपके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

करे भावनाओं पर नियंत्रण

वैवाहिक मतभेद या किसी अपने से अलग होने का गम, प्यार में धोखा खाने से आप भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त हो जाती है। इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ दिखाई देता है। आप खुद ही महसूस करे कि कई बार गुस्से या शर्म से आपका चेहरा लाल हो जाता है। देखिए कि कैसे भावनाओं का सीधा असर आपके चेहरे पर पड़ता है। बहुत अधिक तनावग्रस्त होने पर आपकी त्वचा कई बार फटने लगती है या फिर जो स्त्रियां हमेशा तनाव में रहती है उनके माथे और आंखों के आसपास लकीरें बन जाती है। इन लकीरों का उम्र से कोई वास्ता नहीं होता है। ऐसे तनाव से बचने के लिए मेडिटेशन या ध्यान एक अच्छा उपाय है। इसे अपनी आदत बनाएं। सिर्फ एक दिन-दो दिन योग या मेडिटेशन करने भर से ही तनाव कम नहीं होता। सुबह उठकर टहलें। हरे-भरे, रंगीन फूलों से लदे पेड़ आपमें जीने की नई ललक और ऊर्जा भर देंगे और आपका मन हलका हो जाएगा।

वरदान है पानी

खूब पानी पिएं। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्त और वंदना लूथरा का कहना है कि पानी त्वचा के लिए वरदान है। पानी में कुछ मसालों का प्रयोग करके उसे और भी फायदेमंद बनाया जा सकता है। जिसका एक आसान तरीका यह है कि पानी उबालें और उसे एक जार में डाल दें। अब उसमें काली मिर्च पाउडर, गुलाब की 5-6 पंखुड़ियां और एक चुटकी इलायची पाउडर डालकर जार ढंक दें। फिर इसे थोड़ा-थोड़ा दिन में कई बार पिएं। ठंडाई का भी सेवन करे।

मालिश दे युवा त्वचा

तेल मालिश से त्वचा स्वस्थ और लंबे समय तक युवा रहती है। बेहतर परिणाम के लिए नहाने से पूर्व रोजाना हर्बल तेल से अपनी त्वचा की मालिश करे। अपने मनपसंद बॉडी ऑयल से नहाने के 45 मिनट पूर्व तेल मालिश करें। फिर पानी में रोज एसेंशियल ऑयल डालकर नहाएं।

सीखें खुश रहना

जब आप अच्छी-अच्छी बातें सोचती है और खुश रहती है तो आपके चेहरे पर एक अलग चमक और रौनक आ जाती है। खुश रहने से त्वचा में एकत्रित नमी का संतुलन बना रहने के साथ ही रक्तसंचार भी सुचारु रूप से होता है। खुलकर हंसना एक अच्छी एक्सरसाइज भी है। आप खुद ही आजमाकर देख लीजिए।

अपने लिए निकालें समय

अपने व्यस्त जीवन में अपने लिए समय निकालना भी बेहद जरूरी है। हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा निकालें जो सिर्फआपके नाम हो। इस दिन आप अपने हाथों, पैरों और त्वचा की संपूर्ण सफाई के लिए कुछ घरेलू पैक बनाएं। सौंदर्य विशेषज्ञा सुपर्णा त्रिखा कहती है कि अगर आपके पास ज्यादा समय न हो तो कोई एक गूदेदार मौसमी फल को मैश करके त्वचा पर हलके हाथों से कुछ देर स्क्रब करे। फिर ऐसे ही छोड़ दें। फिर ठंडे पानी धोकर पोंछ लें। इसी प्रकार हाथों और पैरों का सौंदर्य बढ़ाने के लिए हलके गर्म पानी में कुछ बूंदें ग्लिसरीन और आधा चम्मच पिसी फिटकरी मिलाकर अपने हाथों और पैरों को उसमें डुबोएं।

फिर नीबू के छिलके से कोहनियों को अच्छी तरह साफ करे। साफ पानी से धोकर सुखा लें। फिर बॉडी क्रीम लगाएं। अगर आप हफ्ते में एक बार भी ऐसा करती है तो त्वचा के लिए जरूरी पोषण आसानी से मिल जाएगा। ऐसे ही कुछ आसान तरीके अपनाकर आप अपनी त्वचा ही नहीं, बल्कि तन और मन को स्वस्थ रख सकती है।

त्वचा को ताजगी देने वाले नायाब फेसपैक

चेहरे की चमक और सौंदर्य अधिक समय तक कायम रहे, इसके लिए उसकी कुदरती देखभाल बहुत जरूरी है। फिर कुदरत ने हमें ऐसे अनमोल उपहार भी तो दिए है जिनके उपयोग से न सिर्फ रंगत में निखार आता है, बल्कि त्वचा कोमल, साफ-सुथरी और चमकदार हो जाती है। अगर शुरू से ही आप नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करे तो आपकी त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ और खूबसूरत बनी रह सकती है। उसमें कसाव और लचीलापन भी बरकरार रह सकता है। प्रकृति ने हमें तमाम ऐसी चीजें उपहार में दी है जिनके सही उपयोग से हमारी त्वचा लंबे समय तक युवा, आकर्षक और तरोताजा बनी रह सकती है। इस बार सखी कुछ ऐसे ही चुनिंदा प्रकृतिप्रदत्त फेसपैक सौंदर्य बढ़ाने के लिए लाई है, जिन्हे अपनाकर आप वाकई लाजवाब और सुंदर नजर आएंगी, वह भी कुदरती तौर पर।

क्यूकम्बर पैक

1.1/2 छिला हुआ खीरा
2. 1 टी स्पून मिल्क पाउडर
3.1 टी स्पून नारियल पानी
4. 2 टेबल स्पून खरबूजे का गूदा

सभी को मिक्सी में डालकर खूब अच्छी तरह पेस्ट बना लें। चेहरे और गर्दन में लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर हलका-सा मलकर छुड़ाएं। यह पैक आपको दिनभर के लिए तरोताजा कर देगा और ठंडक भरा एहसास देगा।

1.1/2 कसा हुआ खीरा
2. 1 टी स्पून शहद
3. 2 टेबल स्पून दूध
4.1 बूंद पिपरमिंट ऑयल
5. 1 टी स्पून ठंडा पानी

सभी सामग्री को एकसाथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ठंडे पानी चेहरा साफ कर लें। फिर चेहरे पर मॉयस्चराइजर लगाएं। त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए हर मौसम में मॉयस्चराइजर लगाना जरूरी होता है। यह पैक त्वचा को मुलायम बनाता है और उसे पोषण देने के साथ ही ताजगी प्रदान करता है। गर्मियों में यह फेसपैक हर प्रकार की त्वचा के लिए आदर्श है।

त्वचा की रंगत बनाए रखने के लिए

1. 1/2 कप लैनोलिन
2.1 कप ताजा कटा हुआ लैटयूज
3. 2 बूंद आपका मनपसंद परफ्यूम

लैनोलिन को शीशे के ग्लास में डालें और एक पैन में खूब गर्म पानी भरकर ग्लास को रखें ताकि लैनोलिन पूरी तरह से पिघल जाए। फिर उसमें कटे हुए लैंटयूज के पत्ते डालकर चलाएं और गर्म रखें। पानी से ग्लास हटाकर ठंडा करे फिर लकड़ी के चम्मच से खूब अच्छी तरह फेंटे। जब ठंडा हो जाए तब चेहरे पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद चेहरा धो लें। लैटयूज एक बेहतर स्किन रिफाइनर है। यह त्वचा को पोषण भी देता है और कांतिमय भी बनाए रखता है।

1.1 टुकड़ा पका पपीता

पपीते को मसल कर चेहरे पर लगाएं। आंखों का हिस्सा छोड़कर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ताजे पानी से चेहरा साफ करे। ऐसा हफ्ते में दो बार करे। यह त्वचा को ताजगी प्रदान करेगा और लंबे समय तक युवा बनाए रखेगा।

1. 1/2 कप ताजा स्ट्रॉबेरी 2.1 टेबल स्पून ओटमील

स्ट्राबेरी को मसलकर पेस्ट बना लें फिर उसमें ओटमील मिलाएं। आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें। चेहरे की रंगत बढ़ाने के लिए स्त्रियां बरसों से स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल करती रही है।

एंटी रिंकल क्रीम

1. 50 ग्राम शुद्ध शहद
2. 25 ग्राम व्हाइट वैक्स
3. 50 ग्राम क्रश्ड व्हाइट लिली
4. 50 ग्राम प्याज का रस

सभी सामग्री को किसी नॉन मेटैलिक कंटेनर में डालकर धीमी आंच पर पकाएं। अच्छी तरह चलाएं जब तक कि वैक्स पिघल न जाए। ठंडा करें और अच्छी तरह मिलाएं। चेहरे और गर्दन पर नीचे से ऊपर की दिशा में हाथ को घुमाते हुए लगाएं।

एंटी रिंकल फेशियल मास्क ,

1. 4 अंडों सफेदी
2. 8 ग्राम आमंड ऑयल
3. 25 मिली. गुलाबजल
4.12 ग्राम चंदन पाउडर

अंडे की सफेदी को फेंटकर एक नॉन मेटैलिक पैन में डालें और फिर उसमें गुलाबजल मिलाकर 1/2 मिनट के लिए उबालें फिर उसमें आमंड ऑयल, चंदन पाउडर मिलाकर खूब अच्छी तरह ब्लेंड करे और बोतल में भर लें। जरूरत भर निकालकर चेहरे पर मास्क की तरह लगाएं और सूखने पर ऊपर से नीचे की दिशा में निकालें। ताजे पानी से साफकरके मॉयस्चराइजर लगाएं।

त्वचा में कसाव लाने के लिए

1.1 अंडे की सफेदी
2. 1 टेबल स्पून शहद

अंडे की सफेदी को खूब अच्छी तरह फेंटकर उसमें शहद मिलाएं। फिर आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। दस मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। फिर इसका चमत्कार देखें, त्वचा कसाव के साथ-साथ प्राकृतिक चमक आ जाएगी। दूर से ही आपकी त्वचा स्वस्थ नजर आएगी।

1. 2 टेबल स्पून मिल्क
2.1 नींबू का रस
3.1 टेबल स्पून ब्रैंडी

सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। कॉटन वूल की सहायता चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

1.1/2 कप पाउडर मिल्क
2.1 टेबल स्पून गर्म पानी
3. 3/4 टेबल स्पून दूध

सभी सामग्री मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे शेविंग ब्रश से चेहरे व गर्दन पर हलके हाथों से तब तक मलते हुए लगाएं जब तक कि त्वचा गुलाबी न नज़र आने लगे। हलके गर्म पानी से चेहरा साफ़ करे। दोबारा लगाएं और 5-10 मिनट बाद फिर से गुनगुने पानी से धोकर ठंडे पानी से धोएं।

1. 3 टेबल स्पून दरदरी बार्ली
2. 1 टी स्पून शहद
3.1 अंडे की सफेदी

सभी सामग्री को एकसाथ अच्छी तरह मिलाएं। फिर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 10-15 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। बार्ली त्वचा को ठंडक प्रदान करती है और शहद त्वचा में कसाव लाता और धूप से त्वचा को सुरक्षा प्रदान करने में मदद करता है।

क्लींजिंग मास्क

1. 2 टेबल स्पून ओटमील
2.बटर मिल्क या खीरा का जूस

सभी सामग्री मिलाकर आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।